गुरुवार, 3 जुलाई 2025

**मौसम**

तापमान 25 – 31
आर्द्रता 82%
सूर्योदय: 4:56 सूर्यास्त: 18:25

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

# समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, आषाढ़ शुक्लपक्ष अष्टमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : कल्पना में कुछ भी लिखा जा सकता है, लेकिन हकीकत में तो जीना पड़ता है।

गिल का बतौर कप्तान लगातार दूसरा शतक

पृष्ठ 8

**RED-X**
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

### झारखंड: मुख्यमंत्री सोरेन के पूर्व सहयोगी पर 1,000 करोड़ रुपये का अवैध खनन गिरोह चलाने का आरोप

**नयी दिल्ली :** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के एक पूर्व सहयोगी ने राज्य में अवैध खनन गिरोह संचालित करने के लिए ''राजनीतिक प्रभाव'' का इस्तेमाल किया, जिससे 1,000 करोड़ रुपये की आय अपराध से अर्जित की गई। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने रांची में एक विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष 30 जून को इस मामले में दायर एक नयी अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र) में ये आरोप लगाए हैं। ईडी ने दावा किया, ''मौजूदा शिकायत आठ अतिरिक्त व्यक्तियों और दो कंपनियों की भूमिका को उजागर करती है, जो झारखंड के मुख्यमंत्री के तत्कालीन राजनीतिक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा द्वारा संचालित आपराधिक नेटवर्क का अभिन्न हिस्सा पाये गए हैं।''

### निर्वाचन आयोग पहुंचे 'इंडिया' गठबंधन के नेता, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध किया

**नयी दिल्ली :** 'इंडिया' गठबंधन के कई घटक दलों के नेताओं ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बुधवार को निर्वाचन आयोग का रुख कर अपनी चिंताओं से अवगत कराया और इस कवायद के समय को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि इस प्रकिया से बिहार के 20 प्रतिशत मतदाताओं को मतदान से वंचित होना पड़ सकता है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन समेत 11 दलों के नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य चुनाव आयुक्तों से मुलाकात की और राज्य में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले की जा रहे विशेष पुनरीक्षण को लेकर आपत्ति जताई।

## कसबा सामूहिक दुष्कर्म

# मनोजित पर बढ़ा दबाव, अब जुड़ीं अपहरण, धमकी और हथियार से हमले समेत 6 नई धाराएं

**कोलकाता :** कसबा गैंगरेप कांड में अब आरोपी मनोजित मिश्रा और अन्य दो अभियुक्तों के खिलाफ जमानत-अयोग्य तीन धाराओं के साथ 6 और गंभीर धाराएं जोड़ी गई हैं, जिससे मामला और संगीन हो गया है।

❑ **नई धाराओं में शामिल हैं:**
- धारा 140(3) – अपहरण
- धारा 351(3) – धमकी देना
- धारा 118(1) – हथियार से हमला करना
- धारा 77 – गोपनीय व अन्य गतिविधियों की निगरानी करना
- धारा 140(4) – जबरदस्ती कैद में रखकर मारपीट और यातना देना
- धारा 142 – किसी को घर में बंदी बनाकर रखना

❑ **पहले से ही इन पर गंभीर धाराएं लागू थीं:**
- धारा 127(2) – किसी को अवैध रूप से बंदी बनाना
- धारा 70(1) – गैंगरेप

- धारा 3(5) – एक ही उद्देश्य से संगठित अपराध करना

अब इन छह नई धाराओं को भी जोड़ दिया गया है, जिससे आरोपी पक्ष की मुश्किलें कई गुना बढ़ गई हैं।

विशेष जांच दल (एसआईटी) इस मामले में अपराध को साबित करने के लिए आक्रामक तरीके से जांच में जुटा है। एसआईटी को हाल ही में कुछ नए सबूत हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर ये नई धाराएं जोड़ी गई हैं।

अब सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) की विशिष्ट धाराएं भी मनोजित मिश्रा और दो अन्य आरोपियों पर लागू की गई हैं।

एसआईटी का दावा है कि यह पूर्व नियोजित गैंगरेप था। शुरुआत में केवल तीन धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ था, लेकिन बाद में पुलिस ने अलीपुर अदालत से 6 और धाराएं जोड़ने की अनुमति मांगी, जिसे न्यायाधीश ने मंजूरी दे दी। इसके बाद नई धाराएं विधिवत रूप से आरोपियों पर लागू कर दी गईं।

इस बीच, मामले की जांच का जिम्मा जासूसी विभाग संभालने जा रहा है।

### मुख्य आरोपी का नाम राज्य बार काउंसिल के वकीलों की सूची से हटा

कसबा स्थित लॉ कॉलेज में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले में मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा वकील के तौर पर प्रैक्टिस कर रहा था। उसे कॉलेज से पहले ही निकाल दिया गया है। अब राज्य के वकीलों की सूची से भी मनोजीत का नाम हटा दिया गया है। घटना के 8 दिन बाद राज्य बार काउंसिल ने सख्त कदम उठाया है। इस फैसले की घोषणा करते हुए बार काउंसिल के चेयरमैन अशोक कुमार देब ने कहा कि उसका नामांकन रद्द कर दिया गया है। इस फैसले की जानकारी सेंट्रल बार काउंसिल को भी दी जाएगी। अब से आरोपी का बार काउंसिल या किसी भी बार एसोसिएशन से कोई संबंध नहीं रहेगा।

# मुख्यमंत्री ममता ने रथयात्रा, श्रावणी मेला और मुहर्रम को लेकर की बैठक

- दीघा में उल्टा रथयात्रा में भी एयर एंबुलेंस की व्यवस्था
- राज्य भर में सख्त निगरानी का आदेश

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य सरकार जगन्नाथ देव की मौसी के घर से वापसी यात्रा के लिए भी एयर एंबुलेंस किराये पर ले रही है। यह व्यवस्था नवान्न द्वारा की गई है, ताकि भीड़ के दबाव के कारण किसी व्यक्ति के बीमार पड़ने पर उसे गंगासागर की तर्ज पर इलाज के लिए कोलकाता लाया जा सके। बता दें कि दीघा में रथयात्रा के लिए एयर एंबुलेंस तैयार रखी गई है। गत 25 से 28 जून तक दीघा में एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। इसी तरह उल्टा रथ के दिन भी श्रद्धालुओं को भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए एक हेलीकॉप्टर को स्टैंडबाय पर रखा जा रहा है। नवान्न सूत्रों के अनुसार, 5 जुलाई को उल्टा रथयात्रा के दिन एक हेलीकॉप्टर तैनात करने को कहा गया है। हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करने वाले संगठनों को पहले ही सूचित कर दिया गया है। पता चला है कि 4 जुलाई की दोपहर से एयर एंबुलेंस को स्टैंडबाय पर रखा जाएगा। दरअसल, बुधवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नवान्न में रथयात्रा, श्रावणी मेला और मुहर्रम के लिए अधिकारियों के साथ तैयारी बैठक की। इस बार, उल्टा रथयात्रा के लिए भी यही व्यवस्था रहेगी। यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि अगर कोई बीमार पड़ जाए और उसे कोलकाता के अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़े तो देरी न हो।

# प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों की यात्रा के पहले चरण में घाना पहुंचे

**भारत-घाना के बीच चार अहम समझौतों पर दस्तखत**

**अक्करा (घाना) :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर घाना पहुंचे, जहां वह पश्चिम अफ्रीकी देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगे और मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा करेंगे। घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने प्रधानमंत्री मोदी की हवाई अड्डे पर अगवानी की, जहां उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी की घाना की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है। साथ ही, यह तीन दशकों में भारत के किसी प्रधानमंत्री की पहली घाना यात्रा है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''घाना के अक्करा पहुंचा। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा द्वारा हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत किये जाने से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। दोनों देश अपने दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नये रास्ते तलाशने के लिए मिलकर काम करने को तत्पर हैं।'' राष्ट्रपति महामा के निमंत्रण पर घाना की यात्रा पर आए मोदी का भव्य स्वागत किया गया, जिस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सलामी गारद का निरीक्षण किया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, घाना के अक्करा पहुंच गया हूं। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा द्वारा हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत किए जाने से सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

# ओला, उबर और रैपिडो से सफर करना होगा महंगा, सरकार ने लागू किए नए नियम

**नयी दिल्ली :** अगर आप भी ओला, उबर, रैपिडो या इनड्राइव जैसी ऐप-बेस्ड टैक्सी सेवाओं का उपयोग करते हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद अहम है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इन राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए नए सख्त नियम जारी किए हैं, जो सीधे तौर पर किराए से लेकर ड्राइवर की ट्रेनिंग और सुरक्षा तक को प्रभावित करेंगे। आने वाले तीन महीनों में सभी राज्यों को ये नियम लागू करने होंगे।

नए नियमों के अनुसार अब ऐप बेस्ड टैक्सी सेवाएं पीक टाइम (अधिक डिमांड के समय) में बेस फेयर का दो गुना तक किराया वसूल सकती हैं। पहले यह सीमा 1.5 गुना तक थी। यानी यदि किसी शहर में टैक्सी का बेस फेयर 20 प्रति किलोमीटर है, तो अब यह 40 प्रति किलोमीटर तक जा सकता है। वहीं, नॉन-पीक टाइम में किराया कम से कम 50% तक तय किया गया है।

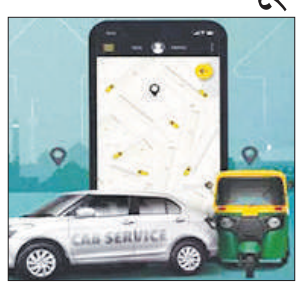

राज्य सरकारें अलग-अलग गाड़ियों के लिए (टैक्सी, ऑटो, बाइक टैक्सी) बेस फेयर तय करेंगी। जिन राज्यों ने अभी तक यह निर्धारित नहीं किया है, वहां कंपनियों को राज्य सरकार को अपने किराए की जानकारी देनी होगी।

### राइड कैंसल पर ड्राइवर और पैसेंजर दोनों पर जुर्माना

अब ऐप पर राइड एक्सेप्ट करने के बाद अगर ड्राइवर बिना ठोस वजह के राइड कैंसल करता है, तो उस पर किराए का 10% जुर्माना लगाया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा 100 होगी। यह जुर्माना ड्राइवर और कंपनी दोनों को साझा रूप से भरना होगा।

वहीं, पैसेंजर अगर राइड बुक करने के बाद उसे कैंसल करता है, तो उस पर भी यही जुर्माना लगेगा।

### ड्राइवरों के लिए अनिवार्य इंश्योरेंस और ट्रेनिंग

सरकार ने हर राइड-हेलिंग ड्राइवर के लिए 5 लाख रुपये का हेल्थ इंश्योरेंस और 10 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस अनिवार्य कर दिया है। इसके अलावा, सभी ड्राइवरों को साल में एक बार रिफ्रेशर ट्रेनिंग देना भी अनिवार्य होगा।

### ट्रैकिंग डिवाइस अनिवार्य

यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए अब सभी टैक्सियों में व्हीकल लोकेशन एंड ट्रैकिंग डिवाइस (तडढऊ) लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। यह डिवाइस का डेटा न केवल राइड-हेलिंग कंपनी के सर्वर पर, बल्कि राज्य के इंटीग्रेटेड कंट्रोल सेंटर को भी भेजा जाएगा।

### संसद के मानसून सत्र की तारीख बदली, अब 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा, किरेन रिजिजू ने दी जानकारी

**नयी दिल्ली :** केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ऐलान किया कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा। हालांकि मानसून सत्र की तारीख पहले 21 जुलाई से 12 अगस्त तक प्रस्तावित थी। आमतौर पर संसद का मानसून सत्र स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) से पहले समाप्त हो जाता है, लेकिन इस बार पहली बार सत्र 15 अगस्त के बाद भी जारी रहेगा।

# मिडिल क्लास को मिलेगी अब जीएसटी से राहत!

### 12% स्लैब खत्म कर 5% में लाने की तैयारी में सरकार

**नयी दिल्ली :** जीएसटी को लेकर सरकार की बड़ी प्लानिंग है और इसके तहत मिडिल क्लास व लोअर इनकम ग्रुप वाले लोगों को राहत मिल सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जल्द ही जीएसटी में बड़ी राहत दी जा सकती है और केंद्र सरकार जीएसटी रेट्स में कटौती की जा सकती है। ऐसा बताया जा रहा है कि मोदी सरकार जीएसटी स्लैब बदलने पर गंभीरता से विचार कर रही है और 12 फीसदी का जीएसटी स्लैब अब 5 फीसदी में आ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार की ओर से जीएसटी पर ऐसे सामानों पर राहत मिल सकती है, जो खासतौर पर मिडिल और लोअर इनकम वाले घरों में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाते हैं और 12 फीसदी के जीएसटी टैक्स स्लैब के अंतर्गत आते हैं। सरकार अब विचार कर रही है ऐसे अधिकांश सामानों को या तो 5 फीसदी के टैक्स स्लैब में ट्रांसफर किया जा सकता है या फिर इनपर लगने वाला 12 फीसदी का स्लैब ही समाप्त किया जा सकता है। गौरतलब है कि रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर सामान इसी स्लैब में आते हैं। जीएसटी काउंसिल की अगली 56वीं बैठक में इसे लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है औ ये जीएसटी काउंसिल मीट इसी महीने हो सकती है। अगर सरकार की ओर से ये निर्णय लिया जाता है, जो अभी तक 12 फीसदी के स्लैब में आने वाले जूते-चप्पल, मिठाई, कपड़े, साबुन, टूथपेस्ट और डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे कई सामान सस्ते हो सकते हैं। इसके अलावा पनीर, खजूर, सूखे मेवे, पास्ता, जैम, इसमें शामिल हैं।

### दवा संयंत्र विस्फोट मामला: कंपनी के 38 सदस्य मारे गए,11 अब भी लापता

**हैदराबाद/संगारेड्डी :** तेलंगाना के पशम्यलाराम में सिगाची इंडस्ट्रीज के संयंत्र में विस्फोट में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 38 हो गई। कंपनी ने संयंत्र में पुरानी मशीनरी के इस्तेमाल के आरोपों के बीच एक करोड़ रुपये मुआवजे की घोषणा की है। दुर्घटना स्थल पर बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सी दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि 11 लोग अब भी लापता हैं। मंत्री ने आगे कहा कि यद्यपि अधिकांश मलबा साफ कर दिया गया है, लेकिन कोई मानव अवशेष नहीं मिला है। सांगारेड्डी जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) परितोष पंकज ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 38 हो गयी।

# कोविड रोधी टीकों और दिल के दौरे से होने वाली मौतों के बीच कोई संबंध नहीं है : सरकार

**नयी दिल्ली :** कर्नाटक के हासन जिले में दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत के मामलों को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया द्वारा कोविड रोधी टीकों से जोड़ने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) द्वारा किए गए व्यापक अध्ययनों ने निर्णायक रूप से स्थापित किया है कि कोरोना वायरस रोधी टीकों और अचानक हुई मौतों के बीच कोई संबंध नहीं है। सिद्धरमैया ने मंगलवार को कहा था कि जल्दबाजी में कोविड टीके को ''हड़बड़ी में मंजूरी देना और लोगों को लगाना'' भी इन मौतों का एक कारण हो सकता है। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि यदि उन्हें सीने में दर्द या सांस लेने में कठिनाई हो, तो वे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच कराएं और इसे नजरअंदाज न करें। मंत्रालय ने कहा कि देश में कई एजेंसियों के माध्यम से अचानक और अस्पष्ट कारणों से मौत के मामलों की जांच की गई है और इन अध्ययनों से यह निर्णायक रूप से स्थापित हो गया है कि कोविड-19 टीकाकरण और अचानक मौतों की रिपोर्ट के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। उसने कहा कि आईसीएमआर और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा किए गए अध्ययनों से पुष्टि होती है कि भारत में कोविड-19 टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं तथा इनके गंभीर दुष्प्रभाव के मामले बेहद कम हैं।

# सोनिया और राहुल गांधी 2000 करोड़ रुपये की एजेएल कंपनी को हड़पना चाहते थे: ईडी

**नयी दिल्ली :** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता सोनिया और राहुल गांधी 2,000 करोड़ रुपये की कंपनी 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) की संपत्ति हड़पना चाहते थे। यह कंपनी नेशनल हेराल्ड अखबार की प्रकाशक है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने नेशनल हेराल्ड मामले में संज्ञान के बिंदुओं पर दलीलें सुन रहे थे। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस वी राजू ने कहा कि 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' नामक कंपनी बनाने की साजिश रची गयी थी, ताकि एजेएल की संपत्ति हड़पी जा सके। एजेएल ने करोड़ों की संपत्ति होने के बावजूद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) से 90 करोड़ रुपये कर्ज लिये थे। यंग इंडियन में सोनिया और राहुल के पास 76 प्रतिशत शेयर थे। राजू ने साजिश का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा, ''एजेएल मुनाफा नहीं कमा रही थी, लेकिन उसके पास 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। इसके बावजूद उसे अपने दैनिक कामकाज को संभालना मुश्किल हो रहा था।'' उन्होंने आगे कहा, ''साजिश 90 करोड़ रुपये के ऋण के बदले 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए यंग इंडियन का निर्माण करना था। सोनिया और राहुल गांधी इस 2,000 करोड़ रुपये की कंपनी को अपने कब्जे में लेना चाहते थे।'' राजू ने कहा कि यंग इंडियन के निदेशक के रूप में राहुल की नियुक्ति के छह दिनों के भीतर ही इसने एजेएल को ऋण चुकाने या इसे इक्विटी में बदलने के लिए एक प्रतिवेदन भेजा।




# अब पूर्वी भारत में टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए ऑटोमेटिक रोबोटिक सर्जरी

पूर्वी भारत में संयुक्त प्रतिस्थापन सर्जरी के अग्र-दूत, **डॉ. संतोष कुमार,** बताते हैं कि एआई-सशक्त सक्रिय स्वचालित रोबोट सीयूवीआईएस सर्जनों के लिए आंखों की एक अतिरिक्त जोड़ी के रूप में कार्य करता है और सर्जरी में अधिक सटीकता प्रदान करता है और बुजुर्ग और बड़े जोखिम वाले रोगियों के लिए अधिक फायदेमंद हो सकता है।

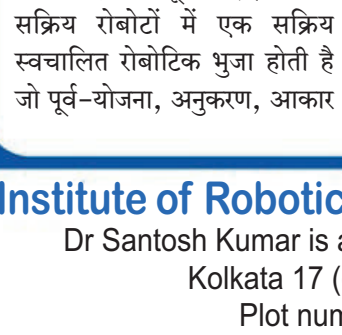

Dr. Santosh Kumar
Orthopaedic and Joint Replacement Surgeon

अब तक, विभिन्न आर्थोपेडिक सर्जरी में निष्क्रिय और अर्ध-सक्रिय रोबोटों का उपयोग किया गया है। अब, प्रौद्योगिकी की उन्नति ने मनुष्य की भलाई के लिए चिकित्सा विज्ञान के साथ एक गांठ बांध ली है। इसे ध्यान में रखते हुए कोलकाता के अग्रणी ऑर्थोपेडिक सर्जन और पूर्वी भारत में प्रमुख ज्वाएंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ संतोष कुमार ने अब पूर्वी भारत में ज्वाएंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए अल-पावर्ड सक्रिय स्वचालित रोबोट पेश किया है। सीयूवीआईएस जैसे सक्रिय रोबोटों में एक सक्रिय स्वचालित रोबोटिक भुजा होती है जो पूर्व-योजना, अनुकरण, आकार और अभिविन्यास के साथ-साथ पूर्व-संचालन निर्धारण की अनुमति देती है और अंत में शून्य त्रुटि के साथ योजना के अनुसार हड्डी को तैयार करने का काम करती है। सर्जरी के सभी चरण स्वचालित रूप से ही होते रहते हैं और सर्जन रोबोट को हाथ से पकड़े हुए रिमोट से नियंत्रित करता है।

हालांकि पूरी प्रक्रिया इस सक्रिय स्वचालित रोबोट द्वारा की जाएगी लेकिन पूरी प्रक्रिया को डॉ. संतोष कुमार के नेतृत्व में कुशल आर्थोपेडिक सर्जनों की टीम द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

Cuvis Robotic System

## ADVANTAGES

- इंसान की आंखें एक मिली मीटर से करीब दो बिंदुओं में अंतर नहीं कर सकती हैं, लेकिन रोबोट एक मिलीमीटर के दसवें हिस्से तक माप का सटिक आंकलन कर सकता है। इसलिए, एक सर्जन अत्यंत सबमिली मीटर सटीकता के साथ सटीक प्रदर्शन कर सकता है।
- सर्जरी में सीयूवीआईएस का उपयोग करने की एक और खासियत अनुकूलित सरेखण भी है। यह सक्रिय रोबोट घुटने के प्रतिस्थापन में अति-उच्च परिशुद्धता के साथ हासिल किया जाता है। यह चलने की स्थिरता को पुनर्स्थापित करता है। इस प्रकार, यह एक सुरक्षित तकनीक है।
- 0% मानव त्रुटि होने की संभावना।
- सीयूवीआईएस अपने न्यूनतम इनवेसिव दृष्टिकोण, चिकनी हड्डी के कारण पोस्ट-ऑपरेटिव रिकवरी को भी तेज करता है। कटौती, प्रत्यारोपण की अनुकूलित नियुक्ति, कम खून का बहना और कम दर्द, रिकवरी में तेजी लाती है।

**प्रत्यारोपण में इसकी लंबी उम्र है।**

**Institute of Robotic Joint Replacement Surgery (Belle Vue Clinic)**
Dr Santosh Kumar is available for Consultation at Belle Vue Clinic, Loudon Street, Kolkata 17 (daily) and the office of Hip and Knee Foundation at Plot number 332, Lake Town block A, Kolkata-700 089
More information call us 9831911584/9831266632
Visit our website www.mykneemylife.org

## कमियां दूर कर लाभ का हो विस्तार

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में प्रौद्योगिकी ने आम भारतीय के जीवन को सहज-सरल बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। आज तमाम तरह की सुविधाओं को हासिल करने के लिये उसे दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। अनेक सेवाएं एक क्लिक के साथ उसकी मुट्ठी में होती हैं। दरअसल, डिजिटल इंडिया की महत्वाकांक्षी पहल नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान वर्ष 2015 में शुरू की गई थी। जिसका मकसद रोजाना व्यवहार में सामने आने वाली जटिलताओं को दूर करके जीवन को आसान बनाना था। निस्संदेह, पिछले एक दशक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने कई प्रकार से नागरिकों को सशक्त बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। विशेष रूप से डिजिटल भुगतान आज पूरे देश में अपरिहार्य हो गए हैं। इससे जुड़े आंकड़े पूरी दुनिया को चौंका रहे हैं। इस वर्ष अप्रैल में लगभग 25 लाख करोड़ रुपये के यूपीआई लेन-देन किए गए हैं। इन यूपीआई लेनदेन की संख्या करीब 1,860 थी। वर्ष 2023 में भारत ने वैश्विक रीयल-टाइम लेनदेन का 49 फीसदी हासिल किया। जिसमें 46 करोड़ लोग और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का उपयोग कर रहे थे। निस्संदेह, शासन के विभिन्न क्षेत्रों में भी डिजिटल उपयोग में खासी प्रगति हुई है। जिससे व्यवस्था अधिक पारदर्शी और नागरिकों के हितों के अनुकूल हो गई है। इस डिजिटल क्रांति के चलते स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बैंकिंग और अन्य सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच आसान हुई है। डिजिटल क्रांति से जुड़ी तमाम चुनौतियों के अलावा अभी देश में डिजिटल डिवाइड की समस्या बनी हुई है। जिसे यथाशीघ्र पाटने की जरूरत है। हालांकि, इस दिशा में आशातीत प्रगति भी हुई है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करने के लिये चरणबद्ध प्रयासों की सख्त जरूरत है। यह चुनौती ग्रामीण भारत में अधिक नजर आती है। जहां इंटरनेट सेवाओं और मोबाइलों की पहुंच शहरों के मुकाबले कम है। जाहिर है, जब देश के हर व्यक्ति तक डिजिटल क्रांति का लाभ पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगा, इस क्रांति के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे।

निश्चित रूप से देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग आदि सेवाओं में जो व्यापक सुधार आया है, उसका लाभ हर नागरिक तक पहुंचना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर देश में डिजिटल डिवाइड की खाई को पाटने की दिशा में मिशन के रूप में प्रयास जारी हैं। लेकिन हाल में हुए कुछ सर्वेक्षणों के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। इसमें शामिल व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण : दूरसंचार, 2025 का उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। जिसके अनुसार साल 2025 तक भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली लगभग आधी महिलाओं के पास मोबाइल फोन उपलब्ध नहीं थे। इसके निष्कर्ष एक महीने पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा भी जारी किए गए थे। वहीं इसी तरह एक और आंख खोलने वाली बात शिक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले यूनिफाइड डिस्ट्रिक इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट में भी सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के केवल 57.2 फीसदी स्कूलों में कार्यात्मक कंप्यूटर ही उपलब्ध हैं। वहीं दूसरी ओर 53.9 प्रतिशत स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। देश के विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत नेट परियोजना के तहत कुल 6.55 लाख गांवों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिये लक्षित किया जाना था, लेकिन अभी तक उसमें दो-तिहाई गांवों को कवर किया जाना अभी बाकी है। वहीं दूसरी ओर देश की इस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी ने बीएसएनएल की दुर्दशा को भी उजागर किया है, जो एक के बाद एक पुनरुद्धार पैकेज मिलने के बावजूद टेलीकॉम क्षेत्र की निजी कंपनियों के खिलाड़ियों से पीछे है। निस्संदेह, मोदी सरकार के पास डिजिटल इंडिया की प्रगति के लिये अपनी पीठ थपथपाने के लिये कई कारण हैं, लेकिन उसे कमियों और अंतरालों पर ध्यान देने की सलाह दी जाएगी। निश्चित रूप से डिजिटल पारिस्थितिकीय तंत्र के भीतर व्याप्त असमानताओं को दूर किए बिना विकसित भारत के लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा। डिजिटल क्रांति को गति देना निश्चित तौर पर राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए।

# अमरनाथ यात्रा : देश और दुनिया में आस्था और श्रद्धा की अनूठी मिसाल

प्रदीप कुमार वर्मा

जय बाबा बर्फानी, भूखे को अन्न प्यासे को पानी। चलो अमरनाथ दर्शन को। जय हो बाबा अमरेश्वर। यह भक्तों के भाव के साथ जय घोष है अमरनाथ यात्रा का। हिंदू धर्म की प्रमुख धार्मिक यात्रा के रूप में देश और दुनिया में चर्चित अमरनाथ तीर्थयात्रा आज से यानि तीन जुलाई से शुरू हो रही है। आदिदेव भगवान शिव को समर्पित अमरनाथ यात्रा का अत्यधिक धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। यह यात्रा भगवान शिव के भक्तों के लिए एक पवित्र तीर्थ है। जहाँ वे वर्ष में एक बार प्राकृतिक रूप से बने बर्फ के शिवलिंग बाबा बर्फानी के दर्शन कर मोक्ष की प्राप्ति की कामना करते हैं। ऐसी मान्यता है कि अमरनाथ की पवित्र यात्रा करने से व्यक्ति के सभी दुख व परेशानी दूर हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। अमरनाथ तीर्थयात्रा हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है,क्योंकि अमरनाथ की गुफा को भगवान शिव का निवास भी माना जाता है।

जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले के हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा साल के अधिकांश समय बर्फ से ढकी रहती है। लेकिन यह गर्मियों के महीनों में भक्तों के लिए खुलती है। अमरनाथ यात्रा का बालटाल मार्ग 14 किलोमीटर का है वहीं, पहलगाम के रास्ते अमरनाथ गुफा की कुल दूरी 48 किलोमीटर है। तीर्थयात्री इन दोनों रूट से करीब 3 हजार 880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर तक जाते हैं। पौराणिक मान्यता एवं किवदंतियों के मुताबिक माना जाता है कि महर्षि भृगु पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन करने वाले पहले व्यक्ति थे। पुराणों में पवित्र अमरनाथ गुफा के अस्तित्व का उल्लेख किया गया है। इसके साथ ही इतिहासकार कल्हण ने भी अपनी पुस्तक 'राजतरंगिणी' में अमरनाथ गुफा का जिक्र किया है। फ्रांस के यात्री फ्रांस्वा बर्नियर ने भी अपनी पुस्तक में अमरनाथ यात्रा का विस्तार से जिक्र किया है। प्राचीन अमरनाथ गुफा के संबंध में एक कहानी यह भी प्रचलित है कि साल वर्ष 1850 में बूटा मलिक नाम के एक चरवाहे ने अमरनाथ गुफा की फिर से खोज की थी। इस चरवाहे ने वहां पर पवित्र गुफा और बर्फ से बने शिवलिंग को देखा। इसके बाद उसने इस खोज के बारे में ग्रामीणों को बताया। तभी से यह तीर्थयात्रा का एक पवित्र स्थल बन गया। लोक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि एक बार माता पार्वती ने भगवान शिव से उनके अमरत्व का कारण जानना चाहा, तो भगवान शिव ने माता पार्वती को कहा कि इसके लिए आपको अमर कथा सुननी पड़ेगी। इसके लिए उन्होंने ऐसे स्थान की तलाश करना शुरू किया, जहां कोई और इस अमर कथा को नहीं सुन सकता था। अतः वे अमरनाथ गुफा पहुंचे।

भगवान शिव ने जब माता पार्वती के साथ में अमरनाथ गुफा की ओर प्रस्थान किया, तो रास्ते में सबसे पहले उन्होंने पहलगाम में अपने नंदी का परित्याग किया। इसके बाद चंदनवाड़ी में भगवान शिव ने अपनी जटाओं से चंद्रमा को मुक्त किया। शेषनाग नामक झील के तट पर उन्होंने अपने गले से सर्पों को भी मुक्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपने पुत्र गणेश को महागुनस पर्वत पर छोड़ने का फैसला किया। फिर पंचतरणी नामक स्थान पर पहुंचकर भगवान शिव ने पंच तत्वों पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश का भी त्याग कर दिया। इन सब को पीछे छोड़कर भगवान

**तीन जुलाई से शुरू हो रही पवित्र अमरनाथ यात्रा पर विशेष**

शिव ने माता पार्वती के साथ अमरनाथ गुफा में प्रवेश किया और वहां पर समाधि ले ली। इसके बाद भगवान शिव ने कालाग्नि बनाई।

महादेव ने कालाग्नि गुफा के आसपास मौजूद हर जीवित प्राणी को नष्ट करनेका आदेश दिया, जिससे माता पार्वती को छोड़कर कोई भी अमर कथा न सुन सके। फिर भगवान शिव माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताने लगे। लेकिन तभी अचानक कबूतरों का एक जोड़ा वहां पर पहुंचा और उन्होंने अमरत्व के रहस्य को सुन लिया। इसके साथ ही कबूतरों का यह जोड़ा अमरत्व को प्राप्त हो गया। कई तीर्थयात्री कबूतरों के इस जोड़े को देखने का दावा करते हैं और उन्हें यह देखकर आश्चर्य होता है कि ये पक्षी इतने ठंडे और ऊंचाई वाले क्षेत्र में कैसे जीवित रह सकते हैं। अमरनाथ की पवित्र गुफा गर्मी के कुछ दिनों को छोड़कर साल के अधिकांश समय बर्फ से ढंकी रहती है। दिलचस्प बात यह है कि इस पवित्र गुफा में प्रत्येक वर्ष बर्फ का शिवलिंग प्राकृतिक रूप से बनता है।

बताते हैं कि इस गुफा की छत की एक दरार से पानी की बूंदें टपकती हैं, जिससे बर्फ का शिवलिंग बनता है। इस शिवलिंग के बगल में दो छोटे और आकर्षक बर्फ के शिवलिंग भी बनते हैं, जिन्हें माता पार्वती और भगवान गणेश का प्रतीक माना जाता है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा शिवलिंग है, जो चंद्रमा की रोशनी के चक्र के साथ बढ़ता और घटता है। यह शिवलिंग श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को पूरे आकार में रहता है और अमावस्या तक इसका आकार घटने लगता है। ऐसा प्रत्येक साल होता है।गुफा में भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरता का रहस्य बताया था, जिसके कारण इस गुफा का नाम अमरनाथ पड़ा। इसी बर्फ के शिवलिंग के दर्शन के लिए ही हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु अमरनाथ की पवित्र गुफा की यात्रा करते हैं।

प्राचीन काल में इस गुफा को 'अमरेश्वर' भी कहा जाता था। बर्फ से शिवलिंग बनने के चलते इसे 'बाबा बर्फानी' भी कहा जाता है। मान्यता यह है कि जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से इस पवित्र गुफा में बने शिवलिंग का दर्शन करता है, उसे मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। कई पुराणों जैसे बृंगेश संहिता, नीलमत पुराण आदि में अमरनाथ यात्रा के महत्व का वर्णन मिलता है। हिन्दू शास्त्रों एवं पुराणों के अनुसार अमरनाथ यात्रा से साधक को 23 तीर्थों के दर्शन करने जितना पुण्य प्राप्त होता है। पुराणों के अनुसार काशी में लिंग दर्शन और पूजन से दस गुना, प्रयाग से सौ गुना और नैमिषारण्य तीर्थ से हजार गुना अधिक पुण्य बाबा अमरनाथ के दर्शन करने से मिलता है। मान्यता यह भी है कि अमरनाथ गुफा के ऊपर पर्वत पर श्री राम कुंड है। अमरनाथ गुफा में स्थित पार्वती शक्तिपीठ 51 शक्तिपीठों में से एक हैं।

प्रारंभ में अमरनाथ यात्रा का प्रबंधन का जिम्मा बूटा मलिक के वंशज और दशनामी अखाड़े के पंडित और पुरोहित सभा के हाथों में था। साल 2000 में जम्मू-कश्मीर सरकार ने श्रीअमरनाथ जी श्राइन बोर्ड का गठन किया और इसका अध्यक्ष राज्यपाल को बनाया गया। श्रीअमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के तत्वावधान में इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई, 2025 से शुरू हो रही है और 9 अगस्त, 2025 तक चलेगी। यह पवित्र यात्रा 38 दिनों तक चलेगी और देशभर से श्रद्धालु इसमें भाग लेंगे। बोर्ड द्वारा इस यात्रियों के ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था की गई है। कुछ महीने पूर्व पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से मुस्तैद हैं और अमरनाथ यात्रा को सुखद, सफल और सुरक्षित बनाने में जुटी हैं। वहीं, श्रद्धालु पूर्ण श्रद्धा एवं आस्था भाव के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए निकल चुके हैं।

# यूपी/बिहार/झारखंड/राजस्थान

## बाबसाहेब आंबेडकर का अपमान छोटी भूल नहीं: राजनाथ

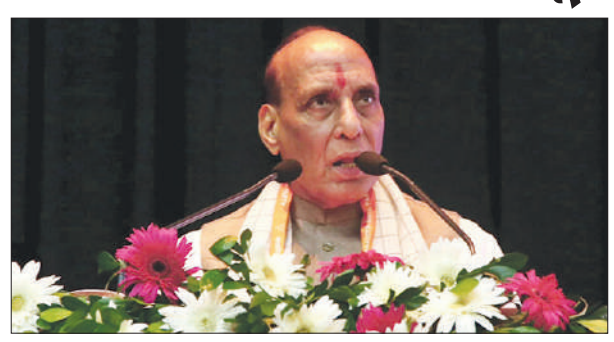

**पटना :** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद द्वारा बाबासाहेब आंबेडकर का 'अपमान' किया जाना 'कोई छोटी गलती' नहीं है और यह 'दलितों के प्रति अनादर की मानसिकता' को दर्शाता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष ने यह टिप्पणी पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में की। यह बैठक बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले आयोजित की जा रही है। सिंह ने कहा, ''लालू प्रसाद ने अपने पैरों के पास बाबासाहेब आंबेडकर की तस्वीर रखवाई थी। यह कोई छोटी गलती नहीं थी, बल्कि (यह) दलितों के प्रति अनादर की मानसिकता को दर्शाती है... बिहार को उन लोगों ने धोखा दिया है, जो समाजवाद की आड़ में अपने सामंती रवैये को छिपाते रहे हैं।'' पूर्व मुख्यमंत्री प्रसाद उस वीडियो क्लिप को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं, जिसमें आंबेडकर की तस्वीर उनके पैरों के पास देखी गई थी। यह उस दिन की घटना है जब लोग राजद प्रमुख को 78वें जन्मदिन पर बधाई देने उनके आवास पर आए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले महीने सीवान जिले में एक रैली में राजद सुप्रीमो पर निशाना साधते हुए कहा था कि उन्हें ''बिहार और देश के लोग कभी माफ नहीं करेंगे''। हालांकि राजद ने स्पष्टीकरण दिया था कि तस्वीर एक समर्थक के हाथ में थी और भ्रम की स्थिति के लिए 'कैमरे के कोण' को जिम्मेदार ठहराया था।

इससे पहले, भाजपा बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बैठक शुरू होने से पहले कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का अपमान करने के कारण लालू प्रसाद के खिलाफ पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में निंदा प्रस्ताव पारित किया जाएगा। सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि एक घंटे से अधिक लंबा भाषण दिया। उन्होंने प्रसाद पर ''कर्पूरी ठाकुर का शिष्य होने का दावा करने'' लेकिन निजी तौर पर उनके (ठाकुर के) खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करके अपनी दोहरी मानसिकता प्रदर्शित करने का आरोप लगाया। रक्षा मंत्री ने दावा किया, ''मैं इसे मुद्दा नहीं बना रहा हूं, (बल्कि) इसका उल्लेख वरिष्ठ पत्रकार संकर्षण ठाकुर ने अपनी पुस्तक 'ब्रदर्स बिहारी' में विस्तार से किया है।''

## जन शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी: योगी आदित्यनाथ

**गोरखपुर (उप्र) :** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी तरीके से समाधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं। एक बयान के अनुसार उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता और पारदर्शिता से किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री

ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा और सभी के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को परेशान करने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

## राजस्थान के बाड़मेर में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने आत्महत्या की

**जयपुर :** राजस्थान के बाड़मेर जिले में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने पानी के टांके (टंकी) में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना मंगलवार शाम को शिव थाना क्षेत्र के उण्डू गांव में ब्राह्मणों की ढाणी की है जहां शिवलाल (35), उनकी पत्नी कविता (32) और उनके आठ वर्षीय तथा छह वर्षीय दो बेटे घर के बाहर एक टैंक में मृत पाए गए। प्रारंभिक जांच के अनुसार शिवलाल ने कथित तौर पर घर पर ताला लगाने के बाद अपने परिवार के साथ टांके में छलांग लगा दी। पुलिस नेन बताया कि शिवलाल के छोटे भाई ने उन्हें कई बार फोन किया, लेकिन जब फोन नहीं उठाया तो घटना की जानकारी हुई जिसके बाद पुलिस को सतर्क किया गया। शिव के पुलिस उपाधीक्षक मानाराम गर्ग ने कहा, ''शव मंगलवार शाम को टांके में मिले। महिला के पीहर पक्ष को सूचित किया गया और बुधवार सुबह उनकी मौजूदगी में शवों को निकाला गया क्योंकि वे रात में नहीं आ सके।'' कविता के चाचा गोपीलाल ने संवाददाताओं से कहा, ''शिवलाल प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत राशि से अलग मकान बनाना चाहता था। लेकिन उसके भाई और मां ने इसकी अनुमति नहीं दी। इससे परेशान होकर उसने 29 जून को सुसाइड नोट लिखा।'' परिवार के अनुसार शिवलाल ने दो दिन पहले कथित नोट लिखा लेकिन उसने तुरंत कोई कदम नहीं उठाया, लेकिन मंगलवार को जब उसकी मां बाड़मेर में अपने भाई से मिलने चली गई और उसके पिता धार्मिक कार्य के लिए बाहर गए तो शिवलाल और कविता ने अपने फोन बंद कर दिए और कथित तौर पर यह कदम उठाया।

## उप्र एसटीएफ ने अंतरराज्यीय ऑक्सीटोसिन गिरोह का भंडाफोड़ किया

**लखनऊ :** उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की अवैध तस्करी और आपूर्ति में कथित रूप से शामिल एक अंतरराज्यीय गिरोह के तीन संदिग्ध सदस्यों को बुधवार को गिरफ्तार किया। एसटीएफ के अनुसार इस ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन का कथित तौर पर इस्तेमाल दुधारू मवेशियों और सब्जियों में किया जाता था। एसटीएफ ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लखनऊ के काकोरी थानाक्षेत्र में बुद्धेश्वर क्रॉसिंग के पास मोहन रोड पर एक मकान पर छापेमारी के दौरान लगभग 5,87,880 मिलीलीटर ऑक्सीटोसिन जब्त किया, जिसकी कीमत लगभग 1.20 करोड़ रुपये है। एसटीएफ ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान लखनऊ निवासी अनमोल पाल, अवधेश पाल और पास के सीतापुर जिले के खगेश्वर के रूप में हुई है। एसटीएफ ने कहा कि बरामद सामग्री में ऑक्सीटोसिन का स्टॉक, 12,000 रुपये नकद, 800 खाली शीशियां, रबर और एल्युमीनियम के ढक्कन, प्लास्टिक की कीप, पाइप, नमक के पैकेट और एक ट्रांसपोर्ट वाहन शामिल है। बयान के मुताबिक तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। एसटीएफ के अनुसार, गिरोह बिहार से 'मिनरल वाटर पार्सल' की आड़ में हाई-डेंसिटी ऑक्सीटोसिन खरीद रहा था। एसटीएफ ने कहा, प्राप्त होने के बाद, वे उसे छोटे-छोटे एम्पुल में पैक करते थे तथा लखनऊ और आसपास के जिलों में अवैध रूप से वितरित करते थे।

## भाजपा की बिहार इकाई ने विपक्ष के वक्फ विरोधी रुख की आलोचना करते हुए प्रस्ताव पारित किया

**पटना :** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित कर लालू प्रसाद की राजद नीत महागठबंधन की तुष्टीकरण की राजनीति की आलोचना की। महागठबंधन अप्रैल में प्रभावी हुए वक्फ अधिनियम का विरोध कर रहा है। रक्षा मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह की मौजूदगी में यहां हुई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी ने दो पन्नों का राजनीतिक प्रस्ताव पारित किया। इसके अलावा एक 'विजय संकल्प प्रस्ताव' भी पारित किया गया, जिसमें कहा गया कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में लालू (प्रसाद) और उनके सहयोगी हमें नहीं हरा सकते। राजनीतिक प्रस्ताव में मोदी सरकार के 11 वर्ष पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि हम लालू यादव और महागठबंधन की तुष्टीकरण की राजनीति का विरोध करते हैं। प्रस्ताव में राजद सुप्रीमो के बेटे तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेताओं कन्हैया कुमार व इमरान प्रतापगढ़ी की आलोचना की गई, जिन्होंने कुछ दिन पहले वक्फ अधिनियम के विरोध में यहां आयोजित एक रैली में भाग लिया था। प्रस्ताव में कहा गया, इन नेताओं ने वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंकने की बात कही। यह कानून संसद से पारित हो चुका है और इनका रुख संविधान विरोधी है। उनका रुख तुष्टीकरण की राजनीति के अनुरूप है, जो पसमांदा समुदाय के लिए बहुत नुकसानदेह है, जो सदियों से उत्पीड़न के शिकार रहे हैं।

## आज का पंचांग

**कोलकाता :** 3 जुलाई, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, आषाढ़ शुक्लपक्ष अष्टमी, 14:08 तक, नक्षत्र : हस्त, 13:46 तक, योग : परिघा, 18:29 तक, सूर्योदय: 4:56, सूर्यास्त: 18:25, चन्द्रोदय : 12:03, चन्द्रास्त: 23:48, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : मिथुन, चन्द्र राशि : कन्या, राहू काल : 13:20 से 15:01

## राशिफल

**मेष :** मेष राशि के लोगों का दिन आर्थिक मामलों में शुभ है और आपको धन सम्मान का लाभ होगा। भूमि, भवन, वाहन आदि से संबंधित किसी बड़ी डील में लाभ मिल सकता है।

**वृष :** वृषभ राशि के लोगों के लिए कारोबार में उन्नति के योग बन रहे हैं। व्यवसाय में कुछ नए क्लाइंट जुड़ सकते हैं, जिससे आय का प्रवाह बढ़ेगा। नौकरी में परिवर्तन के योग हैं।

**मिथुन :** मिथुन राशि के लोगों के लिए आर्थिक रूप से दिन अनुकूल रहेगा और आपको अचानक से बड़ी मात्रा में कहीं से रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। वाणी से कार्य बनेंगे।

**कर्क :** कर्क राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है और धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा।

**सिंह :** सिंह राशि के लोगों का दिन भाग्यशाली है और धन लाभ के लिए दिन शुभ है। पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिल सकता है। नया व्यापारिक समझौता हो सकता है।

**कन्या :** कन्या राशि के लोगों के लिए लाभ के योग बने हैं। आर्थिक दृष्टि से समय बेहतर हो रहा है। साझेदारी में लाभ मिल सकता है। आपके मान सम्मान में वृद्धि के योग बने हैं।

**तुला :** तुला राशि के लोगों को आर्थिक मामलों में बड़ा लाभ होने के योग हैं। व्यावसायिक दृष्टि से दिन लाभप्रद है। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। करियर में नई दिशा मिलने के संकेत हैं।

**वृश्चिक :** वृश्चिक राशि के लोगों का दिन काफी खर्चीला रहेगा और आपको आमदनी से अधिक व्यय करना पड़ सकता है। फिजूल खर्च से बचें। व्यापार में निवेश करते समय विशेष सतर्कता रखें।

**धनु :** धनु राशि के लोगों के लिए तरक्की के योग बन रहे हैं। भाग्यवश अचानक धन लाभ हो सकता है। साझेदारी में किया गया कोई व्यापारिक निर्णय सफल होगा।

**मकर :** मकर राशि के लोगों का दिन अनुकूल है और आपको कार्यक्षेत्र में परिश्रम के अनुसार लाभ मिलेगा। जो लोग सरकारी टेंडर या प्रॉजेक्ट्स से जुड़े हैं, उन्हें सफलता मिलेगी।

**कुम्भ :** आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको अपने किसी लिए गए निर्णय के लिए पछतावा हो सकता है। आप किसी अजनबी पर भरोसा बिल्कुल ना करें।

**मीन :** मीन राशि के लोगों को आर्थिक लाभ होगा। रोजगार और आर्थिक प्रयासों में सफलता मिलेगी। कारोबार में कोई पुराना क्लाइंट दोबारा संपर्क करेगा जिससे बड़ा लाभ हो सकता है।

## वर्ग पहेली नं. 3141

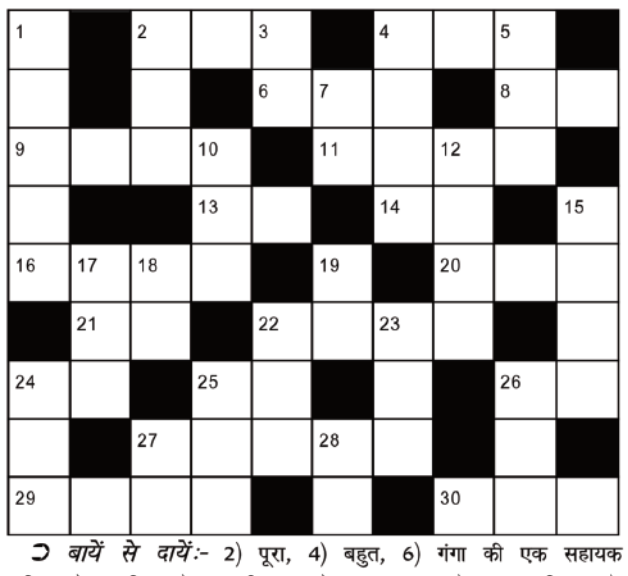

*बायें से दायें:-* 2) पूरा, 4) बहुत, 6) गंगा की एक सहायक नदी, 8) नाड़ी, 9) बातचीत, 11) गटकना, 13) आसमानी, 14) किनारा, 16) सूर्य, 20) डँसना; रद्द करना, 21) संग्रह; बंडल, 22) कलह, 24) लकड़ी चीरने का औज़ार, 25) बकरा, 26) दो पर्वतों के बीच का सँकरा एवं दुर्गम मार्ग, 27) गीला, 29) स्वार्थ, 30) झूला.

*ऊपर से नीचे:-* 1) कुँआरा, 2) साँप का बच्चा, 3) एक पेय, 4) आगामी, 5) खिंचकर कड़ा होना; रुष्ट होना, 7) ऋषि, 10) छेना, 12) अटकाना, 15) नकली, 17) बेले का पौधा; लकड़ी की बनी बड़ी हथोड़ी, 18) शरीर का कड़ा भाग, 19) चुप्पी, 22) विचित्र, 23) धीमी हवा, 24) सृष्टि, 25) सौ करोड़, 26) ज़ख़्मी; आहत, 27) नीचे की जगह, 28) मंज़िल; खंड.

*(उत्तर: अगले अंक में)*

*पिछली पहेली का उत्तर*

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मु | सी | ब | त | ■ | ला | ड़ | ला | ■ | म | |
| ला | ■ | ग | प | श | प | ■ | ज | ग | ह | |
| य | म | ली | ■ | री | ता | ■ | वा | ■ | त्त्व | |
| म | न | ■ | गु | फा | ■ | ता | ब | ■ | पू | |
| ■ | का | र | ण | ■ | हा | ल | ■ | चू | र्ण | |
| बे | ■ | ■ | का | फ़ि | र | ■ | ठे | स | ■ | |
| स | मं | द | र | ■ | ना | क | ■ | ना | च | |
| ब | ■ | ब | क | रा | ■ | पा | ■ | ■ | कि | |
| ब | ह | ना | ■ | स | ही | स | ला | म | त | |

## सुडोकू-पहेली-3098

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | | | 1 | | | | | 6 |
| | | | | 3 | | | | |
| | | | | | | 9 | 3 | |
| 3 | | 1 | | 7 | | 6 | | |
| | | 7 | | 2 | | | | 8 |
| 9 | 6 | | | | 1 | | 4 | |
| | 4 | | 8 | 6 | | | | 9 |
| 8 | 3 | | | | | 2 | 7 | 4 |
| | | | | | | | | |

**प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।**

••••

**आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।**

**सूडोकू पहेली - 3097 का उत्तर**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 7 | 1 | 6 | 3 | 2 | 9 | 4 | 8 |
| 6 | 8 | 2 | 4 | 5 | 9 | 3 | 7 | 1 |
| 9 | 3 | 4 | 8 | 7 | 1 | 2 | 5 | 6 |
| 2 | 4 | 9 | 3 | 1 | 5 | 8 | 6 | 7 |
| 7 | 1 | 8 | 9 | 6 | 4 | 5 | 3 | 2 |
| 3 | 5 | 6 | 7 | 2 | 8 | 1 | 9 | 4 |
| 8 | 6 | 7 | 2 | 9 | 3 | 4 | 1 | 5 |
| 4 | 9 | 5 | 1 | 8 | 7 | 6 | 2 | 3 |
| 1 | 2 | 3 | 5 | 4 | 6 | 7 | 8 | 9 |

# कसबा मामला: पीड़िता का परिवार नहीं चाहता सीबीआई जांच, कोलकाता हाईकोर्ट में याचिका

**कोलकाता :** कसबा लॉ कॉलेज में हुई बलात्कार की घटना की जांच सीबीआई को सौंपने के खिलाफ पीड़िता का परिवार खुद कोलकाता हाईकोर्ट की शरण में पहुंचा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे चाहते हैं, जैसे अभी कोलकाता पुलिस जांच कर रही है, उसी तरीके से यह जांच आगे भी पुलिस के हाथों ही जारी रहे। बुधवार को पीड़िता का परिवार कोर्ट में उपस्थित होकर एक वकील नियुक्त किया। साथ ही कसबा मामले में दायर तीन जनहित याचिकाओं में पक्ष के अनुसार शामिल होने की भी अर्जी दी। परिवार की ओर से अधिवक्ताओं ने



बताया कि वे नहीं चाहते कि जांच की कमान कोलकाता पुलिस से छीनकर किसी अन्य एजेंसी को दे दी जाए। उनके अनुसार, पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) जिस गंभीरता और गति से काम कर रही है, उससे परिवार संतुष्ट है। परिवार की दलील है कि इस समय जांच एजेंसी बदलने से जांच की गति पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसलिए उन्होंने हाईकोर्ट में सीबीआई जांच के विरोध में याचिका दायर कर कोलकाता पुलिस को ही जांच का जिम्मा देने की मांग की है। गौरतलब है कि इससे पहले कसबा कांड में सीबीआई जांच की मांग को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कई जनहित याचिकाएं दायर की गई हैं। लेकिन अब पीड़िता के परिवार के इस रुख को मामला बदलने वाला मोड़ माना जा रहा है, ऐसा कहना है कानूनी विशेषज्ञों के एक वर्ग का।

### कसबा गैंगरेप केस में विभास चट्टोपाध्याय बने विशेष सरकारी वकील

कसबा गैंगरेप मामले में सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार ने वरिष्ठ अधिवक्ता विभास चट्टोपाध्याय को विशेष सरकारी वकील नियुक्त किया है। विभास चट्टोपाध्याय इससे पहले जयनगर और फरक्का के बलात्कार और हत्या मामलों में भी विशेष सरकारी वकील थे, जिन दोनों ही मामलों में अदालत ने दोषियों को फांसी की सजा सुनाई थी। उन्हीं मामलों में फांसी की सज़ा के लिए उन्होंने जोरदार पैरवी की थी, जिसे अंततः अदालत ने मान लिया था। अब जब कसबा की घटना कॉलेज परिसर के अंदर हुए सामूहिक बलात्कार जैसी गंभीर घटना है, राज्य सरकार ने फिर से विभास चट्टोपाध्याय पर भरोसा जताते हुए उन्हें इस संवेदनशील मामले में नियुक्त किया है।

## कार्तिक महाराज के खिलाफ कोई एक्शन नहीं, सरकार ने हाई कोर्ट में दी जानकारी

**कोलकाता, समाज्ञा**

कई आरोपों का सामना कर रहे भारत सेवाश्रम संघ के सन्यासी प्रद्यौती कार्तिक महाराज को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट में बुधवार को अहम सुनवाई हुई। राज्य सरकार ने अदालत को सूचित किया कि गुरुवार तक उनके खिलाफ कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। राज्य के एडवोकेट जनरल ने कोर्ट में बताया कि वे अपनी अस्वस्थता के कारण वह आज की सुनवाई में उप-स्थित नहीं हो सके। इसके बाद, न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने कहा कि इस मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को होगी और राज्य सरकार की ओर से किसी प्रकार की कार्रवाई न करने के आश्वासन को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इसी दौरान, एक वकील ने न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि कार्तिक महाराज पर आरोप लगाने वाली महिला के समर्थन में मौजूद एक चश्मदीद गवाह को पुलिस द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। इस वकील ने मामले को लेकर याचिका दाखिल करने की अनुमति मांगी। लेकिन, न्यायमूर्ति सेनगुप्ता ने स्पष्ट किया कि उनके पास यह मामला सुनने का अधिकार क्षेत्र नहीं है और इसके लिए न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की अदालत में आवेदन करना होगा।

# कसबा सामूहिक दुष्कर्म की पीड़िता सदमे में हैं : राज्य महिला आयोग प्रमुख ने कहा

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष लीना गंगोपाध्याय ने बुधवार को कहा कि कोलकाता में अपने कॉलेज के अंदर कथित रूप से सामूहिक दुष्कर्म का शिकार बनी विधि छात्रा अब भी 'सदमे ' में है। गंगोपाध्याय ने कहा कि पीड़िता को परामर्श दिया गया है, लेकिन प्रथम वर्ष की छात्रा के लिए और अधिक परामर्श सत्रों की आवश्यकता है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने इस अपराध के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को कड़ी सजा देने की मांग की। गंगोपाध्याय ने कहा कि हमने पीड़िता से बात की है, वह सदमे में है। उसके हाथ कांप रहे थे और हम उसके चेहरे पर दर्द देख सकते थे। उसने बताया कि एक व्यक्ति ने उसके



साथ बलात्कार किया, जबकि अन्य दो लोग यह कृत्य देखते रहे और मदद करते रहे। गंगोपाध्याय ने कहा कि पीड़िता के लिए और परामर्श सत्र होंगे। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उसे उचित सुरक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम इन सभी अपराधियों के लिए कड़ी सजा की सिफारिश करेंगे। जिन लोगों ने अपराध होते देखा और मुख्य आर-ोपी की मदद की, वे भी समान रूप से दोषी हैं।

### मामले में 'चुप्पी' को लेकर भाजपा ने राज्य महिला आयोग प्रमुख को खोजने का नाटकीय अभियान चलाया

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) युवा मोर्चा के समर्थकों ने कोलकाता के ला कालेज में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले में पश्चिम बंगाल महिला आयोग की चुप्पी और निष्क्रियता का प्रतीकात्मक विरोध करते हुए बुधवार को यहां साल्टलेक में आयोग के कार्यालय के बाहर इसकी अध्यक्ष को खोजने का नकली अभियान चलाया। प्रदर्शनकारी लालटेन लेकर परिसर के चारों ओर घूमे और आयोग की अध्यक्ष लीना गंगोपाध्याय को खोजने का नाटक किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे महत्वपूर्ण समय में जब हस्तक्षेप की आवश्यकता थी, तब संगठन 'गायब' है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष की तलाश कर रहे हैं क्योंकि हमने उनकी ओर से कोई प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया नहीं देखी और हम इस जघन्य अपराध के बाद यह पता लगाने में असमर्थ हैं कि वह कहां हैं।

### दिघा के मंदिर को 'जगन्नाथ धाम' कहे जाने पर विवाद, विश्व हिंदू परिषद की जनहित याचिका

**कोलकाता :** पश्चिम बंगाल के समुद्र तटीय पर्यटन स्थल दिघा में बनाए गए जगन्नाथ मंदिर को धाम की उपाधि देने को लेकर विवाद तेज़ हो गया है। अब यह विवाद कोलकाता उच्च न्यायालय तक पहुँच गया है। विश्व हिंदू परिषद ने दिघा के जगन्नाथ मंदिर को 'धाम' कहे जाने और वहाँ प्रसाद वितरण की प्रणाली को चुनौती देते हुए जनहित याचिका दायर करने की मौखिक अनुमति मांगी थी। इस याचिका को कोलकाता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सौमेन सेन की खंडपीठ ने मौखिक रूप से स्वीकार कर लिया है। विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि पहले से ही विश्व में चार प्रमुख धाम (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, और रामेश्वरम) हैं और हिंदू समाज के लिए यह एक भावनात्मक विषय है। नए सिरे से किसी मंदिर को धाम कहना धार्मिक परंपराओं और आस्थाओं का उल्लंघन है। इसलिए, यदि दिघा के इस मंदिर को 'धाम' कहा जा रहा है, तो उसका नाम बदला जाए। साथ ही, परिषद ने यह भी आपत्ति जताई है कि जो प्रसाद भगवान के नाम पर वितरित किया जा रहा है, उसे हलील (हैलाल) प्रसाद कहा जा रहा है, जो कि हिंदू धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध है। परिषद का अनुरोध है कि प्रसाद वितरण की यह प्रक्रिया बदली जाए और ऐसा प्रसाद ही दिया जाए जो हिंदू आस्था को ठेस न पहुँचाए। माना जा रहा है कि यदि याचिका दाखिल होती है, तो आगामी सप्ताह में इस पर सुनवाई हो सकती है।

# सुकांत मजूमदार ने 'अवैध हिरासत' के खिलाफ हाई कोर्ट में दायर की याचिका

**कोलकाता, समाज्ञा :** प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने हाल ही में हुए राजनीतिक प्रदर्शनों के दौरान राज्य पुलिस द्वारा की गई कथित बार-बार की अवैध हिरासत को चुनौती देते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट में एक रिट याचिका दाखिल की है। अपने कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के हिरासत में लिया, जो संविधान में प्रदत्त अधिकारों का उल्लंघन है। उनके वकील के माध्यम से दाखिल याचिका में संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता), अनुच्छेद 19 (विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता), और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण) का हवाला देते हुए कहा गया है कि उनके मौलिक अधिकारों का हनन हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने अदालत से आग्रह किया है कि वह राज्य सरकार को निर्देश दे कि वह राजनीतिक प्रदर्शनों से निपटने में संविधान और कानून की मर्यादाओं का सख्ती से पालन करे। साथ ही उन्होंने हिरासत की घटनाओं की निष्पक्ष उच्च-स्तरीय जांच और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग भी की है।

### लोकसभा सचिवालय ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से तलब की रिपोर्ट

इसी बीच, एक संबंधित घटनाक्रम में, लोकसभा सचिवालय ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से 19 जून को डायमंड हार्बर में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों द्वारा सुकांत मजूमदार के काफिले पर हुए कथित हमले को लेकर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। यह अनुरोध सुकांत मजूमदार द्वारा लोकसभा अध्यक्ष को सौंपी गई एक औपचारिक शिकायत के बाद किया गया, जिसमें उन्होंने इस घटना को सांसद की विशेषाधिकार हनन की श्रेणी में बताया। 20 जून को लिखे अपने पत्र में मजूमदार ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर के पुलिस अधीक्षक और स्थानीय उपमंडल अधिकारी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इस घटना के दौरान आवश्यक सुरक्षा या रोकथाम की व्यवस्था करने में विफल रहे।

# कालिगंज की नव-निर्वाचित विधायक अलिफा अहमद ने विधानसभा में ली शपथ

❑ **स्पीकर विमान बंद्योपाध्याय ने दिलाया शपथवचन**

**कोलकाता :** कालिगंज से नवनिर्वाचित विधायक अलिफा अहमद ने बुधवार दोपहर विधानसभा में शपथ ली। यह शपथग्रहण समारोह विधानसभा के 'नौसर अली कक्ष' में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) विमान बंद्योपाध्याय ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथवचन के समय वहां अन्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। कुछ दिन पहले ही तय हो गया था कि बुधवार को अलिफा अहमद शपथ लेंगी। इसके लिए वह मंगलवार को विधानसभा पहुंची थीं, जहाँ उन्होंने शपथ से पहले के आवश्यक कागजी कार्यों और दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर किए। इस तरह कालिगंज उपचुनाव में जीत के बाद, अब विधानसभा की कार्यवाही में उनकी औपचारिक भागीदारी की शुरुआत हो गई है।



# पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष पद के लिए शमिक भट्टाचार्य ने दाखिल किया पर्चा, निर्विरोध चयन तय

❑ **किसी अन्य ने प्रस्तुत नहीं किया नामांकन, आज होगी घो-षणा**

❑ **अंतिम समय में अचानक नॉमिनेशन जमा करने आए अंबुजाक्ष महंती, नहीं मिला प्रस्तावक**

**कोलकाता, समाज्ञा :** भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य शमिक भट्टाचार्य का पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई का अगला अध्यक्ष बनना तय है, क्योंकि बुधवार की समय सीमा तक किसी अन्य उम्मीदवार ने इस पद के लिए नामांकन दाखिल नहीं किया है। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी। इस दिन, दोपहर में शमिक भट्टाचार्य निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के साथ भाजपा के सॉल्टलेक स्थित कार्यालय पहुंचे और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि चूंकि, 61 वर्षीय सांसद इस पद के



लिए एकमात्र उम्मीदवार थे और उन्होंने अपना नामांकन वापस नहीं लिया, इसलिए उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जाएगा। इसकी आधिकारिक घोषणा आज साइंस सिटी में आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान किये जाने की उम्मीद है।

पार्टी के निर्वाचन अधिकारी और विधायक दीपक बर्मन ने बाद में शाम को पुष्टि की कि केवल एक प्रक्रियागत रूप से वैध नामांकन प्राप्त हुआ और उसे स्वीकार कर लिया गया। उन्होंने एक बयान में कहा कि भारतीय जनता पार्टी, पश्चिम बंगाल का संगठन पर्व अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। आज समापन चरण में 60 कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बनने के लिए राज्य मुख्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया। सभी नामांकन स्वीकार कर लिए गए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए केवल एक प्रक्रियागत वैध नामांकन प्रस्तुत किया गया था, और उसे भी स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि आज साइंस सिटी में आयोजित होने वाले 'प्रदेश अध्यक्ष चुनाव एवं अभिनंदन समारोह' में प्रदेश चुनाव अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद की मौजूदगी में प्रदेश परिषद सदस्यों के नामों की घोषणा की जाएगी।

राज्य भाजपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी की बंगाल इकाई के प्रमुख पद के लिए एक अनुचित तरीके से भरा गया और बिना हस्ताक्षर वाला नामांकन पत्र स्वीकार नहीं किया गया। हालांकि, प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि केवल एक वैध नामांकन प्रस्तुत किया गया था। बुधवार की शाम 6 बजे नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई, जिसके साथ ही नाम वापस लेने की अवधि भी समाप्त हो गई। पार्टी सूत्रों ने पुष्टि की कि भट्टाचार्य द्वारा अपना नामांकन वापस न लेने के कारण वे निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। राज्य के लिए पार्टी के चुनाव अधिकारी रविशंकर प्रसाद आज दोपहर को भट्टाचार्य को औपचारिक रूप से निर्वाचन का प्रमाण पत्र सौंपेंगे।

**NAME CHANGE**

I, Mrs. Gowthami P, W/O- A Raja Gopal (Service No- 8431828L), Rank- (TS) NK/PO, Residing at No. 419, Ponnakkonpatty, Malayadipatty, P.O.- Manapparai-Tk, Dist.- Tiruchirapalli, Tamilnadu, Pin- 621307. In my husband service records my name was wrongly entered as P Gowthami, Instead of my correct name Gowthami P. Vide affidavit dated 14/06/2025 before Notary Tamilnadu No DX604295 on 14/06/2025.
Tiruchirapalli, 30.06.2025. GOWTHAMI P (wife)

**पूर्व रेलवे**

**संक्षिप्त निविदा सूचना सं. ईएल-एसडीएएच-सीओएन-जीईएनएल-173-2025-एनआईटी दिनांक: 30.06.2025,** उप मुख्य विद्युत अभियंता (सीओएन), पूर्व रेलवे, आर.एम.एस. बिल्डिंग, तृतीय तल, कैसर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के माध्यम से अनुभवी विद्युत ठेकेदारों, साझेदारी फर्मों आदि से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है, जिनके पास निम्नलिखित कार्य के लिए पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव के साथ वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस हो: निविदा सं.:**ईएल-एसडीएएच-सीओएन-जीईएनएल-173-2025**; **कार्य का नाम:** "पूर्व रेलवे के जमालपुर वर्कशॉप में जीआईएफ/बीएलसी शॉप में वैगन निर्माण क्षमता के विस्तार के लिए इलेक्ट्रिकल (जी) कार्य।" **निविदा मूल्य:** रु. 1,63,78,763.00; **निविदा दस्तावेज की लागत:** रु. शून्य। **बयाना राशि:** रु. 2,31,900.00; **समापन अवधि:** 12 (बारह) महीने; **समापन का समय:** 28.07.2025 को 12.30 बजे। निविदा दस्तावेज डाउनलोड किए जा सकते हैं और निविदा के लिए ऊपर बताए गए समय और तिथि से पहले "निविदा दस्तावेज की लागत" और "बयाना राशि" का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद **www.ireps.gov.in** पर बोलियां प्रस्तुत की जा सकती हैं। सभी तरह से पूर्ण निविदाएं और ऊपर बताए गए सभी दस्तावेजों के साथ इस निविदा के लिए **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जानी चाहिए। निविदा के लिए बोलियां उपरोक्त वेबसाइट पर ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रस्तुत की जानी हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा यदि कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा उसे सरसरी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जाएगा। निविदा दस्तावेज, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी शुद्धिपत्र (यदि कोई हो) एवं अन्य बुनियादी जानकारी **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। विस्तृत निविदा सूचना **उप मुख्य विद्युत अभियंता (सीओएन), पूर्व रेलवे, आर.एम.एस. बिल्डिंग, तृतीय तल, कैसर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014** के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है।
(CON-20/2025-26)
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

**पूर्व रेलवे**

**सं. डब्ल्यू(2)623/एलएचएस/एसडीएएच/1/2025-26 दिनांक: 30.06.2025,** मुख्य अभियंता, पूर्व रेलवे, 17, एन.एस.रोड, कोलकाता - 700001 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-टेंडरिंग हेतु निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **ई-निविदा सं. डब्ल्यू_2_623_एलएचए_एसडीएएच_1_25-26; कार्य का नाम :** सियालदह मंडल/पूर्व रेलवे के कृष्णानगर सिटी जंक्शन-लालगोला शाखा में आरसीसी यू-ट्रफ के साथ छत कवर आरसीसी बॉक्स द्वारा सीमित ऊंचाई सबवे (एलएचएस) का निर्माण करके लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 102/ई, 103/ई, 115/ई, 127/ई, 104/ई, 126/ई, 135/ई एवं 129/ई को खत्म करना; **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 73,90,77,785.59; **बयाना राशि:** रु. **38,45,400.00; पूर्णता अवधि:** 10 (दस) माह; **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 22.07.2025 को 14:00 बजे। निविदा दस्तावेजों का विवरण वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन प्रस्तुत करें। कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।
(MISC-114/2025-26)
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

**पश्चिम मध्य रेल**

विद्युत (परियोजना) शाखा – खुली निविदा एनआईटी नं. ईएल–जेबीपी–प्रोजेक्ट –25–पीएसएसए–1

उप मुख्य विद्युत अभियंता (परियोजना) पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से निम्नलिखित कायो के लिए ऑन–लाइन के माध्यम से प्रतिष्ठित और अनुभवी ठेकेदारों से ई–निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नही किया जाएगा। **निविदा क्रमांक : ईएल–जेबीपी–प्रोजेक्ट–25–पीएसएसए–1 दिनांक** 28.06.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** पश्चिम मध्य रेलवे के उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना,जबलपुर एवं भोपाल मंडल परिक्षेत्र में 2x25 के.वी. अपग्रेडेशन परियोजनाओं के विभिन्न खंडों/स्थलों के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी (पीएसएसए) उपलब्ध कराने के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी), **निविदा की अनुमानित लागत मूल्य (रु में) :** रुपए 21,01,52,483.40/-. **निविदा फार्म की कीमत** : निल, **कार्यलय का पता :** उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (परियोजना) पश्चिम मध्य रेलवे,जबलपुर ग्राउंड फ्लोर,मुख्य परियोजना प्रबंधक (परियोजना), कार्यालय, रेलवे स्टेडियम के बाजु में जबलपुर 482001, **बिड सिक्यूरिटी (रुपए में)** :रुपए12,00,800.00/– **समापन अवधि :** 21 माह, **निविदा जमा करने की तिथि :** दिनांक 05.08.2025 (15:00 बजे तक), **निविदा खुलने की तिथि एवं समय :** दिनांक 06.08.2025 को (11:00 बजे तक), निविदा सूचना की पूर्ण विवरण वेवसाईट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है तथा उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (परियोजना), जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।
(हस्ता)
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (परियोजना)
पश्चिम मध्य रेलवे/जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

**पूर्व रेलवे**

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

**सं. सीओएम/सीएटीजी/न्यू प्रोजेक्ट/कैंटीन/2025 दिनांक: 01.07.2025.** मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक), पूर्व रेलवे, हावड़ा, तुर्थ तल , यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा 05 वर्षों के लिए कैंटीन के आवंटन हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। अधिक जानकारी के लिए ई-नीलामी पट्टा मॉड्यूल के माध्यम से **www.ireps.gov.in** पर जाएं। **नीलामी सूची क्रमांक: एसटीजीईएन जुलाई 25 ; अनुक्रम सं.; लॉट सं./श्रेणी; विवरण एवं समापन तिथि/समय क्रमशः:- एए/1;** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-एसटीजीईएन-28-25-1(विविध-स्थिर-सेवाएं स्थिर साधारण); 05 वर्षों के लिए कैंटीन का निर्माण, संचालन और रखरखाव (स्थान-हावड़ा/यूनियन ऑफिस और पोस्ट ऑफिस के बीच, गंगा साइड); 15.07.2025 13.00 बजे। **एए/2;** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-एसटीजीईएन-29-25-1 (विविध-स्थिर-सेवाएं-स्थिर साधारण); 05 वर्षों के लिए कैंटीन का निर्माण, संचालन और रखरखाव (स्थान-बर्धमान/मुख्य बुकिंग कार्यालय के पीछे/पार्किंग के पास); 15.07.2025 13.10 बजे। **दर इकाई:** सभी अनुक्रम सं. के लिए वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क; **न्यूनतम वृद्धि (%):** सभी अनुक्रम सं. के लिए 0.2; **ईएमडी:** सभी अनुक्रम सं. के लिए 10%; **आवश्यक टर्नओवर:** सभी अनुक्रम सं. के लिए 0.
(HWH-170/2025-26)
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

**तारकेश्वर में श्रावणी मेला के दौरान ईएमयू स्पेशल ट्रेनें**

**तारकेश्वर में श्रावणी मेला** के दौरान तीर्थ यात्रियों की संभावित भारी भीड़ के सुविधार्थ, सभी रविवार, सोमवार तथा अन्य उत्सव के दिनों यानी दिनांक 10.07.2025 (गुरुवार/गुरु पूर्णिमा), 13.07.2025 (रविवार), 14.07.2025 (सोमवार), 20.07.2025 (रविवार), 21.07.2025 (सोमवार), 27.07.2025 (रविवार), 28.07.2025 (सोमवार), 29.07.2025 (मंगलवार/नाग पंचमी), 03.08.2025 (रविवार), 04.08.2025 (सोमवार), 09.08.2025 (शनिवार/झूलन यात्रा), 10.08.2025 (रविवार), 11.08.2025 (सोमवार), 15.08.2025 (शुक्रवार/स्वतंत्रता दिवस), 16.08.2025 (शनिवार/जन्माष्टमी), 17.08.2025 (रविवार) एवं 18.08.2025 (सोमवार) को नियमित ट्रेन सेवाओं के अलावा हावड़ा एवं तारकेश्वर के बीच अतिरिक्त 4 (चार) जोड़ी ईएमयू स्पेशल ट्रेनें तथा तारकेश्वर एवं सेवड़ाफुली के बीच अतिरिक्त 5 (पांच) जोड़ी ईएमयू ट्रेनें नीचे उल्लेखित संक्षिप्त समय-सारणी के अनुसार चलाई जाएंगी, संबंधित लोकल ट्रेनें मार्ग में सभी स्टेशनों में ठहरेगी :-

हावड़ा-तारकेश्वर-हावड़ा ईएमयू स्पेशल (चार जोड़ी)

| क्र. | अप स्पेशल | | स्टेशन | डाउन स्पेशल | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 00.30 | (प्र) | ↓ हावड़ा | (आ) | 04.00 |
| | 01.08/01.10 | (आ/प्र) | सेवड़ाफुली | (आ/प्र) | 03.20/03.22 |
| | 02.00 | (आ) | तारकेश्वर ↑ | (प्र) | 02.30 |
| 2 | 04.15 | (प्र) | ↓ हावड़ा | (आ) | 12.25 |
| | 04.52/04.54 | (आ/प्र) | सेवड़ाफुली | (आ/प्र) | 11.43/11.45 |
| | 05.45 | (आ) | तारकेश्वर ↑ | (प्र) | 10.55 |
| 3 | 12.40 | (प्र) | ↓ हावड़ा | (आ) | 13.05 |
| | 13.18/13.20 | (आ/प्र) | सेवड़ाफुली | (आ/प्र) | 12.23/12.25 |
| | 14.10 | (आ) | तारकेश्वर ↑ | (प्र) | 11.35 |
| 4 | 13.20 | (प्र) | ↓ हावड़ा | (आ) | 22.47 |
| | 13.58/14.00 | (आ/प्र) | सेवड़ाफुली | (आ/प्र) | 22.05/22.07 |
| | 14.50 | (आ) | तारकेश्वर ↑ | (प्र) | 21.17 |

सेवड़ाफुली-तारकेश्वर-सेवड़ाफुली ईएमयू स्पेशल (पांच जोड़ी)

| क्र. | | स्टेशन | |
|---|---|---|---|
| 1 | 07.45 (आ) | तारकेश्वर ↓ | (प्र) 05.55 |
| | 06.55 (प्र) | ↑ सेवड़ाफुली | (आ) 06.45 |
| 2 | 10.10 (आ) | तारकेश्वर ↓ | (प्र) 08.20 |
| | 09.20 (प्र) | ↑ सेवड़ाफुली | (आ) 09.10 |
| 3 | 11.53 (आ) | तारकेश्वर ↓ | (प्र) 10.05 |
| | 11.05 (प्र) | ↑ सेवड़ाफुली | (आ) 10.55 |
| 4 | 17.05 (आ) | तारकेश्वर ↓ | (प्र) 14.46 |
| | 16.15 (प्र) | ↑ सेवड़ाफुली | (आ) 15.36 |
| 5 | 20.25 (आ) | तारकेश्वर ↓ | (प्र) 18.35 |
| | 19.35 (प्र) | ↑ सेवड़ाफुली | (आ) 19.25 |

● यात्रियों से स्टेशनो की सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली का अनुसरण करने का अनुरोध किया जाता है।
मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा
पूर्व रेलवे

**सियालदह मंडल के तहत मातला हॉल्ट स्टेशन पर दो जोड़ी लोकल ट्रेनों का अस्थायी ठहराव**

यात्रियों की सुविधा के लिए, निम्नलिखित दो जोड़ी कैनिंग-सियालदह-कैनिंग ईएमयू लोकल ट्रेनें **दिनांक 07.07.2025 से 06.10.2025 तक तीन (03) महीने** की अवधि के लिए सियालदह मंडल के तहत **मातला हॉल्ट स्टेशन** पर इसके लिए उल्लिखित समयसूची के अनुसार अस्थायी ठहराव प्रदान करेंगी:

| ट्रेन नं. और नाम | मातला हॉल्ट पर समयसूची (आ./प्र.) |
|---|---|
| 34521 अप कैनिंग-सियालदह ईएमयू | रुकेगी/07.26 |
| 34527 अप कैनिंग-सियालदह ईएमयू | रुकेगी/10.08 |
| 34536 डाउन सियालदह-कैनिंग ईएमयू | रुकेगी/17.39 |
| 34538 डाउन सियालदह-कैनिंग ईएमयू | रुकेगी/18.17 |

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक
पूर्व रेलवे

**पूर्व रेलवे**

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

**सं. सीओएम/सीएटीजी/न्यू एमपीएस/एचडब्ल्यूएच/2025 दिनांक: 01.07.2025.** मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक), पूर्व रेलवे, हावड़ा, तुर्थ तल , यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा 05 वर्षों के लिए कैंटीन के आवंटन हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। अधिक जानकारी के लिए ई-नीलामी पट्टा मॉड्यूल के माध्यम से **www.ireps.gov.in** पर जाएं। **ननीलामी का विवरण:- नीलामी सूची सं.: एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-जुलाई 25; अनुक्रम सं.; लॉट सं./श्रेणी; विवरण एवं समापन तिथि/समय क्रमशः:- एए/1;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसएचई-एमपीएस-87-25-1 (एमपीएस-बहुउद्देश्यीय स्टॉल); बहुउद्देश्यीय स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन, अनारक्षित - सभी के लिए खुला, स्थान- श्योराफुली/तारकेश्वर एलसी गेट के पास; 15.07.2025 13.30 बजे। **एए/2;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसआरपी-एमपीएस-90-25-1 (एमपीएस-बहुउद्देश्यीय स्टॉल); बहुउद्देश्यीय स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन, अनारक्षित - सभी के लिए खुला, स्थान- श्रीरामपुर/पीएफ1-2/एसएल नं.3; 15.07.2025 13.40 बजे। **एए/3;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसआरपी-एमपीएस-91-25-1(एमपीएस-बहुउद्देश्यीय स्टॉल); बहुउद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन, अनारक्षित-सभी के लिए खुला, स्थान- श्रीरामपुर/पीएफ1-2/एसएल नंबर 4; 15.07.2025 को 13.50 बजे। **एए/4;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसआरपी-एमपीएस-89-25-1(एमपीएस-बहुउद्देश्यीय स्टॉल); बहुउद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन, अनारक्षित-सभी के लिए खुला, स्थान- श्रीरामपुर/पीएफ3-4/एसएल नंबर 2; 15.07.2025 को 14.00 बजे। **एए/5;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसआरपी-एमपीएस-88-25-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल); बहुउद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन, अनारक्षित - सभी के लिए खुला, स्थान-श्रीरामपुर/पीएफ 3-4/एसएल नंबर 1; 15.07.2025 को 14.10 बजे। **एए/6;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसएचई-एमपीएस-86-25-1 (एमपीएस - बहुउद्देशीय स्टॉल); बहुउद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन, अनारक्षित - सभी के लिए खुला, स्थान- श्योराफुली/पीएफ 1-2; 15.07.2025 को 14.20 बजे। **एए/7;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-सीएनएस-एमपीएस-93-25-1 (एमपीएस - बहुउद्देशीय स्टॉल); बहुउद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन, अनारक्षित - सभी के लिए खुला, स्थान- चुचुरा/ बुकिंग कार्यालय के पास; 15.07.2025 को 14.30 बजे। **दर इकाई:** सभी अनुक्रम सं. के लिए वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क; **न्यूनतम वृद्धि (%):** सभी अनुक्रम सं. के लिए 0.2; **ईएमडी:** सभी अनुक्रम सं. के लिए 10%; **आवश्यक टर्नओवर:** सभी अनुक्रम सं. के लिए 0.
(HWH-171/2025-26)
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

**आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली**

ई–एडवर्टाइज्ड टेंडर नोटिस सं. 20/ईटी/2025–26 दिनांक: 28.06.2025

| क्र. सं. | निविदा सं. | माल का विवरण | मात्रा | नियत तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 01 | 03255002 | सप्लाई इन्सटालेशन कमीशिनिंग एण्ड मेन्टेनेस ऑफ आटोमेटिक फायर डिटेक्शन सीयूएम आटोमेटिक फायर सप्रेशन सिस्टम | 6सेट | 29.07.2025 |
| | | सप्लाई इन्सटालेशन कमीशिनिंग एण्ड मेन्टेनेस ऑफ आटोमेटिक फायर डिटेक्शन सीयूएम आटोमेटिक फायर सप्रेशन सिस्टम | 9सेट | |
| 02 | 04251140 | सिमलेश स्टेन्लेस स्टील पाईप साईज 25 एमएम (1") एनबी x 3800 एमएम, | 6634 नग | 18.07.2025 |
| 03 | 05251088 | फीडर जंक्शन बॉक्स फॉर एलएचबी टाईप जेनरेटर कार | 155सेट | 04.08.2025 |
| 04 | 13251175 | एचईएक्स हेड स्क्रू एम 10X45 स्टेन्लेस स्टील | 147868 नग | 24.07.2025 |
| | | एचईएक्स हेड स्क्रू एम 10X30 स्टेन्लेस स्टील | 16301 नग | |
| | | एचईएक्स हेड स्क्रू एम 10X35 स्टेन्लेस स्टील | 714833 नग | |
| | | एचईएक्स हेड स्क्रू एम 10X40 स्टेन्लेस स्टील | 2247 नग | |
| | | एचईएक्स हेड स्क्रू एम 10X60 स्टेन्लेस स्टील | 65608 नग | |
| | | एचईएक्स हेड स्क्रू एम 10X65 स्टेन्लेस स्टील | 13368 नग | |
| 05 | 01251098 | फैरिटिक स्टील सीट 2.5X1250 एमएमX4000 एमएम | 250000 किग्रा | 28.07.2025 |
| | | फैरिटिक स्टील सीट साइज 2X1250 एमएमX2100 एमएम | 350000 किग्रा | |
| | | फैरिटिक स्टील सीट 2X1250X2100 एमएम | 1050000 किग्रा | |
| | | फैरिटिक स्टील सीट साइज 3X1250X4000 एमएम | 250000 किग्रा | |
| | | फैरिटिक स्टील सीट 4X1250X4000 एमएम | 375000.007 किग्रा | |
| 06 | 03251386 | वाटर टैंक (450 एलटीआर) कम्पलीट विदाउट अपर फेम फॉर एलएचबी पावर कार | 169 नग | 22.07.2025 |
| 07 | 11241224 ए | एन्टीग्रेटेड डब्लूटीसीसी फॉर अन्तोदय/दीनदायलु कोचेज | 3109 नग | 22.07.2025 |
| 08 | 11251081 | अंडर फ्रेम कम्पलीट फॉर 3 पीएच/मेमू/टीसी 6 कोचेज | 99 नग | 29.07.2025 |
| 09 | 05251141 | इमरजेंसी लाईटिंग सिस्टम फॉर ईओजी टाईप एलएचबी कोचेज | 2778 नग | 29.07.2025 |
| 10 | 05251105 | कैपेसिटर बैंक फॉर एलएचबी ईओजी/एचओजी टाईप कोचेज | 447 नग | 02.09.2025 |
| | | कैपेसिटर बैंक फॉर एलएचबी ईओजी/एचओजी टाईप पावर कार | 141 नग | |
| 11 | 05251098 | लईडी लाईट फिटिंग फॉर डोरवे/गंगवे एरिय फॉर एलएचबी टाईप एसी कोचेज | 4904 नग | 19.08.2025 |
| 12 | 05251122 | स्मोकिंग/डिटेक्टर यूनिट फॉर एलएचबी ईओजी कोचेज | 211 सेट | 31.07.2025 |
| 13 | 03251423 | डिजाईन, सप्लाई, इंस्टालेशन, कमीशिनिंग एंड मेन्टीनेंस ऑफ स्टैंड ऐलॉन (क्लॉज नं. 2.2 ऑफ स्पेसिफिकेशन) स्पाईरेशन टाईप आटोमैटिक स्मोक/फायर डेटेक्शन विद अलार्म सिस्टम फॉर एसी कोचेज | 514सेट | 05.08.2025 |
| 14 | 05251108 | सेट ऑफ केज क्लैम्प टर्मिनल फॉर कम्फर्टमेंट फॉर हाईब्रिड नॉन एसी कोचेज | 32212 नग | 02.09.2025 |
| | | सेट ऑफ केज क्लैम्प टर्मिनलस फॉर डोरवे फॉर हाईब्रिड नॉन एसी कोचेज | 8616 नग | |
| 15 | 05251065 | 4.5 केवी अंडरस्लग टाइप कान्स्टन्ट वोल्टेज रेगुलेटेड कम इर्मेलजेन्सी बैट्री चार्जर फॉर एलएचबी कोचेज | 771सेट | 06.08.2025 |

शुद्धिपत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | 11/ईटी/2025–26 दिनांक 29.05.2025 | टेंडर नं. 05251053 | निविदा खुलने की तिथि 27/06/2025 स्थान पर तिथि 17/07/2025 पढ़ें |

Website Address: www.ireps.gov.in & www.mcf.indianrailways.gov.in (Dy.CMM/M&P)

**ई–निविदा सूचना सं० 16/2025–26 (खुली)/उमुई।।/एमसीएफ/आरबीएल**

उप मुख्य इंजीनियर–।।/ आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित करते है। **क्रम सं: 1–कार्य का नाम :** एमसीएफ/आरबीएल के टाउनशिप के ओआरएच और जी. एम. बंगला एवं टाईप VI आवास और आस पास के सिविल इंजीनीयरिंग परिसंपत्तियों कार्य क्षेत्र का 01 वर्ष के रखरखाव का कार्य। **निविदा सं० :** 20/2024-25-RT, **अनुमानित लागत ₹ :** ₹ 2,45,02,806.31, **निविदा खुलने की तिथि :** 21.07.2025 , **कार्य समापन की अवधि :** 12 माह, निविदाकार निविदा बंद होने के दिनांक एवं समय तक अपनी मूल /संशोधित निविदा जमा कर सकते है। इस निविदा के लिये पूर्व प्रचलित मैनुअल ऑफर प्रक्रिया की अनुमति नहीं है और यदि कोई मैनुअल ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नही किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये कृपया भारतीय रेलवे की आईआरईपीएस वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर लॉग आन करें।
उप मुख्य इंजीनियर–।। , आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

# बजबज में आईओसी प्लांट में चालकों और खलासियों की हड़ताल को लेकर तनाव, रैफ तैनात

## प्रदर्शनकारियों ने गैस सिलेंडरों से लीक कर दी एलपीजी, मोटरसाइकिलों में भी तोड़फोड़, 40 से अधिक गिरफ्तार

**कोलकाता, समाज्ञा :** दक्षिण 24 परगना जिले के बजबज इलाके में स्थित आईओसी बॉटलिंग प्लांट में चालकों और खलासियों की हड़ताल के कारण मंगलवार की शाम को भारी हंगामा हुआ। इस दौरान झड़प की स्थिति उत्पन्न हो गई। मामला इतना बिगड़ गया कि हालात काबू में करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) को तैनात करना पड़ा। पुलिस ने इस मामले में 40 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। दूसरी तरफ, ट्रक चालकों का कहना है कि उनपर कुछ लोगों ने हमला किया था, जिसके विरोध में उन्होंने प्रदर्शन किया स्थानीय सूत्रों के अनुसार, चालकों और खलासियों

का एक वर्ग शनिवार से हड़ताल पर है। उनकी मांग है कि दो चालकों के निलंबन का फैसला वापस लिया जाए और लोडिंग-अनलोडिंग से जुड़े बकाया भुगतान जल्द किया जाए। हड़ताल के कारण प्लांट से गाड़ियों की आवाजाही बंद हो गई, जिससे ग्राहकों को काफी परेशानी हो रही थी। इस दिन, शाम को तृणमूल कांग्रेस की यूनियन के प्रतिनिधि एक बैठक के लिए चालकों और खलासियों से मिलने पहुंचे। उन्होंने हड़ताल खत्म करने की अपील की। लेकिन, दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ते-बढ़ते हाथापाई में बदल गई। इस झड़प में कई लोग घायल हो गए और कई मोटरसाइकिलों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि इस दौरान किसी ने जानबूझकर एक के बाद एक सिलिंडरों से गैस छोड़ दी, जिससे आसपास का इलाका धुएं से भर गया। ऐसे में अगर कहीं थोड़ी सी भी चिंगारी लग जाती, तो एक बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। हालात बिगड़ने पर बजबज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। परिस्थिति को संभालने के लिए महेशतला थाने से भी फोर्स बुलाई गई। आखिरकार, रैफ को बुलाकर स्थिति पर काबू पाया गया। फिलहाल, माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है और भारी पुलिस बल तैनात है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

### तृणमूल कांग्रेस के शासन में अराजकता बढ़ी : शुभेंदु अधिकारी

भाजपा नेता और राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने इस घटना से संबंधित एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना तृणमूल कांग्रेस के शासन में तहत बढ़ती अराजकता और सिंडिकेट राज को दर्शाती है। इसके अलावा उन्होंने दो वीडियो भी साझा किए, जिनमें प्रदर्शनकारियों को सिलेंडरों से एलपीजी छोड़ते हुए दिखाया गया, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। अधिकारी ने वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि कल का विरोध प्रदर्शन, जिसमें गुस्साए श्रमिकों ने सिलेंडरों से गैस सड़कों पर छोड़ी थी, भयावह हो सकता था। अगर एक चिंगारी भी लग जाती तो बजबज बॉचलिंग प्लांट के नजदीक बीबीआईटी कॉलेज, जगन्नाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज और आसपास के इलाकों में भारी तबाही हो सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के आपसी गुट लोडिंग और अनलोडिंग के ठेकों को लेकर आपस में भिड़ रहे हैं, जिससे कामगारों की जान खतरे में पड़ रही है।

### कंपनी से नहीं जुड़ा विवाद : आईओसीएल

आईओसीएल के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह पूरा विवाद ट्रांसपोर्टरों और उनके चालकों के बीच मजदूरी को लेकर था और कंपनी से इसका सीधा संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि शनिवार से ही डिस्पैच और उत्पादन प्रभावित था, लेकिन हमने वैकल्पिक सुविधाओं से सिलेंडर मंगवाकर आपूर्ति सुनिश्चित की। अब प्लांट में फिर से उत्पादन शुरू हो गया है।

### सुभाष सरोवर के पास हथियार के साथ दो युवक गिरफ्तार

**कोलकाता, समाज्ञा :** महानगर में फिर हथियार बरामदगी का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, सोमवार की शाम पुलिस ने फूलबागान थाना अंतर्गत सुभाष सरोवर से सटे सुरेन सरकार रोड से दो युवकों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के नाम अजय मंडल और पंकज विश्वास हैं। उनके पास से एक सिंगल शटर हथियार और दो राउंड कारतूस बरामद किए गए है। इस घटना में पुलिस ने गिरफ्तार लोगों के खिलाफ फूलबागान थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उन्हें ये हथियार कहां से मिले और वे किस मकसद से घूम रहे थे।

### सियालदह डिवीजन के मातला हॉल्ट स्टेशन पर चार ईएमयू लोकल ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

**कोलकाता, समाज्ञा :** रेलवे ने सियालदह डिवीजन में मातला हॉल्ट स्टेशन पर चार ईएमयू लोकल ट्रेनों के अस्थायी ठहराव का निर्णय लिया है। यह अतिरिक्त ठहराव 7 जुलाई 2025 से 6 अक्टूबर 2025 तक तीन महीने की अवधि के लिए रहेगा। इसके तहत, 34521 कैनिंग-सियालदह ईएमयू लोकल, 34527 कैनिंग-सियालदह ईएमयू लोकल, 34536 सियालदह-कैनिंग ईएमयू लोकल और 34538 सियालदह-कैनिंग ईएमयू लोकल ट्रेनों को मातला हॉल्ट स्टेशन पर ठहराव मिलेगा। इन ट्रेनों का ठहराव क्रमशः सुबह 07:26 बजे, 10:08 बजे, शाम 17:39 बजे और 18:17 बजे होगा।

### चुनाव बाद हिंसा से जुड़े मामले में व्यक्ति को दुष्कर्म का दोषी ठहराया गया

**मालदह/कोलकाता :** मालदह की एक विशेष अदालत ने नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराया है। चुनाव बाद हुई हिंसा के मामलों में यह पहली दोषसिद्धि है, जिसकी जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है। उल्लेखनीय है कि दो मई, 2021 को विधानसभा चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद राज्य में हुई चुनाव-पश्चात हिंसा के दौरान हत्या और महिलाओं के खिलाफ अपराध- विशेष रूप से दुष्कर्म या दुष्कर्म के प्रयास के 61 मामले कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सीबीआई को सौंप दिए। सीबीआई की जांच में ऐसे ही एक मामले में पता चला कि मालदह के सेवानिवृत्त सरकारी स्कूल शिक्षक रफीकुल इस्लाम उर्फभेलू ने चार जून, 2021 की शाम को आम के बगीचे में खेल रही नौ साल की बच्ची को पैसों का लालच दिया और उससे दुष्कर्म किया। सीबीआई ने उसके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया और शीघ्र सुनवाई के लिए एक विशेष वकील नियुक्त किया। सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक अमिताव मैत्रा ने आरोपी के खिलाफ एक मजबूत मामला पेश किया, जिसके परिणामस्वरूप अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, द्वितीय (पॉक्सो अदालत), मालदह द्वारा उसे दोषी ठहराया गया। सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि अदालत ने इस्लाम को नाबालिग से दुष्कर्म के लिए यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376एबी के तहत दोषी ठहराया। सजा की अवधि शुक्रवार को सुनाई जाएगी।

### महिषादल में पुलिस की गाड़ी को डम्पर ने मारी टक्कर, दो पुलिस कर्मियों की मौत

**पूर्व मेदिनीपुर :** जिले में महिषादल थाना अंतर्गत गाडूघाटा इलाके में मंगलवार की देर रात हुए एक सड़क हादसे में दो पुलिस कर्मियों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हल्दिया-मेदिनीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 116 पर नाइट पेट्रोलिंग के दौरान एक अनियंत्रित डम्पर ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी जिसके बाद पुलिस की गाड़ी एक दूसरी गाड़ी से टकराकर सड़क किनारे स्थित जलाशय में जा गिरी। इस हादसे में महिषादल थाने के एसआई जयंत घोषाल और एक अन्य पुलिस कर्मी शेख सहाना की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य पुलिस कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गंभीर अवस्था में तमलुक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे के बाद डम्पर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पाकर नंदकुमार थाने की पुलिस ने डम्पर को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपित चालक नशे में था या नहीं। वहीं, घटना की खबर मिलते ही पूर्व मेदिनीपुर जिले के पुलिस अधीक्षक सौम्यदीप भट्टाचार्य घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया।

### एसएससी में आवेदन की समयसीमा बढ़ेगी? अब तक एक लाख से अधिक फॉर्म जमा

**कोलकाता :** पिछले 12 दिनों में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की नियुक्ति परीक्षा के लिए एक लाख से अधिक नौकरी इच्छुक उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। सूत्रों के अनुसार, अब तक लगभग एक लाख पाँच हजार आवेदन जमा हो चुके हैं। सबसे अधिक आवेदन नवम और दशम कक्षा के शिक्षक पदों के लिए हुए हैं। जानकारी के अनुसार, लगभग 65 हजार से अधिक आवेदन सिर्फ नवम (9वीं) और दशम (10वीं) कक्षा के शिक्षक बनने के लिए जमा हुए हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 16 जून की रात से शुरू हुई थी। लेकिन ओबीसी आरक्षण को लेकर जटिलताओं के कारण वेबसाइट को तीन दिनों तक बंद रखा गया था। एसएससी सूत्रों के अनुसार, 2025 एसएलएस टी परीक्षा में जहाँ एक ओर नए अभ्यर्थियों का तगड़ा उत्साह दिखा है, वहीं दूसरी ओर कार्यरत शिक्षक और नौकरी खो चुके शिक्षक भी बड़ी संख्या में आवेदन कर रहे हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई है। हालांकि, वेबसाइट तीन दिन बंद रहने के कारण क्या समयसीमा बढ़ाई जाएगी, इस पर अब तक स्कूल सेवा आयोग ने कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। नवम-दशम, एकादश (11वीं) और द्वादश (12वीं) मिलाकर कुल 34 हजार से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाओं की नियुक्ति की जाएगी।

### विधायक एवं डिप्टी मेयर अतिन घोष की अध्यक्षता में स्वास्थ्य प्रशासनिक बैठक

**कोलकाता, समाज्ञा :** विवेकानंद पार्क के पास बोरो 8 के उद्जापन कम्युनिटी हॉल में बुधवार को डेंगू सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधित मुद्दों की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरविभागीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता विधायक एवं डिप्टी मेयर अतिन घोष ने की। इस बैठक में तीन एमएमआईसी, बोरो चेयरपर्सन, बोरो 8 के विभिन्न वार्डों के पार्षदों के साथ-साथ कोलकाता नगर निगम के स्वास्थ्य, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, भवन निर्माण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण एवं स्वच्छता, और असेसमेंट विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान

सभी वार्डों में वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई और विभागों के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर जोर दिया गया। डॉ. देबाशीष विश्वास, ओएसडी एवं मुख्य वीसीओ (एक्स-ऑफिसियो) ने बैठक की जानकारी साझा की।

### बंधन बैंक ने असम कैंसर केयर फाउंडेशन को दिया सीएसआर सपोर्ट

**कोलकाता :** बंधन बैंक ने असम कैंसर केयर फाउंडेशन (एसीसीएफ) के लिए अपने सीएसआर ग्रांट (निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व अनुदान) की घोषणा की। एसीसीएफ असम सरकार और टाटा ट्रस्ट्स की साझेदारी है। यह ग्रांट अगले दो सालों तक असम के 17 जिलों में मरीजों के घरों के पास स्टेडर्ड और कम लगत वाली कैंसर देखभाल प्रदान करने में मदद करेगा। सीएसआर सहयोग को गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर औपचारिक रूप प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में प्रणब कुमार सरमा, आईएएस, सचिव एमईआरडी, पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता, एमडी और सीईओ, बंधन बैंक, डॉ. (मेजर जनरल) जय प्रकाश प्रसाद, सीओओ, एसीसीएफ के साथ-साथ टाटा ट्रस्ट्स, एसीसीएफ और बंधन बैंक के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस मौके पर बंधन बैंक के एमडी और सीईओ, पार्था प्रतिम सेनगुप्ता ने कहा, ए क उद्देश्यपूर्ण और प्रगतिशील समाज के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच जरूरी है। बंधन बैंक असम के लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।

### पूर्व रेलवे श्रावणी मेला के लिए चलाएगा स्पेशल ईएमयू ट्रेनें

**कोलकाता, समाज्ञा :** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्पेशल ईएमयू सेवाएं चलाने का निर्णय लिया है। ये विशेष ट्रेनें श्रावणी मेला के दौरान तारकेश्वर से सभी रविवार, सोमवार और अन्य पर्वों पर चलेंगी। यह सेवाएं 10 जुलाई, 13 जुलाई, 14 जुलाई, 20 जुलाई, 21 जुलाई, 27 जुलाई, 28 जुलाई, 29 जुलाई, 3 अगस्त, 4 अगस्त, 9 अगस्त, 10 अगस्त, 11 अगस्त, 15 अगस्त, 16 अगस्त, 17 अगस्त और 18 अगस्त 2025 को उपलब्ध रहेंगी। ये सभी विशेष ट्रेनें अपने मार्ग में प्रत्येक स्टेशन पर रुकेंगी। हावड़ा-

तारकेश्वर-हावड़ा खंड पर चार जोड़ी विशेष ईएमयू ट्रेनें चलाई जाएंगी। हावड़ा से ये ट्रेनें 00:30, 04:15, 12:40 और 13:20 बजे प्रस्थान कर क्रमशः 02:00, 05:45, 14:10 और 14:50 बजे तारकेश्वर पहुंचेंगी। लौटने के लिए तारकेश्वर से ये ट्रेनें 02:30, 10:55, 11:35 और 21:17 बजे प्रस्थान कर क्रमशः 04:00, 12:25, 13:05 और 22:47 बजे हावड़ा पहुंचेंगी। शिउराफुली से जलाभिषेक के लिए गंगाजल लेकर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पांच जोड़ी शिउराफुली-तारकेश्वर ईएमयू विशेष ट्रेनें भी चलाई जाएंगी। शिउराफुली से ये ट्रेनें 06:55, 09:20, 11:05, 16:15 और 19:35 बजे प्रस्थान कर क्रमशः 07:45, 10:10, 11:53, 17:05 और 20:25 बजे तारकेश्वर पहुंचेंगी। वापसी में तारकेश्वर से ट्रेनें 05:55, 08:20, 10:05, 14:46 और 18:35 बजे प्रस्थान कर क्रमशः 06:45, 09:10, 10:55, 15:36 और 19:25 बजे शिउराफुली पहुंचेंगी।

### आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने युवाओं के लिए एक नया मार्केट-लिंक्ड प्रोडक्ट लॉन्च किया

**कोलकाता :** आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस नामक एक नया मार्केट-लिंक्ड प्रोडक्ट लॉन्च किया है, जो युवाओं को लंबी अवधि में धन संचय (वेल्थ क्रिएशन) का अवसर देता है। यह प्लान मात्र 1,000 के मासिक प्रीमियम से शुरू होता है, जिससे युवा वर्ग आसानी से निवेश की शुरुआत कर सकता है और अपने दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकता है। साथ ही, इसमें जीवन बीमा कवर भी शामिल है, जिससे किसी अनहोनी की स्थिति में परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिलती है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, अमित पाल्टा ने कहा: युवा वर्ग को ध्यान में रखते हुए हमने आईसीआईसीआई प्रू स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस पेश किया है।

### बी.आर. सिंह अस्पताल में उन्नत लेजर सर्जरी की हुई शुरुआत

**कोलकाता, समाज्ञा :** पूर्व रेलवे के बी.आर. सिंह अस्पताल में पहली बार पाइल्स, फिस्टुला एवं अन्य गुदा रोगों के उपचार के लिए उन्नत लेजर सर्जरी की शुरुआत की गई है। यह अस्पताल की चिकित्सा सेवा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। ऑपरेशन थिएटर में अत्याधुनिक लेजर मशीन स्थापित की गई है और इसके माध्यम से अब तक दो सफल लेजर हैमोरॉयडेक्टॉमी की

जा चुकी हैं। यह सफलता चिकित्सा निदेशक डॉ. देबाशीष गुहा के मार्गदर्शन और सहयोग से संभव हो पाई है। इस उपलब्धि में ऑपरेशन थिएटर स्टाफ, एनेस्थीसिया टीम और सर्जरी विभाग की संयुक्त भूमिका रही। सर्जरी का नेतृत्व डॉ. दीपांजन प्रधान, वरिष्ठ डिवीजनल मेडिकल ऑफिसर (सर्जरी) और डॉ. दास, वरिष्ठ कंसल्टेंट (सर्जरी) ने किया। यह पहल बी.आर. सिंह अस्पताल की आधुनिक और न्यूनतम इनवेसिव सर्जिकल तकनीकों को अपनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

### एस.सी. केजरीवाल विद्यापीठ ने अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनों के साथ की वाद-विवाद कार्यशाला की मेजबानी

**हावड़ा :** शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान एम.सी. केजरीवाल विद्यापीठ ने डिबेटिंग एक्सीलेंस 2025 के अंतर्गत एक प्रभावशाली वाद-विवाद कार्यशाला की मेजबानी की। इसका आयोजन कलकत्ता डिबेटिंग सर्कल द्वारा द टेलीग्राफ यंग मेट्रो के सहयोग से किया गया। कक्षा 9 से 12 तक के चयनित 80 छात्रों ने इस कार्यशाला में भाग लिया और एम.सी.के.वी. डिबेटिंग सर्कल के साथ मिलकर अपने सार्वजनिक बोलने और आलोचनात्मक सोच कौशल को निखारा। कार्यशाला में किंग्स कॉलेज लंदन के वरिष्ठ वाद-विवाद कोच जॉर्डन एंडरसन एवं हीथर रॉबिन्सन, येल विश्वविद्यालय के स्नातक एलियास सिल्वर, हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वाद-विवादक हंटर हायनेस, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्र ज़ैचरी बेंजामिन फ्लीज़र और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के इतिहास के छात्र इसहाक एलेन ओहिंगर

प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इनके साथ कलकत्ता डिबेटिंग सर्कल (सीडीसी) के संस्थापक सचिव एवं ट्रस्टी प्रदीप गुप्ता, वरिष्ठ सदस्य शंकर रामलिंगम, समन्वयक और स्वयंसेवक भी मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एम.सी.के.वी. के अध्यक्ष किशन कुमार केजरीवाल, निदेशक नीलकंठ गुप्ता और प्रधानाध्यापक विश्वजीत मजूमदार ने की। उद्घाटन सत्र में प्रदीप गुप्ता ने वाद-विवाद की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिसके बाद एंडरसन ने रणनीतिक प्रशिक्षण शुरू किया। मुख्य विषय छोटे अपराधों के लिए शारीरिक दंड को फिर से लागू किया जाना चाहिए पर प्रदर्शन वाद-विवाद हुआ। इसके बाद इंटरैक्टिव समूह सत्र, सलाह-मशविरा और अभ्यास सत्र हुए। कक्षा 11-बी के दीपंशु मित्र को सर्वश्रेष्ठ वाद-विवादक घोषित किया गया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

### मालदह डिवीजन की आरपीएफ सब-इंस्पेक्टर अपर्णा कुमारी ने राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

**कोलकाता, समाज्ञा :** पूर्व रेलवे ने मालदह डिवीजन की आरपीएफ की सब-इंस्पेक्टर अपर्णा कुमारी की उल्लेखनीय उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया है। अपर्णा कुमारी ने 26 से 28 जून 2025 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) के तत्वावधान में रायपुर में आयोजित इंटर-ज़ोनल रेलवे आरपीएफ योग प्रतियोगिता 2025 में रजत पदक प्राप्त किया। इस प्रतिष्ठित

प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न जोन से आरपीएफ के चुने हुए कर्मियों ने हिस्सा लिया और अपनी शारीरिक दक्षता, अनुशासन और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अपर्णा कुमारी ने अपनी योग कौशल और अथक प्रयास से सभी का ध्यान आकर्षित किया। अपर्णा कुमारी की इस सफलता पर पूर्व रेलवे के आरपीएफ के महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमिय नंदन सिन्हा ने उन्हें हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अपर्णा को समर्पण, संघर्ष और उत्कृष्टता की मिसाल बताते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि आरपीएफ कर्मियों, विशेषकर महिला अधिकारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

### पूर्व रेलवे राजभाषा विभाग ने हिंदी निबंध, टिप्पण और वाक प्रतियोगिताओं का किया आयोजन

**कोलकाता, समाज्ञा :** पूर्व रेलवे के राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और विकास हेतु क्षेत्रीय स्तर पर तीन प्रमुख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत हिंदी निबंध लेखन, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, तथा हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में मुख्यालय सहित चार मंडल-सियालदह, हावड़ा, आसनसोल और मालदह, साथ ही तीन कारखानों-कांचरापाड़ा, लिलुआ और जमालपुर के कर्मचारियों ने भाग लिया। 01 जुलाई को हिंदी निबंध लेखन में 37 और टिप्पण एवं प्रारूप लेखन में 34 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वहीं, 02 जुलाई को पूर्व रेलवे मुख्यालय के नवीन सभाकक्ष में हिंदी वाक्

प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 26 प्रतिभागियों ने उत्साह-पूर्वक भागीदारी की। इस प्रतियोगिता के निर्णायक उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं उप मुख्य लेखा अधिकारी (सामान्य) मनीष और वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. मधुसूदन दत्त थे। उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हिंदी के आधिकारिक प्रयोग के साथ-साथ कर्मचारियों की भाषा-शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति कौशल को भी बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम का समापन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. मधुसूदन दत्त के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

### डूआर्स में पर्यटकों को लुभाने के लिए 'इलीश और बोरोलि उत्सव 2025' की शुरुआत

**जलपाईगुड़ी :** डूआर्स के लाटागुड़ी स्थित कंचनजंघा व्यू रिसॉर्ट में 'इलीश (हिलसा मछली) और बोरोलि (स्थानीय नदी मछली) उत्सव 2025' का उद्घाटन हुआ। यह आयोजन 'हिम की छाया पर्यटन विशेषज्ञ' की पहल पर हुआ। शुभारंभ समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री जॉन बारला, क्रांति पंचायत समिति के अध्यक्ष पंचानन राय, लाटागुड़ी ग्राम पंचायत की प्रधान कृष्णा बर्मन और कुमलाई ग्राम पंचायत की प्रधान सुनीता मुंडा सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। आयोजकों ने बताया कि बरसात के मौसम में जब डूआर्स में कम पर्यटक आते हैं, तब उन्हें आकर्षित करने के लिए इस उत्सव की योजना बनाई गई। शाम को भाऊइया, आदिवासी नृत्य और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति को भी प्रदर्शित किया गया।

### सीमा पर बीएसएफ एवं तस्करों के बीच मुठभेड़, एक बांग्लादेशी तस्कर ढेर

**कोलकाता, समाज्ञा :** नदिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास तस्करों के एक समूह द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला किए जाने के बाद हुई मुठभेड़ में एक बांग्लादेशी तस्कर मारा गया, जबकि एक जवान घायल हो गया। यह घटना दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 32वीं बटालियन के तहत हलदरपाड़ा सीमा चौकी के पास हुई। बताया गया है कि सोना तस्करी के प्रयास के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर, क्षेत्र में बीएसएफ कर्मियों की एक टीम तैनात की गई थी। बीएसएफ के एक बयान के अनुसार, चार से पांच सशस्त्र बांग्लादेशी तस्करों का समूह नदी पार कर

भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर रहा था। तस्करों ने बीएसएफ की चेतावनियों को नजरअंदाज किया और आगे बढ़ते रहे। उन्हें रोकने के लिए शुरू में पीएजी (पंप एक्शन गन) से हवा में एक राउंड गोली चलाई गई, लेकिन तस्करों ने एक जवान को घेर लिया और उस पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। बीएसएफ के एक अधिकारी ने कहा कि आत्मरक्षा और अपने साथी की रक्षा के लिए, एक अन्य जवान ने अपनी राइफल से गोली चलाई, जो एक तस्कर के पेट में लगी। घायल तस्कर मौके पर गिर पड़ा, जबकि उसके बाकी साथी इस अफरा-तफरी के बीच बांग्लादेश की ओर भाग निकले। घायल तस्कर को कृष्णगंज अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घायल बीएसएफ जवान को भी प्राथमिक उपचार देने के बाद उसी अस्पताल में रेफर किया गया। घटना के बाद क्षेत्र में चलाए गए व्यापक तलाशी अभियान के दौरान मौके से चार धारदार हथियार बरामद किए गए। मृत तस्कर का शव और जब्त सामग्री कृष्णगंज पुलिस को सौंप दी गई है और स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

# हावड़ा निगम परिसर में हादसा, पेड़ गिरने से दो की मौत, एक घायल

**हावड़ा, समाज्ञा**

हावड़ा नगर निगम के परिसर में बुधवार सुबह एक विशाल और पुराना यूकेलिप्टस का पेड़ गिरने से दो निगम कर्मचारियों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। मृतक उमेश महतो (51) स्वास्थ्य विभाग के स्थायी कर्मचारी और स्प्रे मैन थे, जबकि नूर मोहम्मद (53) निगम का सुरक्षा गार्ड था। घायल की पहचान अस्थायी कर्मचारी दिनेश के रूप में हुई है। हादसा सुबह करीब 5:45 बजे हुआ, जब तीनों कर्मचारी निगम चेयरपर्सन के कार्यालय के सामने चाय पी रहे थे। इस दौरान अचानक पेड़ गिर पड़ा और वे दब गए। मौके पर स्थानीय लोग और पुलिस पहुंची। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उमेश और नूर को मृत घोषित कर दिया गया।

हावड़ा नगर निगम के अध्यक्ष सुजय चक्रवर्ती ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि निगम मृतकों और घायल के परिवारों के साथ है और उन्हें सरकारी नियमों के तहत मुआवजा दिया जाएगा। हादसे के बाद निगमकर्मियों ने पेड़ की शाखाओं और तने को काटकर परिसर को साफ किया। स्थानीय निवासी का कहना है कि यह पेड़ काफी दिनों से झुका हुआ था और इसकी सूचना निगम को दी गई थी पर समय पर कार्रवाई नहीं होने से हादसा हुआ। वहीं, भाजपा नेता उमेश राय ने नगर निगम पर ला-परवाही का आरोप लगाया और कहा कि यही मौतों की वजह बनी।

## मुख्यमंत्री के आदेश पर फिरहाद हकीम ने परिवार से की मुलाकात, मुआवजा व नौकरी का आश्वासन

**हावड़ा, समाज्ञा :** इस दुखद हादसे के बाद शहर विकास मंत्री फिरहाद हकीम ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आदेश पर मृतकों के परिजनों से बात की। इसके साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजनों में से एक को नौकरी देने का भी वादा किया। बुधवार को परिजनों से मुलाकात के बाद, फिरहाद हकीम ने कहा कि यह पूरी तरह से हमारा दुर्भाग्य है। न हवा है, न तूफान है, न बारिश है। अचानक पेड़ गिर गया। परिवार के सदस्य आए, मैंने उनसे बात की। उन्हें मुआवजा भी दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि उनमें से एक के बेटे को नौकरी देने की बात हुई है। और परिवार के किसी ऐसे व्यक्ति को जो अस्थायी कर्मचारी था, उसकी जगह पर नियुक्त किया जाएगा। इसके अलावा, नगर निगम दोनों मृतकों के परिवारों को आर्थिक मुआवजा दे रही है। हम परिवार के साथ हैं। फिरहाद ने कहा कि मैं इसके बारे में सुनते ही वहां पहुंचा। मुख्यमंत्री ने मुझे भी परिवार से बात करने के लिए कहा। मैं उनके साथ हूं।

### ठाकुरपुकुर कांडः शराब पीकर जानबूझकर लोगों को कुचला

# विक्टर के खिलाफ 253 पन्नों की चार्जशीट, 47 गवाह

**कोलकाता :** टॉलीवुड के निर्देशक सिद्धांत दास उर्फ विक्टर के खिलाफ ठाकुरपुकुर हादसे में लालबाज़ार के जांचकर्ताओं ने 253 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। अलीपुर एस.सी.जे.एम. अदालत में पेश की गई इस चार्जशीट में हत्या और हत्या के प्रयास की धाराएँ जोड़ी गई हैं।

चार्जशीट के मुताबिक, विक्टर ने शराब के नशे में जानबूझकर गाड़ी चलाते हुए एक के बाद एक कई राहगीरों को टक्कर मारी। चार्जशीट में 47 लोगों के नाम गवाह के रूप में दर्ज हैं।

घटना का मुख्य आरोपी टॉलीवुड निर्देशक सिद्धांत दास है, जो विक्टर नाम से भी जाना जाता है। चार्जशीट के अनुसार, ठाकुरपुकुर बाज़ार में शराब पीकर नशे की हालत में उसने जानबूझकर वाहन चलाया और कई राहगीरों को टक्कर मारी।

इस खतरनाक ड्राइविंग के चलते बकरेहाट निवासी एक राहगीर अमीनुर रहमान की मौत हो गई, और कम से कम आठ लोग घायल हुए।

घटना की शुरुआत 6 अप्रैल को हुई थी। इससे ठीक एक दिन पहले, विक्टर ने अपने धारावाहिक 'वीडियो बउमा' की सफलता का जश्न मनाने के लिए रातभर पार्टी की, जिसमें कई अभिनेता-अभिनेत्रियाँ मौजूद थे।

पार्टी के बाद रविवार सुबह, विक्टर गंभीर नशे की हालत में अपनी कार चलाकर सीधे ठाकुरपुकुर बाजार के भीड़भाड़ वाले इलाके में घुस गया। वहाँ उसकी गाड़ी ने एक के बाद एक कई दुकानों और राहगीरों को टक्कर मारी।

इस बेकाबू ड्राइविंग की वजह से अमीनुर रहमान की मौके पर ही मौत हो गई, और कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

विक्टर की गिरफ्तारी के 86 दिन बाद यह चार्जशीट दाखिल की गई है, जिसमें उसे घटना का मुख्य और जानबूझकर हत्या करने वाला आरोपी बताया गया है।

## न्यूज ब्रीफ

### मुहर्रम के कारण नहीं मिली अनुमति, 8 जुलाई को बेरोजगार शिक्षकों का नवान्न अभियान

**कोलकाता, समाज्ञा :** एसएससी के बेरोजगार योग्य शिक्षा कर्मियों ने योग्य उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित करने समेत कई मांगों को लेकर नवान्न अभियान का आह्वान किया है। ग्रुप सी और ग्रुप डी अधिकार मंच ने घोषणा की थी कि वे हावड़ा मैदान से नवान्न तक मार्च करेंगे और मुख्यमंत्री से मिलेंगे। लेकिन, चूंकि, मुहर्रम 6 तारीख को है, इसलिए कोलकाता पुलिस ने पिछले कुछ दिनों से हावड़ा मैदान या अन्य कहीं भी किसी भी सभा की अनुमति नहीं दी है। प्रदर्शनकारियों को 3 तारीख के बजाय 8 तारीख को नवान्न अभियान निकालने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। बुधवार को अधिकार मंच का एक वर्ग हावड़ा पुलिस आयुक्त कार्यालय में अधिकारियों से मिलने गया था। वहां चार घंटे की लंबी बैठक के बाद, उन्होंने इस निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने स्थिति को समझने के बाद अपना फैसला बदल दिया।

### अब आप ही होंगे शो के स्टार! पेश है क्रोमा का 100डब्ल्यू कराओके मशीन

**कोलकाता :** क्रोमा लेकर आया है पार्टी की जान-अपना नया 100डब्ल्यू कराओके मशीन, जिसमें है इन-बिल्ट सबवूफर (मॉडल: सीआरएसपी100बीपीई301511), और इसकी कीमत है 20,000, यह शानदार मशीन संगीत के शौकीनों और घर पर मनोरंजन करने वालों के लिए बनाई गई है। यह आपके लिविंग रूम, छत या गार्डन को आपका अपना कॉन्सर्ट स्टेज बना देती है। चाहे आप ज़ोर-शोर से अपने पसंदीदा गाने गा रहे हों, परिवार के साथ मिलकर सुर लगा रहे हों, या दोस्तों के साथ किसी पार्टी में अचानक डुएट गाकर सबको चौंका रहे हों, क्रोमा का 100डब्ल्यू कराओके मशीन आपको देता है बेहतरीन ऑडियो, आसान कंट्रोल और ज़बरदस्त विज़ुअल्स, सब एक स्टाइलिश पैकेज में।

### बैंक घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने कोलकाता से सीए अनंत अग्रवाल को किया गिरफ्तार

**कोलकाता, समाज्ञा :** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले हफ़्ते एक बड़े बैंक फ्रॉड मामले में चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अनंत कुमार अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। ये कार्रवाई मेसर्स कॉनकास्ट स्टील एंड पावर लिमिटेड (सीएसपीएल) और अन्य से जुड़े बैंक फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई है। सीए अनंत अग्रवाल को कोलकाता की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 5 जुलाई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि अनंत अग्रवाल ने यूको बैंक के पूर्व चेयरमैन सुबोध कुमार गोयल के इशारे पर ब्लैक मनी को वाइट करने का पूरा नेटवर्क तैयार किया था। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि हिरासत में सीए अनंत कुमार अग्रवाल से इस मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में पूछताछ की जाएगी। उन्होंने नकली कंपनियां बनाकर करोड़ों रुपये के फर्जी लेन-देन किए, जिसमें बोगस अनसिक्योर्ड लोन और फर्जी शेयर पूंजी शामिल है। इसके बदले इन्हें मोटी रकम भी मिली। इसके अलावा, वो कई कंपनियों में महत्वपूर्ण पदों पर भी थे, जो सीधे इस अवैध फंडिंग में शामिल थीं। बता दें कि इस मामले में इससे पहले सुबोध कुमार गोयल को 16 मई को गिरफ्तार किया गया था।

## चुंचुड़ा में युवक का शव मिलने से फैली सनसनी

**हुगली, समाज्ञा**

जिले के चुंचुड़ा के टाउन गार्ड रोड स्थित एक निजी बैंक के सामने से बुधवार की सुबह एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि मंगलवार की रात से ही युवक उसी स्थिति में वहां पड़ा हुआ था। इस दिन, सुबह में जब राहगीरों ने उसे उसी जगह पर बेसुध अवस्था में देखा तो उन्हें शक हुआ और उन्होंने तुरंत चुंचुड़ा थाने को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को इमामबाड़ा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक युवक स्थानीय एक मिठाई की दुकान में काम करता था, लेकिन हाल ही में उसकी नौकरी चली गई थी। दुकान के एक कर्मचारी रमेश चौधरी ने बताया कि युवक का नाम आकाश था। उन्होंने बताया कि दो-तीन दिन पहले ही वह फिर से दुकान पर काम मांगने आया था, लेकिन शराब की लत के कारण उसे पहले ही काम से निकाल दिया गया था। उन्होंने कहा कि वह दिनभर नशे में रहता था और पहले भी कई मिठाई की दुकानों में काम कर चुका है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मंगलवार की शाम को आकाश कुछ लोगों से पैसे उधार मांगते हुए देखा गया था। देर रात उसे नशे की हालत में सड़क किनारे पड़ा हुआ भी देखा गया था। पहले लोगों को लगा कि वह नशे में है और खुद उठ जाएगा, लेकिन जब सुबह तक वह नहीं उठा, तो शक होने पर पुलिस को सूचित किया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान की प्रक्रिया चल रही है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

## भाजपा कार्यकर्ता अभिजीत सरकार हत्याकांड में सीबीआई ने दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

### विधायक परेश पाल, दो पार्षद सहित 18 लोगों के नामजद

**कोलकाता, समाज्ञा**

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 2021 में बेलेघाटा के भाजपा कार्यकर्ता अभिजीत सरकार हत्याकांड के बाद हुए चुनाव हिंसा मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट यानी एक पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपपत्र में तृणमूल विधायक परेश पाल समेत कुल 18 लोगों के नाम हैं। सूची में तृणमूल के दो पार्षद पापिया घोष और स्वपन समादार भी शामिल हैं। दूसरे पूरक आरोपपत्र में सीबीआई ने मामले के संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किये है। सोमवार को आरोपपत्र दाखिल होने से एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, नए मिले साक्ष्यों के आधार पर तृणमूल विधायक परेश पाल और दो पार्षदों समेत 15 अन्य लोगों के नाम चार्जशीट में शामिल किए गए हैं। आरोपियों की कुल संख्या 18 है। सीबीआई की चार्जशीट पर विपक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा ने दावा किया है कि तृणमूल सरकार ने राजनीतिक प्रतिशोध को पूरा करने के लिए निर्दोष कार्यकर्ताओं पर हमला किया। अब एक-एक करके सच्चाई सामने आ रही है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने पूरी घटना को राजनीतिक साजिश करार दिया है। सत्तारूढ़ दल का दावा है कि भाजपा शुरू से ही 2021 की हिंसा के बारे में झूठा प्रचार कर रही है। सीबीआई के जरिए उद्देश्यपूर्ण जांच की जा रही है। हम अदालत में इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। हालांकि, राजनीतिक उथल-पुथल के बीच अभिजीत सरकार के परिवार की आंखों में एक बार फिर न्याय की उम्मीद जगी है। उल्लेखनीय है कि 2021 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद जब चुनावी नतीजे आए तो कुछ ही घंटों के दौरान राज्य के कई इलाकों में राजनीतिक हिंसा भड़क उठी। आधिकारिक रूप से इस हिंसा में 8 लोगों की जान गई। इनमें से एक भाजपा कार्यकर्ता अभिजीत सरकार की भी हत्या की गई थी।

## तृणमूल युवा गुटों के बीच हिंसक टकराव, गंभीर रूप से कार्यकर्ता घायल

**कोलकाता, समाज्ञा :** कोलकाता के बड़तला थाना क्षेत्र में तृणमूल युवा समूहों के बीच हुए सशक्त विवाद ने एक बार फिर शहर में तनाव की स्थिति पैदा कर दी है। बिडन स्ट्रीट के पास हुई इस झड़प में तृणमूल के कार्यकर्ता संतू हलदार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह हमला तृणमूल के ही एक युवा नेता राहुल झा और उनके समर्थकों ने किया। आरोप है कि संतू को रॉड, कांच की बोतल और ईंट से पीटा गया, जिससे वे सड़क पर खून से लथपथ होकर गिर पड़े। उन्हें गंभीर चोटें आई हैं और कुल 39 टांके लगाए गए हैं। बाद में स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के मुताबिक, संतू तृणमूल के एक समूह से जुड़े थे, जबकि राहुल झा को राज्य के एक प्रभावशाली मंत्री का करीबी माना जाता है। दोनों के बीच लंबे समय से चल रहे राजनीतिक मतभेद इस हमले की वजह माने जा रहे हैं। घटना के बाद पुलिस ने बड़तला थाने में राहुल झा सहित कई लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

# बर्खास्त 'पात्र' अध्यापकों ने पुनःपरीक्षा के खिलाफ निकाली रैली

❑ **करुणामयी से विकास भवन तक निकाली रैली**

**कोलकाता, समाज्ञा :** 'पात्र' स्कूली अध्यापकों के एक समूह ने बुधवार को न्याय, पारदर्शिता तथा पुनः परीक्षा से छूट की मांग करते हुए यहां एक रैली निकाली। प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने कहा कि करुणामयी से साल्टलेक स्थित माध्यमिक शिक्षा विभाग के मुख्यालय विकास भवन तक निकाली गयी। यह रैली 'भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए राज्य प्रायोजित साजिश' के खिलाफ विभिन्न विरोध प्रदर्शनों में से एक है। विकास भवन के पास प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वे स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) और राज्य सरकार की मिलीजुली 'गहरी और गंदी साजिश' के शिकार हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक वैध चयन प्रक्रिया के माध्यम से अपनी नौकरी हासिल की थी और जांच में वे किसी भी भ्रष्टाचार घोटाले में शामिल नहीं पाये गये। विकास भवन के पास भारी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात किये गये थे। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम परीक्षा में बैठने से नहीं डरते। लेकिन जब हम दागी नहीं हैं, तो हम क्यों परीक्षा में बैठें? प्रदर्शनकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि मुद्दा फिर से योग्यता साबित करने का नहीं बल्कि उनकी गरिमा और अधिकारों को बहाल करने का है। आंदोलनकारी शिक्षकों ने पारदर्शिता के लिए अपनी ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं की 'प्रतिच्छाया प्रति' तत्काल जारी करने की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने उन पात्र उम्मीदवारों की एक व्यापक सूची प्रकाशित करने की भी मांग की, जिनके नाम किसी भी सीबीआई रिपोर्ट या भ्रष्टाचार से संबंधित निष्कर्षों में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भ्रम को रोकने और वैध रूप से भर्ती हासिल करने वालों की गरिमा को बनाये रखने के लिए पात्र और अपात्र उम्मीदवारों की सूची अलग-अलग प्रकाशित की जाएं। उन्होंने दावा किया कि एसएससी और राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किये गये 15,203 बेदाग शिक्षकों की सूची जारी की जाए ताकि उन्हें बिना पुनर्परीक्षा प्रक्रिया के अपनी नौकरी वापस मिले। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कुछ व्यक्तियों की भ्रष्ट के रूप में पहचान की गयी, लेकिन उनसे अवैध लाभ की वसूली या उनकी सेवाओं को समाप्त करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई, जबकि कई बेदाग शिक्षकों को मनमाने ढंग से हटा दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि दागी उम्मीदवारों को बनाये रखने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कोई अवमानना कार्यवाही क्यों नहीं की गई। उन्होंने एसएससी पर एक ही पुनर्परीक्षा आदेश के तहत सभी उम्मीदवारों, भ्रष्ट और निर्दोष को समान रूप से बचाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

## सियालदह कोर्ट ने चितपुर में बुजुर्ग दंपति की हत्या के दोषी को सुनाई मौत की सजा

**कोलकाता, समाज्ञा :** आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में एक महिला डॉक्टर की दुष्कर्म-हत्या के जुर्म में एक सिविक वॉलंटियर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। अब सियालदह कोर्ट के जज अनिर्बन दास ने चितपुर में एक बुजुर्ग दंपती की हत्या के जुर्म में दोषी को फांसी की सजा सुनाई है। हत्या के 10 साल बाद उन्होंने बुधवार को सजा का ऐलान किया। बता दें कि गत मंगलवार को जज ने आरोपी संजय सेन को दोषी करार दिया था। सरकारी वकील ने इस हत्या को 'दुर्लभतम' बताया था। इस दिन, सियालदह कोर्ट के जज ने सरकारी वकील को बताया कि मृत बुजुर्ग दंपती आरोपी से प्यार करते थे। वह काफी वफादार था। वह अक्सर उसके घर आता-जाता था। उन्होंने संजय को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने

के लिए एक रिक्शा खरीद दिया था। इसके बाद भी उसने बुजुर्ग दंपती की बेरहमी से हत्या कर दी। अगर इस मामले में फांसी की सजा नहीं दी गई तो समाज का विश्वास उठ जाएगा। इसलिए, उसे कड़ी सजा दिए जाने की जरूरत है। यह सुनने के बाद जज ने संजय को फांसी की सजा सुनाई।

उल्लेखनीय है कि 15 जुलाई, 2015 को चितपुर निवासी प्राणगोबिंद दास और रेणुका दास की उनके फ्लैट में हत्या कर दी गयी थी। दोनों ही अध्यापन का काम करते थे। संजय सेन उर्फ बप्पा ने पेंशनभोगी दंपती की हत्या की थी। घटना के बाद छिप गया था। वह नंदीग्राम भाग गया था। कुछ दिनों बाद वह वहां से कोलकाता आ गया। उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घर के पास एक तालाब से लोहे का पाइप जब्त किया गया। पुलिस का दावा है कि बुजुर्ग दंपती की हत्या पाइप से मारकर और सिर कुचलकर की गयी। इसके बाद, संजय नकदी और जेवरात लेकर भाग गया। पुलिस ने नकदी और जेवरात बरामद कर लिये। घटना के दस साल बाद अदालत ने संजय को दोषी पाया और उसे फांसी की सजा सुनायी।

## डॉ. अंगिरा दासगुप्ता को टाइम्स ग्रुप ने उत्कृष्ट चेस्ट फिजिशियन पुरस्कार से नवाजा

**कोलकाता, समाज्ञा :** पूर्व रेलवे के बी.आर. सिंह अस्पताल की अतिरिक्त मुख्य स्वास्थ्य निदेशक (पल्मोनरी मेडिसिन) डॉ. अंगिरा दासगुप्ता को टाइम्स ग्रुप द्वारा भारत के शीर्ष प्रेरणादायक चेस्ट फिजिशियंस में शामिल किया गया है। यह सम्मान उनके असाधारण सेवा और चेस्ट मेडिसिन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया है। यह पुरस्कार राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के अवसर पर 28 जून को दिल्ली के अंदाज में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा एवं राज्यसभा सदस्य जया प्रदा, भारत सरकार की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री तथा रसायन और उर्वरक मंत्री अनुप्रिया पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। साथ ही, इस कार्यक्रम में पंजाब एवं त्रिपुरा के राज्यपाल भी मौजूद रहे। समारोह के दौरान टाइम्स ग्रुप ने टाइम्स डॉक्टर डे कॉफी बुक, 2025 नामक एक स्मरणीय पुस्तक भी प्रकाशित की, जिसमें पुरस्कार विजेताओं की जीवन यात्राएं और उपलब्धियां दर्ज हैं, जिनमें डॉ. दासगुप्ता भी शामिल हैं। यह पुस्तक शीघ्र ही पूरे भारत के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक प्रेरणा के रूप में व्यापक रूप से वितरित की जाएगी।

## हुगली-चुंचुड़ा नगरपालिका में भाजपा का ज्ञापन, मूलभूत सुविधाओं और असंगठित श्रमिकों के वेतन की मांग

**हुगली, समाज्ञा :** भाजपा के हुगली सांगठनिक जिले की ओर से इलाके के निवासियों के लिए मूलभूत सुविधाओं और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को समय से वेतन देने की मांग पर मंगलवार को हुगली-चुंचुड़ा नगरपालिका में एक ज्ञापन सौंपा गया। इससे पहले भाजपा कार्यकर्ताओं ने पिपुलपाती मोड़ से सुबह 11:30 बजे एक रैली निकाली और नगरपालिका के मुख्य द्वार पर पहुंचे जहां पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी बहस हुई। भाजपा कार्यकर्ता नगरपालिका के गेट पर धरने पर बैठ गए। इसी बीच भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल नगरपालिका के चेयरमैन से मिला और उन्हें अपनी मांगों का एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के बाद बाहर

निकले भाजपा के प्रतिनिधियों गेट के सामने धरने पर बैठे असंगठित श्रमिकों को चॉकलेट देकर उनका मुंह मीठा कराया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने श्रमिकों को आश्वासन दिया कि पार्टी उनके साथ है और उनके हक की लड़ाई लड़ेगी। भाजपा के हुगली सांगठनिक जिला महासचिव सुरेश साव ने कहा कि हमने नगर निगम को समस्याओं के समाधान के लिए 72 घंटे का चेतावनी दिया है। अगर इस समय सीमा के भीतर समाधान नहीं हुआ, तो भाजपा और तेज आंदोलन करेगी।

## शिव शक्ति समिति का श्रीमद्भागवत कथा का दूसरा दिवस संपन्न

**हुगली, समाज्ञा :** शिव शक्ति समिति द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का दूसरा दिवस भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। कथा व्यास संदीप त्रिपाठी (अयोध्या) ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मनमोहक वर्णन किया, जिससे समस्त भक्तजन भावविभोर हो उठे। कथा में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति और भक्ति भाव ने माहौल को और भी दिव्य बना दिया। संस्था के सभी कार्यकर्ता सेवा में लग रहे। मुख्य अतिथि स्वामी त्रिभुवन पुरी महाराज, पं. लक्ष्मीकांत तिवारी, शिव शक्ति समिति के संयोजक पार्षद कामाख्या नारायण सिंह ने अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया। समिति के भारत शाह, जयप्रकाश पांडेय, सत्येंद्र सिंह, नंदलाल शर्मा, उमेश यादव, अमन अग्रवाल, अशोक शर्मा गायक, कमलेश सिंह, दीपक जायसवाल, मंतोष सिंह, राजकुमार सिंह, विनय पांडे, राजीव सिंह, बॉक्सर सुरजीत सिंह, अमन धीमान, चैन प्रकाश सिंह, कैलाश जायसवाल, तरुण ओझा, गुरुचरण शाह, बिट्टू पांडे, किशन सिंह, अनूप शर्मा, मोनू साहनी, सुमन राजभर, संस्था के अध्यक्ष दारा सिंह सभी भक्त जनों का संस्था के कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया।

## पुलिस ने दो घंटे में सुलझाई अपहरण कांड की गुत्थी, अपहृत व्यक्ति की बरामदगी के साथ छह आरोपित गिरफ्तार

**कोलकाता, समाज्ञा :** न्यू बैरकपुर इलाके में एक व्यक्ति के अपहरण की घटना से हड़कंप मच गया, लेकिन पुलिस की तत्परता और तेज तर्रार कार्रवाई से महज कुछ घंटों में न केवल पीड़ित को सकुशल बरामद किया गया, बल्कि इस मामले में शामिल छह आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। बुधवार को पुलिस कमिश्नरेट द्वारा बयान जारी करके बताया गया कि मामले को सुलझा लिया गया है। घटना की शुरुआत एक जुलाई की तड़के 3 बजे हुई, जब न्यू बैरकपुर के सिद्धा टाउन, लॉट-104, मध्यमग्राम, सोदपुर रोड निवासी सुदीपा रॉय ने न्यू बैरकपुर थाने में एक लिखित

शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने बताया कि उनके पति, सौमित्र रॉय, जो 29 जून को सुबह 9 बजे घर से काम पर निकले थे, दो दिन बीत जाने के बावजूद वापस नहीं लौटे। एक जुलाई को उनके मोबाइल से एक संदेश आया जिसमें लिखा था कि उन्हें बंधक बना लिया गया है और रिहाई के बदले पांच लाख की फिरौती की मांग की गई है। इस गंभीर शिकायत के आधार पर न्यू बैरकपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3), 308(2) और 308(4) के तहत मामला संख्या 197/25 दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को समझते हुए त्वरित कार्रवाई की। न्यू बैरकपुर थाने की एक विशेष टीम ने जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर बिधाननगर नॉर्थ थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में छापेमारी की। छापे के दौरान पीड़ित सौमित्र रॉय को बंधन से मुक्त कराया गया और वहां मौजूद छह आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जहां पुलिस रिमांड की याचिका दायर की जाएगी ताकि अपहरण की साजिश, फिरौती की योजना और इसमें शामिल अन्य संभावित आरोपितों के बारे में और जानकारी प्राप्त की जा सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में इस घटना के पीछे आर्थिक उद्देश्य और सुनियोजित षड्यंत्र की आशंका जताई जा रही है। इस संबंध में आगे की जांच जारी है।

## कलकत्ता ब्वॉयज स्कूल ने वार्षिक भाषण दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से मनाया

**कोलकाता, समाज्ञा :** कलकत्ता ब्वॉयज स्कूल ने 30 जून एवं 1 जुलाई को दो दिवसीय कार्यक्रमों के माध्यम से अपने वार्षिक भाषण दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह को भव्य रूप से मनाया। इन आयोजनों ने न केवल छात्रों की अकादमिक और सह-पाठ्यक्रम उपलब्धियों को रेखांकित किया, बल्कि विद्यालय की गौरवशाली परंपरा और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया। 30 जून को समारोह की शुरुआत जूनियर स्कूल के पुरस्कार वितरण के साथ हुई, जो दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रातःकालीन सत्र में नर्सरी से कक्षा 2 तक के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जबकि दोपहर के सत्र में कक्षा 3 से 7 तक के छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना गीत एवं शोभायात्रा संगीत के साथ हुई, जिसके बाद कलकत्ता ब्वॉयज ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रधानाचार्य एवं सचिव द्वारा स्वागत भाषण एवं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर दो विशिष्ट अतिथियों अरुणा गोम्स (प्रधानाचार्या , लोरेटो कॉन्वेंट एंटाली) एवं संचिता बिस्वास (प्रधानाचार्या, सेंट पॉल्स मिशन स्कूल एवं ऑल इंडिया स्कूल हेड्स एसोसिएशन - पश्चिम बंगाल चैप्टर की उपाध्यक्ष) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह का समापन विद्यालय गीत और राष्ट्र गान के साथ हुआ।

# डिप्रेशन: पहचानें और सही रास्ता अपनाएं

नीतू गुप्ता

डिप्रेशन न्यूरो से जुड़ा एक डिस्आर्डर है जो दिमाग के उस हिस्से में बदलाव आने पर होता है जो मूड को कंट्रोल करता हे। आज की भागदौड़ की जिंदगी (कैट रेस) में यह समस्या बढ़ती जा रही है। डिप्रेशन किसी भी उम्र में परिस्थितियां प्रतिकूल होने पर किसी को भी हो सकता है। डिप्रेशन भी तीन तरह का होता है सायकलॉजिकल, बायलाजिकल और फिजिकल, इन्हें पहचान कर ही लाइफस्टाइल बदलकर या डाक्टर से इलाज करवाना चाहिए।

सायकलॉजिकल डिप्रेशन में रोगी अक्सर उदास, निराश और परेशान रहता है। उसे किसी से मिलना अच्छा नहीं लगता, खुशी के अवसर पर भी दुखी रहना, नकारात्मक बातें करना, अपने व्यक्तित्व पर ध्यान न देना और झल्लाकर बात का जवाब देता है।

बायलॉजिकल डिप्रेशन में रोगी की नींद या तो ज्यादा होती है या बहुत कम। इसी प्रकार या तो रोगी बहुत खाता है या खाने की इच्छा नहीं होती।

फिजिकल:-

फिजिकल डिप्रेशन में रोगी हर समय थका-थका रहता है वजन या तो बढ़ जाता है या अचानक कम हो जाता है, रोगी को शरीर में दर्द और सिरदर्द की शिकयत बनी रहती है।

### क्यों होता है डिप्रेशन:-

- नौकरी या कारोबार में सही तालमेल न होना, पैसों का कारोबार में नुकसान होना।
- किसी बड़ी बीमारी की आशंका का होना।
- बच्चों में रिजल्ट खराब आना।
- किसी करीबी से बिछुड़ना या करीबी की अकस्मात मौत हो जाना।
- भविष्य के प्रति अनिश्चितता।
- हार्मोंस में बदलाव होने पर।
- किशोरावस्था में प्यार में ब्रेकअप होना, विवाह के पश्चात तलाक होने पर।
- जींस में किसी प्रकार की गड़बड़ी होना।
- लंबी बीमारी ढेलने से।
- रिटायरमेंट के बाद स्वयं को बेकार समझना।
- पैसा डूबने पर या कर्ज न चुका पाने पर।

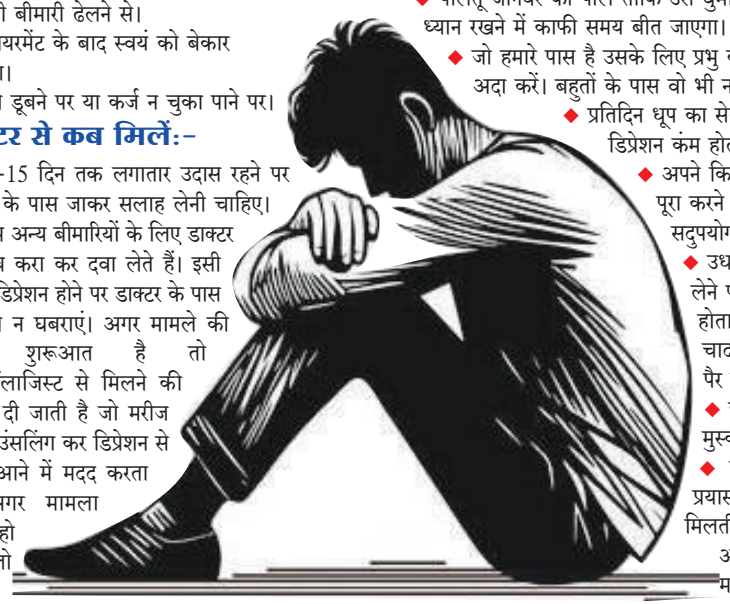

### डाक्टर से कब मिलें:-

10-15 दिन तक लगातार उदास रहने पर डाक्टर के पास जाकर सलाह लेनी चाहिए। जैसे हम अन्य बीमारियों के लिए डाक्टर से जांच करा कर दवा लेते हैं। इसी प्रकार डिप्रेशन होने पर डाक्टर के पास जाने से न घबराएं। अगर मामले की अभी शुरूआत है तो साइकॉलाजिस्ट से मिलने की सलाह दी जाती है जो मरीज की काउंसलिंग कर डिप्रेशन से बाहर आने में मदद करता है। अगर मामला पुराना हो जाए तो सायकायट्रिस्ट से मदद लेनी पड़ती है जो काउंसलिंग के साथ रोगी को दवा भी देता है।

बहुत से लोगों को लगता है डिप्रेशन में रहना फलां की आदत है। यह गलत है। यह आदत नहीं। न्यूरो से जुड़ी बीमारी है। उचित इलाज कर ठीक हो सकते हैं। अगर इसे नजरअंदाज करेंगे तो यह घातक भी हो सकता है। कई लोगों के अनुसार डिप्रेशन पागलपन है, नहीं, यह पागलपन नहीं है। इसकी दवा ठीक होने पर डाक्टर बंद कर देते हैं। इसकी दवा लेने से साइड इफेक्ट नहीं होता।

### डिप्रेशन में ऐसे करें मदद:-

- पालतू जानवर को पालें ताकि उसे घुमाने, उसका ध्यान रखने में काफी समय बीत जाएगा।
- जो हमारे पास है उसके लिए प्रभु का शुक्रिया अदा करें। बहुतों के पास वो भी नहीं है।
- प्रतिदिन धूप का सेवन करें। इससे डिप्रेशन कंम होता है।
- अपने किसी शौक को पूरा करने में समय का सदुपयोग करें।
- उधार न लें। उधार लेने पर भी डिप्रेशन होता हे। अपनी चादर के अनुसार पैर पसारें।
- चेहरे पर मुस्कान बनाए रखें।
- मदद करने का प्रयास करें, खुशी मिलती है। अगर आपकी कोई मदद करता है तो धन्यवाद देना न भूलें।
- अपने जीवन में ईगो को स्थान न दें। आई (मैं) को मिटाकर वी (हम) अपनाएं। आई इलनेस देती है और वी वेलनेस देती है।
- अपनों के साथ समय बिताएं। उनके साथ संपर्क बना कर रखें, मिलते जुलते रहें।
- सकारात्मक सोच रखें।
- किसी भी तरह का नशा न करें चाहें वे इंटरनेट सर्फिंग हो, मोबाइल गेम्स या सोशल नेट वर्किंग। इनका सीमित प्रयोग ही सेहत के लिए अच्छा है।
- व्यायाम नियमित करें। कोई और डिप्रेशन में है तो उसके साथ मिलकर व्यायाम करें। इससे एंडार्फिन हार्मोन निकलते हैं जो डिप्रेशन से राहत दिलाते हैं।
- मूड को बेहतर बनाने वाला आहार लें, थोड़ा चाकलेट का सेवन करें इसके अतिरिक्त पौष्टिक आहार नियमित लें जैसे ओट्स, गेहूं, दूध, दूध से बने पदार्थ, नट्स, शकरकंद, जामुन, ब्लूबैरी, किवी , पालक, संतरा, गाजर, टमाटर,फ्लैक्स सीडस आदि।
- रोगी की तारीफ करें ताकि उसका आत्मविश्वास बढ़े और उसमें उत्साह का संचार हो।
- कॉमेडी फिल्में, कॉमेडी प्रोग्राम परिवार के साथ देखे। मधुर गाने सुनें जो सॉफ्ट हों।
- मरीज की बात सुनें, उसकी भावनाएं समझें। मजाक न बनाएं। दोस्ती का वातावरण बनाएं। रोगी से आराम से बात करें, अपना संयम बना कर रखें। प्यार से बात करने से रोगी का मन शांत हो जाएगा।
- रोगी को किसी भी काम के लिए जबरदस्ती न करें जैसे बाहर ले जाने पर, जबरदस्ती औरों से बात करने के लिए आदि।
- अगर रोगी को लगे उसके साथ ही बुरा क्यों होता है तो उसका हाथ हाथों में लें, तसल्ली दें। मन ठीक होने पर बताएं कि बुरा सबके साथ कुछ न कुछ होता है। यह समय भी चला जाएगा। सब ठीक होगा।
- अगर सभी कोशिशें नाकामयाब हों तो डाक्टर के पास ले जाएं और विशेषज्ञ की सलाह अनुसार चलें। उसे बताकर ही डाक्टर के पास लें जाएं। यह मान कर चलें कि उसे न्यूरो संबंधी बीमारी है। उसके लिए उचित इलाज करवाना जरूरी है। (स्वा. द.)

# कैल्शियम जरूरी है हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए

सोनी मल्होत्रा

हमारे भोजन में कैल्शियम एक मुख्य तत्व है। हड्डियों व दांतों के बनने व उनकी मजबूती में कैल्शियम एक महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। इसके अतिरिक्त मासंपेशियों के सही ढंग से कार्य करने में व शरीर में कोलेस्ट्रोल की मात्रा को नियंत्रित करने में भी कैल्शियम सहायक होता है। कई रोग जैसे आस्टिओपोरोसिस, अनिद्रा की समस्या आदि में भी यह असरदायक है।

आस्टिओपोरोसिस रोग पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं में 5 गुणा अधिक पाया जाता है। आस्टिओपोरोसिस एक ऐसी अवस्था है जिसमें हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। भुरभुरी व मृदु अवस्था में होने से हड्डियों के टूटने की संभावना बढ़ जाती है। इस रोग के होने का मुख्य कारण है शरीर में कैल्शियम की आवश्यक मात्रा में कमी। महिलाओं में यह रोग रजोनिवृत्ति के पश्चात् अधिक देखने को मिलता है क्योंकि रजोनिवृत्ति के पश्चात् ओस्ट्रोजन बनने में कमी आती है। ओस्ट्रोजन कैल्शियम को कम करता है व शरीर में ओस्ट्रोजन का स्तर घटने से कैल्शियम की कम मात्रा ग्रहण होती है। पुरूषों में आस्टियोपोरोसिस की समस्या होने का प्रमुख कारण अधिक मात्रा में अल्कोहल का सेवन, धूम्रपान, दूध का न पचना, व्यायाम न करना व कैल्शियम की कमी है। अगर प्रारम्भ से ही कैल्शियम की सही मात्रा का सेवन किया जाए तो इस रोग से बचाव संभव है। कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं दूध, दही, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, मछली, दालें, पनीर, बंदगोभी आदि। कुछ पदार्थ जिनमें फास्फोरस, सल्फर अधिक होता है उनके सेवन से शरीर में कैल्शियम नष्ट हो जाता है इसलिए अंडे, मीट, साफ्ट ड्रिंक्स, टिन फूड जिनमें अमीनो एसिड होता है, का सेवन न करें। चाय, कॉफी, अल्कोहल न लें क्योंकि ये तत्व शरीर में कैल्शियम को नष्ट करते हैं।

आस्टिओपोरोसिस रोग की सम्भावना को कम करने के लिए जरूरी है कैल्शियम की सही मात्रा। नियमित व्यायाम व चाय कॉफी का कम सेवन करें ताकि आपकी हड्डियां मजबूत, गतिशील व स्वस्थ रह सकें। (स्वा. द.)

# कहीं आपका कार्यस्थल आपकी कमर को तो नहीं प्रभावित कर रहा

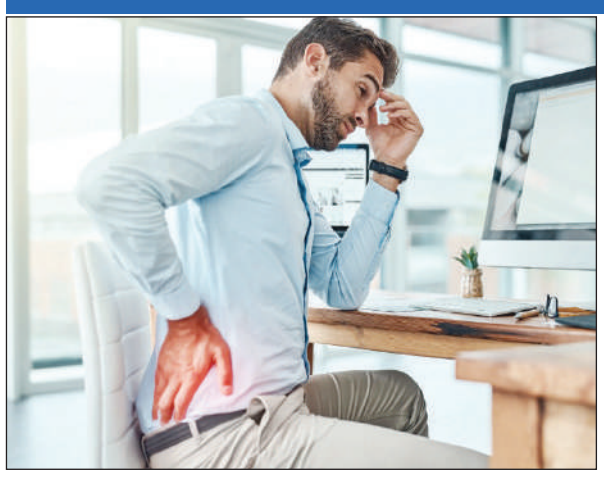

अगर आप दिन भर में 6 से 8 घंटे कंप्यूटर,लैपटॉप,आफिस में डेस्क जॉब पर काम करते हुए बिताते हैं तो ऐसा करने से आपकी कमर प्रभावित होती है। इसी प्रकार आप गाड़ी से या प्लेन में ज्यादा सफर करते हैं, घंटों उनमें बैठे रहने से भी कमर प्रभावित होती है। क्योंकि इन सब से कमर पर बहुत जोर पड़ता है और कमर से जुड़ी रीढ़ को सहारा देने वाली मांसपेशियों और नसों में दर्द होने लगता है।

### व्यायाम को अपने लाइफस्टाइल का जरूरी अंग बनाएं:-

डेस्क जॉब करने वाले या कंप्यूटर,लैपटॉप पर काम करने वाले अधिकतर समय अपने काम से चिपके रहते हैं। शारीरिक रूप से उन लोगों की सक्रियता काफी कम हो जाती है जिसके कारण मांसपेशियां, हड्डियां, टिश्यू, लिंगामेंटस कमजोर पड़ने शुरू हो जाते हैं। जितनी हड्डियां, मांसपेशियां कमजोर होंगी उतना दर्द या जरा चोट लगने पर अधिक नुकसान होना स्वाभाविक होगा। प्रतिदिन व्यायाम करें विशेषकर कमर,रीढ़ को स्ट्रांग बनाने वाले, तभी आपकी रीढ़ की सेहत ठीक रहेगी।

### काम करते समय थोड़ा ब्रेक लें:-

अगर आप दिन में 7से 9 घंटे काम में लगे रहते हैं तो हर एक घंटे बाद ब्रेक लें थोड़ा टहलें, स्ट्रेचिंग करें ताकि मांसपेशियों में अकड़न न हो। आप कार, टेक्रन, बस या हवाई जहाज में लंबा सफर कर रहे हैं तो भी बीच में उठकर चहलकदमी कर लें ताकि एक ही मुद्रा में अधिक देर तक बैठने से राहत मिले।

### सीट बेल्ट लगा कर सफर करें:-

सफर करते समय अपनी गाड़ी में लगी सीट बेल्ट का पूरा लाभ उठाएं। भारतीयों को सीट बेल्ट लगाने की आदत कम है। जब रास्ते में गड्ढे आते हैं या ब्रेक लगती है तो सीट बेल्ट आपका संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। आपके शरीर को कम झटके सहने पड़ते हैं। इस प्रकार आप इंजरी से बच सकते हैं।

### सही पाश्चर में बैठें-उठें:-

बैठने-उठने, सोते, झुकते समय अगर हमारा पॉश्चर ठीक नहीं तब भी हमारी पीठ दर्द होने लगती है। आफिस में काम करते समय सीधा बैठें। गलत तरीके से कमर को न मोड़ें। सही मुद्रा बनाए रखने से रीढ़ की सेहत लंबे समय तक ठीक रहेगी। सही मुद्रा में बैठना,उठना, सोना, झुकना, मुड़ना कमर दर्द की समस्या से आपको राहत दिलाता रहेगा।

### भारी बैग न उठाएं:-

कंधे पर भारी बैग न उठाएं। यह आदत गलत है। भारी बैग को उठाने से कमर पर अधिक दबाव पड़ता है जो दर्द का कारण बनता है।

### घुटनों को खोलते रहें:-

लंबे समय तक कुर्सी पर या सीट पर बैठे रहने से टांगों, जांघो और घुटनों की मांसपेशियों पर अधिक दबाव पड़ता है। इसलिए थोड़े समय के अंतराल के बाद अपने पैर, टांगें, घुटने खोलते रहें ताकि मांसपेशियां रिलेक्स हो सकें।

### पानी पीते रहें:-

शरीर को हाइडेक्रट बनाए रखने के लिए पानी पीना जरूरी है। अपने साथ कार्यस्थल और सफर में पानी रखें और थोड़ी थोड़ी देर में थोड़ा थोड़ा पानी पीते रहें। पर्याप्त पानी पीने से हमारे जोड़,रीढ़ भी हाइडेक्रट रहती है और स्वस्थ भी।

- शरीर का निचला भाग हमारे शरीर का ज्यादा वजन उठाता है इसलिए थोड़ी सी लापरवाही हमारी कमर दर्द का कारण बन सकता है।
- इसके अतिरिक्त खराब सड़कें भी हमारी पीठ और गर्दन दर्द का कारण बनती हैं। ऐसी सड़कों पर चलने से कतराएं। अगर जाना जरूरी है तो कार ध्यान से चलाएं और ऑटो को थोड़ा स्लो चलने को कहें।
- अधिक देर तक एक स्थान पर बैठने से बचें। थोड़ा बहुत हिलते डुलते रहे।
- आफिस में काम करते समय कुर्सी की बैक पर कुशन वगैरह रख लें ताकि रीढ़ सीधी रहें।
- कमर, रीढ़ गर्दन स्वस्थ रखने वाले योगासन अवश्य करें। (स्वा. द)

# सेहत का राज, पेट रहे साफ

सीतेश कुमार द्विवेदी

आज की व्यस्तता एवं जीवनशैली ने हमारा बहुत कुछ गड़बड़ा दिया है। हमारी दिनचर्या एवं हमारा जैविक चक्र चौपट हो गया है जिससे शरीर की स्वाभाविक गतिविधियां एवं कार्यप्रणालियां पस्त हो गई हैं। पेट का साफ न होना और कब्ज का बने रहना उनमें से एक हैं।

पेट को अनेक बीमारियों की जड़ माना जाता है, अतएव उसका साफ रहना जरूरी होता है। तभी जीवन स्वस्थ व सुखी रहता है। सुबह सवेरे अच्छे से पेट का साफ होना स्वस्थ होने की सबसे बड़ी निशानी है। अगर शौच जाने पर निकलने वाला मल कड़ा हो या उसके निकलने में बहुत जोर लगाना पड़े या मल की प्रकृति सामान्य न हो, शौचालय में ज्यादा देर बैठना पड़े या बार-बार जाना पड़े तो इसे कब्ज या मलावरोध कहा जाता है। यह वृद्धों को ही नहीं, युवा, बच्चों एवं महिलाओं को कभी भी हो सकता है।

सभी को अपनी जीवन अवधि के दौरान कभी न कभी कब्ज की विषम स्थिति से गुजरना पड़ता है। यह वृद्धों के अलावा मोटे व्यक्तियों, सिटिंग जाब वालों एवं गर्भवती स्त्रियों को ज्यादा होता है। दुकानों में कब्ज की दवाएं सर्वाधिक बिकती हैं। सभी उपचार विधियों में इसकी ढेरों दवाइयां हैं। इसके लिए घरेलू से लेकर ऐलोपैथिक दवाइयां भी हैं। सभी अपने को प्रभावी बताते हैं किन्तु मरीज की प्रकृति के अनुसार दवा का प्रभाव बदल जाता है।

### आंतों की गतिशीलता:-

खाया गया भोजन सबसे पहले आमाशय या पेट में जाता है। वहां से पाचक रसों के साथ मिलकर छोटी आंत में चला जाता है जहां उसका अन्य तत्वों के साथ पूर्ण पाचन होता है। पाचन के पूरा हो जाने के बाद यहां से आवश्यक रस या तत्व लिवर से अन्य अंगों की ओर चले जाते हैं जबकि बचा हुआ बेकार पदार्थ बड़ी आंत की ओर खिसक जाता है।

यह बचा हुआ पदार्थ बड़ी आंत के रास्ते से मलमूत्र तंत्र के रूप में शरीर से बाहर निकलता है लेकिन यदि पाचन कमजोर है तो सही समय पर यह बचा हुआ पदार्थ बड़ी आंत में नहीं पहुंच पाता। परिणामतः सुबह जब मल त्याग की कोशिश होती है तो पेट ठीक से साफ नहीं हो पाता। इसी को कब्ज कहते हैं।

### कब्ज के कारण:-

वृद्धों को पाचन तंत्र की कमजोरी के कारण कब्ज होता है। गर्भवती को गर्भ के दबाव के कारण कब्ज होता है। युवाओं को लापरवाही के कारण कब्ज होता है। बच्चों को हड़बड़ी के साथ खाने पर होता है किन्तु अनेक दवाओं के दुष्प्रभाव से भी कब्ज होता है। यह शुगर, पक्षाघात, थायराइड, बवासीर, हार्मोन्स, पार्किन्सन्स, आंत में रसौली, खून की कमी आदि रोग होने पर एवं बिस्तर में लेटे रोगी को भी होता है।

धूम्रपान व तंबाकू आदि नशों के सेवन से भी कब्ज होता है। यह रेशेदार भोजन कम करने पर होता है और यह पानी कम पीने की स्थिति में होता है। बिना भूख लगे भोजन करने, ज्यादा भोजन करने, मांस व गरिष्ठ पदार्थ के सेवन से होता है। श्रम, व्यायाम की कमी एवं आरामपसंद जिंदगी के कारण होता है। यह जंक फूड एवं मैदे की चीजें खाने पर होता है। सही डाइट न लेने, रूटीन गड़बड़ होने, नींद पूरी नहीं लेने व रात को देर तक जागने पर भी कब्ज होता है।

तनाव, भय, चिंता एवं शोक आदि की स्थिति में कब्ज होता है। यह तली-भुनी मसालेदार चीजों, कोल्ड ड्रिंक्स व सेक्स की अधिकता से होता है। ये तो कब्ज के प्रमुख आम कारण हैं। इसके अलावा अनेक और कारण भी होते हैं जो कब्ज की स्थिति लाते हैं।

### कब्ज से परेशानी:-

कब्ज के रहने पर हर काम अरूचिकर हो जाता है। मन खिन्न रहता है। पेट में गैस भर जाती है और भारी लगता है। सिर दर्द, बदन दर्द, पेट दर्द होता है। विचित्र डकारें आती हैं। दुर्गंधित वायु निकलती है। श्वांस भी दुर्गंध वाली हो जाती है। बवासीर हो सकती है। आलस होता है। धड़कन बढ़ जाती है। आंखें उनींदी रहती हैं पर नींद गहरी नहीं आती। जीभ व मुंह में छाले हो जाते हैं। यदि उल्टियां हों, शरीर ऐंठे, मल मार्ग से खून जाए तो डाक्टर से सलाह लें।

### कब्ज से बचाव के उपाय:-

फल-फूल, साग व सब्जी खाएं। सलाद व रायता लें। मैदा व पालिश चावल के स्थान पर चोकर युक्त आटा, रवा, दलिया एवं भूरे पुराने चावल का उपयोग करें। पानी पर्याप्त पिएं। श्रम, व्यायाम करें। पैदल चलें। भूख लगने पर ही सीमित व पौष्टिक भोजन समय पर करें। तली, भुनी, बासी, मसालेदार चीजों की जगह पर ताजा सादा भोजन करें। मांस व गरिष्ठ भोजन का परित्याग करें। काम से थक कर रात को भरपूर गहरी नींद लें। बेकरी आयटम, जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक्स, नान वेज न लें।

धूम्रपान, तंबाकू, मदिरा आदि नशे का सेवन कदापि न करें। वसा व वासना सीमित करें। यदि कोई रोग है तो उसे डॉक्टरी सलाह से काबू में करें। अनावश्यक दवा न लें। कब्ज को खत्म करने दवा लेने की बजाय खानपान को सही कर, रूटीन को सही करें। सवेरे उठते ही पर्याप्त पानी पिएं। दिन में नींबू नमक वाला गर्म पानी पिएं। रात को पतला दूध व घी लें। गर्म दूध या गर्म पानी के साथ केस्टर आयल लें। सवेरे खाली पेट भीगा किशमिश या अंजीर लें। चावल कम खाएं।

### पेट साफ करने को लेकर मिथ्या धारणा:-

अपने यहां सभी चीजों में वैज्ञानिक धारणाओं के बजाय पग-पग में मिथ्या धारणाएं ज्यादा व्याप्त हैं। इसमें भी जितनी मुंह, उतनी बातें जैसी स्थिति है। इनके मिथ्य के अनुसार किसी का बीड़ी या सिगरेट पीने से पेट साफ होता है तो किसी को तंबाकू या गुटखा खाने से शौच होता है। कोई चाय पीने के बाद टायलेट जाता है तो ज्यादा पढ़े-लिखे लोग न्यूजपेपर लेकर टायलेट जाते हैं और घण्टों वहां बिताते हैं।

शौचालय में ज्यादा देर बैठना व शौच के लिए ताकत लगाना उचित नहीं है। सोकर उठने के बाद पानी पीने पर कुछ देर के भीतर शौच का प्रेशर आ जाए और पेट साफ हो जाए, यह सबसे बेहतर व सही है। एक ही बार में पेट साफ होना सुखद होता है। अतएव रूटीन काम, खानपान, रहन-सहन, सही कीजिए और सेहत के साथ सुखदायी जीवन बिताइए। (स्वा. द)

# महिलाओं को थायराइड की मुसीबत

भारत की अधिकांश महिलाएं अनेक कारणों से अपनी शारीरिक परेशानियों को दबाए रखती हैं और न ही किसी को बताती अथवा डाक्टरी जांच उपचार कराती हैं। उनके इस व्यवहार के कारण शरीर की परेशानियां अनेक अन्य बीमारियों को जन्मने और पनपने का अवसर दे देती है।

थायराइड भी उनमें से एक है जो मेटाबालिज्म/चयापचय से जुड़ी बीमारी है। इसमें थायराइड हार्मोन का स्राव असंतुलित हो जाता है जिससे शरीर की समस्त भीतरी कार्यप्रणालियां अव्यवस्थित हो जाती हैं। भारत में चार करोड़ से अधिक थायराइड के मरीज हैं। इनमें से नब्बे प्रतिशत यह नहीं जानते कि उन्हें थायराइड की बीमारी है जिसके कारण उन्हें तरह-तरह की शारीरिक परेशानियां हो रही हैं।

थायराइड की समस्या पुरूषों की तुलना में महिलाओं को कई गुना अधिक हैं। स्थिति यह है कि हर दस थायराइड मरीजों में से आठ महिलाएं ही होती हैं। इन महिलाओं को मोटापा, तनाव, अवसाद, बांझपन, कोलेस्ट्राल, आस्टियोपोरोसिस आदि जैसी परेशानियां होती हैं पर ये महिलाएं यह नहीं जानती कि उनकी इस परेशानी के पीछे थायराइड की बीमारी है।

### थायराइड क्या है?

थायराइड शरीर का एक प्रमुख एंडोक्राइन ग्लैंड है जो तितली के आकार का होता है एवं गले में स्थित है। इसमें से थायराइड हार्मोन का स्राव होता है जो हमारे मेटाबालिज्म की दर को संतुलित करता है।

थायराइड हार्मोन के असंतुलन अर्थात कम ज्यादा स्राव होने से रोजमर्रा से जुड़ी अनेक शारीरिक परेशानियां होती हैं किंतु पीड़ित इसे सामान्य परेशानी मान झेलता रहता है। खून की थायराइड जांच कराने पर ही यह स्पष्ट होता है। महिलाओं को अपने शारीरिक बनावट व हार्मोनल कारणों से थायराइड की बीमारी व परेशानी ज्यादा होती है। यह थायराइड भी दो प्रकार का होता है, पहला हाइपोथायराइड एवं दूसरा हायपरथायराइड।

### हाइपोथायराइड -

इस बीमारी में थायराइड ग्लैंड सक्रिय नहीं होता जिससे शरीर में आवश्यकता के अनुसार टी.थ्री व टी. फोर हार्मोन नहीं पहुंच पाता है। इस बीमारी की स्थिति में वजन में अचानक वृद्धि हो जाती है। रोजाना की गतिविधियों में रूचि कम हो जाती है। इन्हें ठंड बहुत महसूस होती है। कब्ज होने लगता है। आंखें सूज जाती हैं।

मासिक चक्र अनियमित हो जाता है। त्वचा सूखी व बाल बेजान होकर झड़ने लगते हैं। सुस्ती महसूस होती है। पैरों में सूजन व ऐंठन की शिकायत होती है। इनकी कार्यक्षमता कम हो जाती है। रोगी तनाव व अवसाद से घिर जाते हैं और बात-बात में भावुक हो जाते हैं। जोड़ों में पानी भर जाता है जिससे दर्द होता है और चलने में दिक्कत होती है। मांसपेशियों में भी पानी भर जाता है जिससे चलते-फिरते हल्का दर्द पूरे शरीर में होता है। चेहरा सूज जाता है। आवाज रूखी व भारी हो जाती है। यह रोग 30 से 60 वर्ष की महिलाओं को होता है।

### हायपरथायराइड -

इसमें थायराइड ग्लैंड बहुत ज्यादा सक्रिय हो जाता है और टी थ्री, टी फोर हार्मोन अधिक मात्रा में निकलकर रक्त में घुलनशील हो जाता है। इस बीमारी की स्थिति में वजन अचानक कम हो जाता है। अत्यधिक पसीना आता है। ये रोगी गर्मी सहन नहीं कर पाते। इनकी भूख में वृद्धि होती है। ये दुबले नजर आते हैं। मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। निराशा हावी हो जाती है।

हाथ कांपते हैं और आंखें उनींदी रहती हैं। आंखें बाहर आ जाएंगी, ऐसा लगता है। धड़कन बढ़ जाती है। इन्हें नींद नहीं आती। दस्त होता है। प्रजनन प्रभावित होता है। मासिक रक्तस्राव ज्यादा एवं अनियमित हो जाता है। गर्भपात के मामले सामने आते हैं। हायपर थायराइड बीस साल की महिलाओं को ज्यादा होता है।

### जांच व उपचार -

थायराइड के दोनों प्रकार में रक्त की जांच पहले की जाती है। रक्त में टी थ्री, टी फोर एवं टी एस एच लेवल में सक्रिय हार्मोन्स का लेवल जांच किया जाता है। जांच निष्कर्ष के अनुसार डाक्टर उपचार बताते हैं। विवाह के उपरांत एवं गर्भ अवस्था में महिलाएं थायराइड की जांच जरूर कराएं। इससे गर्भवती एवं गर्भस्थ शिशु को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी। नब्बे प्रतिशत रोगियों को उम्र भर दवा खानी पड़ती है किंतु पहले चरण में उपचार करा लेने से महिलाओं के शेष जीवन की दिनचर्या आसान हो जाती है। मरीज पूरी तरह ठीक हो सकता है।

ऐसे मरीज तनाव से बचें एवं हाइपोथायराइड है तो आयोडीन की अधिकता वाले खाद्य पदार्थ से जीवन भर बचें। थायराइड की बीमारी पुरूषों व बच्चों को भी होती है। यह वंशानुगत होने वाली बीमारियों में से एक है। अभिनेत्री काजोल एक गैर सरकारी स्वयंसेवी संस्था के माध्यम से इस दिशा में महिलाओं में जागरूकता लाने का प्रयास कर रही हैं। (स्वा. द)

# मधुमेह के रोगियों के लिए करेला है 'अमृत'

आर. डी. अग्रवाल

एक असाध्य बीमारी है मधुमेह डायबिटीज! करेला मधुमेह के रोगियों के लिए 'अमृत' तुल्य है। 100 मिली. के रस में इतना ही पानी मिलाकर दिन में तीन बार लेने से लाभ होता है। प्रातः चार किलोमीटर टहलना चाहिए तथा मिठाई खाने में परहेज रखना चाहिए। करेला मधुमेह के अलावा अन्य शारीरिक तकलीफों में भी लाभदायक है। जैसे-

**कब्ज:-** नित्य करेला सेवन करने से कब्ज दूर होता है। यह एक अनुपम सब्जी है और इसमें ज्यादा तेल-मसाले नहीं डालने चाहिए।

**पीलिया:-** ताजा करेले का रस सुबह-शाम पीने से लाभ होता है।

**दमा:-** दमा के मरीज भी करेले का रस सुबह खाली पेट लेकर राहत पा सकते हैं। सब्जी भी ज्यादा खानी चाहिए।

**पथरी:-** पथरी गुर्दे की हो या मूत्राशय की, इसे तोड़कर बाहर निकालने की क्षमता करेला रखता है। करेले का रस दिन में दो बार और दोनों समय भोजन में करेले की सब्जी खानी चाहिए।

**खूनी बवासीर:-** मस्से फटने से रक्तस्राव होता है जिसे खूनी बवासीर कहा जाता है। रोगी नित्य दिन में दो समय करेले के रस में दो चम्मच शक्कर मिलाकर पिये तो लाभ होगा।

**पाचन शक्ति:-** यदि पाचन शक्ति कमजोर हो तो किसी भी प्रकार करेले का नित्य सेवन करने से पाचन शक्ति मजबूत होती है। करेला स्वयं भी शीघ्र पचता है।

**खून की शुद्धि:-** करेला खून की शुद्धि करने में पूरी तरह सक्षम है। यदि त्वचा-रोग हो तो भी रक्त-शुद्धि हेतु करेले का रस कुछ दिनों तक आधा-आधा कप पीना लाभदायक है। इस प्रकार कडुवा करेला अनेकों रोगों में औषधि रूप में काम आ सकता है बशर्ते उसे उसी रूप में लिया जाये-रस या सब्जी बनाकर। (स्वा. द)

# कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई अमरनाथ यात्रा, जम्मू से पहला जत्था रवाना

**जम्मू :** हर हर महादेव के नारों से के बीच अमरनाथ यात्रा की शुरुआत हो गई है। यात्रा के लिए पहला जत्था जम्मू से रवाना हो गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। उम्मीद है कि यात्री दोपहर बाद तक कश्मीर पहुंच जाएंगे। हालांकि यात्रा की आधिकारिक शुरुआत 03 जुलाई यानी आज से होगी। ये यात्रा 38 दिन चलने वाली है। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। यह यात्रा कड़ी सुरक्षा के बीच चल रही है। सुरक्षा बल हर मोड़ पर तैनात हैं। इस मौके पर सिन्हा ने कहा कि अमरनाथ यात्रा को लेकर दुनिया भर के लोगों की निगाहें हैं। कोई भी खतरा श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकता है।

### अफगानिस्तान में यूएस/नाटो सेना के काफिलों की तर्ज पर यात्रा की सुरक्षा, 80000 जवान तैनात

38 दिन तक चलने वाली यह यात्रा, पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से गुजरेगी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और जम्मू कश्मीर पुलिस के लगभग 80 हजार जवान, अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में तैनात किए गए हैं। ये जवान, यात्रियों को उनकी हिफाजत की गारंटी देंगे। फिदायीन अटैक जैसे हमलों को रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने अचूक घेरा तैयार किया है। यात्रा के रूट पर कोई आतंकी न आ सके, इसके लिए वैसी ही सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जैसी अफगानिस्तान में यूएस/नाटो सेना के काफिलों की हिफाजत के लिए देखने को मिलती थी। खुफिया इकाई से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, अमरनाथ यात्रा के रूट पर पाकिस्तान के दश-हतगर्दों की बुरी नजर है। वजह, उनके मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में लगभग '50' पाकिस्तानी दहशतगर्द छिपे हैं।

## अब अगले दिन सुबह 5 बजे से अपराह्न 2 बजे तक रवाना होने वाली ट्रेनों के लिए आरक्षण चार्ट रात 9 बजे

**नयी दिल्ली :** रेलवे अगले दिन सुबह पांच बजे से दोपहर दो बजे के बीच रवाना होने वाली ट्रेनों के लिए रात नौ बजे तक आरक्षण चार्ट तैयार करेगा, जबकि बाकी ट्रेनों के लिए यह आठ घंटे पहले तैयार किया जाएगा। वर्ष 2015 से, पहला आरक्षण चार्ट ट्रेन के प्रस्थान के निर्धारित समय से कम से कम चार घंटे पहले तैयार किया जाता रहा है। रेल मंत्रालय द्वारा इस मामले में पहली बार नियम बनाए जाने के बाद ऐसा किया जा रहा था। मंत्रालय के अनुसार, यात्रियों की सुविधा के लिए चार्ट से जुड़े नियम में नवीनतम बदलाव किया गया है। रेलवे बोर्ड ने दो जुलाई को सभी जोन को जारी एक परिपत्र में निर्देश दिया कि ''सुबह पांच बजे से दोपहर दो बजे

के बीच प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए, पहला आरक्षण चार्ट, एक दिन पहले रात नौ बजे तक तैयार किया जाएगा।'' दोपहर दो बजे से रात 11:59 बजे तथा रात 12 बजे से सुबह 5:00 बजे के बीच प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए, पहला आरक्षण चार्ट आठ घंटे पहले तैयार किया जाएगा। परिपत्र में सभी जोन को आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा गया, लेकिन इसके कार्यान्वयन की कोई निश्चित तारीख नहीं बताई गई है, न ही दूसरे आरक्षण चार्ट को तैयार करने में किसी बदलाव का उल्लेख किया गया है। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, ''ट्रेन के प्रस्थान से आठ घंटे पहले चार्ट तैयार होने के बाद, यदि सीट खाली रह जाती है, तो यात्री इन्हें ट्रेन के रवाना होने से ठीक पहले बुकिंग सुविधा के तहत आरक्षित करा सकते हैं। दूसरा चार्ट ट्रेन के प्रस्थान से 30 मिनट से पांच मिनट पहले तैयार किया जाता है और यह मुख्य रूप से ट्रेन के रवाना होने से ठीक पहले बुकिंग के तहत टिकट लेने वाले यात्रियों के लिए होता है।''

## न्यूज इन ब्रीफ

### यूको बैंक के पूर्व सीएमडी के खिलाफ धन शोधन मामले में सीए गिरफ्तार

**नयी दिल्ली :** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि यूको बैंक के पूर्व अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सुबोध कुमार गोयल से जुड़े 1,460 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में धन शोधन में कथित रूप से ''महत्वपूर्ण'' भूमिका निभाने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया गया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि अनंत कुमार अग्रवाल को बैंक धोखाधड़ी मामले में कॉनकास्ट स्टील एंड पावर लिमिटेड (सीएसपीएल) और अन्य की जांच के सिलसिले में 25 जून को कोलकाता में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया था। बयान में कहा गया कि विशेष पीएमएलए अदालत ने अग्रवाल को पांच जुलाई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। यूको बैंक के पूर्व सीएमडी गोयल को इस मामले में मई में ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अग्रवाल ने गोयल की ओर से लंबे समय तक अपराध की आय को सफेद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### चुनाव चिह्न विवाद: शिवसेना (उबाठा) की याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

**नयी दिल्ली :** महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना के धड़े ने पार्टी के चुनाव चिह्न संबंधी विवाद में अपनी याचिका पर राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर तत्काल सुनवाई के लिए बुधवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। इस मामले का उल्लेख न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष किया गया जिसने इसे 14 जुलाई को सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) के वकील ने पीठ को सूचित किया कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जल्द ही जारी होने की संभावना है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के वकील ने कहा कि इसी तरह का अनुरोध चुनाव चिह्न विवाद मामले की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष भी सात मई को किया गया था और इसे अस्वीकार कर दिया गया था। शिवसेना (उबाठा) के वकील ने तर्क दिया कि न्यायमूर्ति कांत की अगुवाई वाली पीठ ने कहा था कि इस मामले का उल्लेख शीर्ष अदालत के आंशिक कार्य दिवसों के दौरान किया जा सकता है।

## गुजरात पुलिस ने 13 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में मुंबई के व्यापारी को हिरासत में लिया

**अहमदाबाद :** गुजरात पुलिस की अपराध शाखा ने मुंबई के एक व्यापारी को एक जौहरी के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप में अहमदाबाद में हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस व्यापारी को विमान अपहरण की धमकी भरा नोट छोड़ने के लिए अपहरण रोधी अधिनियम के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी, लेकिन बाद में गुजरात उच्च न्यायालय ने उसे बरी कर दिया था। अधिकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र में पोंजी घोटाले में वांछित और एक जौहरी को उसका 13 करोड़ रुपये कीमत का सोना व हीरा न लौटाकर धोखाधड़ी करने के आरोपी बिरजू सल्ला को एक अज्ञात जगह से हिरासत में लिया गया। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अजित राजियन ने कहा, ''सल्ला से फिलहाल अपराध शाखा पूछताछ कर रही है। वह महाराष्ट्र में पोंजी घोटाले में 'वांछित' था। उसे पहले एक विमान के अपहरण की धमकी देने के लिए दोषी ठहराया गया था (और बाद में बरी कर दिया गया था)। बृहस्पतिवार को अधिक जानकारी साझा की जाएगी।'' एक पुलिस निरीक्षक ने बताया कि मुंबई के ताड़देव इलाके का रहने वाला सल्ला पिछले महीने उसके खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी के मामले में फरार था। पुलिस निरीक्षक ने कहा, ''10 जून को दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, सल्ला ने एक जौहरी से कथित तौर पर उधार लिया गया सोना, चांदी और हीरे नहीं लौटाकर 13 करोड़ रुपये की ठगी की। उस मामले में उसे कभी गिरफ्तार नहीं किया गया। हमने पूछताछ के लिए उसे एक अज्ञात स्थान से हिरासत में लिया है।''

## नए आपराधिक कानूनों से सिर्फ भ्रम पैदा हुआ, यह निरर्थक प्रयास था : चिदंबरम

**नयी दिल्ली :** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानून बनाने की कवायद निरर्थक थी और इससे न्यायाधीशों, वकीलों और पुलिस समेत न्याय के प्रशासन में केवल भ्रम पैदा हुआ है। चिदंबरम ने यह भी दावा किया कि नए अधिनियम ज्यादातर 'कॉपी एंड पेस्ट' वाले हैं और कुछ ही नए प्रावधान जोड़े गए हैं। उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तीन नए आपराधिक कानूनों के अधिनियमन को स्वतंत्र भारत में सबसे बड़ा सुधार करार दिए जाने के एक दिन बाद आई है। शाह ने इस बात पर जोर दिया था कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने

नए कानून - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) बनाए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नागरिकों के सभी अधिकार सुरक्षित हैं और कोई भी अपराधी दंड से बच नहीं सकेगा। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने चिदंबरम पर पलटवार करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह वास्तव में उल्लेखनीय है कि जिस व्यक्ति ने वित्त मंत्री और गृह मंत्री दोनों के रूप में कार्य किया है, उसके हिस्से में कोई परिवर्तनकारी कानून नहीं है।'' मालवीय ने कहा, ''आपकी विरासत? प्रणब मुखर्जी के कार्यालय में जासूसी करवाने का आरोप और विपक्ष के सदस्य के रूप में असहमति नोट लिखने की है। यह भारतीय शासन व्यवस्था में आपके योगदान का कुल योग है।'' सरकार पर निशाना साधते हुए कि चिदंबरम ने कहा कि उसने बार-बार दावा किया है कि तीन आपराधिक कानून आजादी के बाद सबसे बड़े सुधार हैं, जबकि यह बात सच्चाई से कोसों दूर है।

## केरल में अटका ब्रिटिश लड़ाकू विमान राज्य के पर्यटन को बढ़ावा दे रहा

**तिरुवनंतपुरम :** पिछले महीने ब्रिटिश रॉयल नेवी एफ-35बी लाइटनिंग लड़ाकू विमान के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतरने के बाद, केरल पर्यटन के लिए यह अप्रत्याशित रूप से एक उपहार बन गया है। यह विमान, ब्रिटेन के सबसे उन्नत 'स्टील्थ' बेड़े का हिस्सा है, जो अपनी मरम्मत का इंतजार कर रहा है। हालांकि अब, पर्यटन का प्रचार करने के लिए इसकी तस्वीरों का उपयोग किया जा रहा है। केरल पर्यटन द्वारा अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया गया एक नया पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें इस लड़ाकू विमान को नारियल के पेड़ों और हरी-भरी पृष्ठभूमि के साथ दिखाया गया है। एक मजेदार शीर्षक में लिखा हुआ है, ''केरल एक अद्भुत जगह है, मैं इसे छोड़ कर नहीं जाना चाहता। निश्चित रूप से यहां आने को कहूंगा।'' इस उद्धरण को मजाकिया अंदाज में ''यूके एफ-35बी'' के लिए लिखा गया है। हालांकि, सोशल मीडिया पर चर्चा सिर्फ एक पोस्टर तक ही सीमित नहीं है। 'एक्स' पर व्यापक रूप से साझा की गई पोस्ट में, सुमोना चक्रवर्ती नाम के उपयोगकर्ता ने मजाकिया अंदाज में लिखा है, ''अब यह नारियल तेल के बिना चालू नहीं होगा।'' केरल में भोजन बनाने में व्यापक रूप से नारियल तेल का इस्तेमाल किया जाता है। 'एक्स' पर 'द चागालाटोका' हैंडल वाले व्यक्ति ने तो इससे भी आगे बढ़ते हुए टिप्पणी की।

## मंडी में बादल फटने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हुई, पांच शव बरामद

**शिमला :** हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों की संख्या, पांच शव और मिलने के बाद बढ़कर 10 हो गई है तथा 34 लापता लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को राज्य में बादल फटने की 11 घटनाएं, अचानक बाढ़ आने की चार घटनाएं और एक बड़ा भूस्खलन हुआ। इनमें से अधिकतर घटनाएं मंडी जिले में हुईं। इन घटनाओं के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। गोहर में चार, करसोग में तीन, धरमपुर में दो और मंडी के थुनाग में एक स्थान पर बादल फटने की खबर है। अधिकारियों ने बताया कि गोहर के

सियंज में दो शव तथा थुनाग, धार जारोल और पांडीव शील क्षेत्रों में एक-एक शव बरामद किया गया। मृतकों की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है। गोहर के बाड़ा में मंगलवार को दो और तलवारा में एक व्यक्ति की मौत हुई जबकि करसोग के पुराने बाजार में एक व्यक्ति की मौत हुई। वहीं जोगिंदरनगर के नेरी-कोटला में एक शव बरामद किया गया। भारी बारिश के कारण राज्य में कुल 282 सड़कें बंद हो गईं और 1361 ट्रांसफॉर्मर तथा 639 जल योजनाएं बाधित हो गईं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, सबसे अधिक नुकसान मंडी में हुआ, जहां बुधवार सुबह तक 182 सड़कें वाहनों की आवाजाही के लिए अवरुद्ध रहीं और 633 ट्रांसफॉर्मर तथा 465 जल योजनाएं प्रभावित रहीं।

## भारत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन रहा : डीआरडीओ के पूर्व प्रमुख सारस्वत

**जमशेदपुर(झारखंड) :** नीति आयोग के सदस्य और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व प्रमुख वी. के. सारस्वत ने बुधवार को कहा कि भारत अपने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन रहा है। सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला की पांचवीं प्लेटिनम जुबली व्याख्यान में भाग लेने के लिए इस्पात नगरी आए सारस्वत ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत अपनी रक्षा जरूरतों का 70 प्रतिशत आयात करता था। डीआरडीओ के पूर्व प्रमुख सारस्वत ने कहा, ''अब प्रवृत्ति उलट गई है और हम अपनी जरूरतों का 70 प्रतिशत उत्पादन स्वदेश में करते हैं।'' उन्होंने कहा कि एस-400 वायु रक्षा प्रणाली जैसे कुछ सैन्य साज-ोसामान को छोड़कर, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल किए गए अधिकांश हथियार और मिसाइलें - जैसे आकाश और ब्रह्मोस - स्वदेश निर्मित थे। उन्होंने कहा, ''आज, देश सशस्त्र बलों की तात्कालिक आवश्यकताओं के लिए, या जहां हमारे पास प्रौद्योगिकी नहीं है, हथियारों के आयात पर निर्भर है।'' उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में रक्षा उत्पादन में देश की आत्मनिर्भरता काफी बढ़ी है क्योंकि केंद्र निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दे रहा है। सारस्वत ने कहा कि वे वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल) के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों से प्रसन्न हैं।

## असम में अवैध मवेशी वध और गोमांस बेचने के आरोप में करीब 200 लोग गिरफ्तार

**गुवाहाटी :** असम मवेशी संरक्षण अधिनियम के कथित उल्लंघन के सिलसिले में लगभग 200 लोगों को गिरफ्तार किया गया और राज्य भर में 1.7 टन से अधिक संदिग्ध गोमांस जब्त किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) अखिलेश कुमार सिंह के अनुसार, मवेशियों के अवैध वध और रेस्तरां में अनधिकृत रूप से गोमांस बेचने की घटनाओं की जांच के लिए मंगलवार को पूरे असम में अभियान चलाया गया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, अधिनियम के उल्लंघन के खिलाफ अभियान कल शुरू हुआ और हमने अब तक 196 लोगों को गिरफ्तार किया है। हमने राज्य भर में विभिन्न स्थानों से 1,732 किलोग्राम संदिग्ध गोमांस भी जब्त किया है। सिंह ने बताया कि पिछले दो दिनों में पुलिस ने असम के लगभग सभी जिलों में 178 होटलों, रेस्तरां और बूचड़खानों की तलाशी ली है। उन्होंने कहा कि अधिनियम के उल्लंघन के खिलाफ अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। असम में गोमांस का सेवन गैरकानूनी नहीं है, लेकिन असम मवेशी संरक्षण अधिनियम, 2021 उन इलाकों में मवेशी वध और गोमांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाता है जहां हिंदू, जैन और सिख बहुसंख्यक हैं। किसी मंदिर या सत्र (वैष्णव मठ) के पांच किलोमीटर के दायरे में भी ये प्रतिबंध लागू होते हैं।

## राजस्थान: तीन बाघों की हड्डियां मिलने से रणथंभौर में शिकार को लेकर चिंताएं बढ़ीं

**जयपुर :** शिकारियों के एक अंतरराज्यीय गिरोह द्वारा मारे गए तीन बाघों के रणथंभौर बाघ अभयारण्य (आरटीआर) से होने की आशंका के बाद राजस्थान के इस विख्यात अभयारण्य में शिकार को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने मध्य प्रदेश की 'स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स', राजस्थान वन विभाग और सवाई माधोपुर के एक गैर सरकारी संगठन 'टाइगर वॉच' के एक संयुक्त अभियान के बाद यह खुलासा हुआ। इसके तहत छह शिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार शिकारियों में तीन राजस्थान से हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार पांच जून को मध्य प्रदेश के श्योपुर के पास बाघों की हड्डियों के 225 से अधिक टुकड़े जब्त किए गए थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में राजस्थान के दौसा के निवासी दाऊजी भील और सुनीता दाऊजी और मध्य प्रदेश के श्योपुर के बेस्ता भील शामिल हैं। इनके पास बाघों की खोपड़ी और हड्डियां मिलीं। मध्य प्रदेश के वन अधिकारियों ने शिवपुरी से बानीराम मोघिया और नरेश तथा राजस्थान के टोंक निवासी राजाराम मोघिया को भी पकड़ा। एक आधिकारिक संवाद में मध्य प्रदेश के वन अधिकारियों ने राजस्थान से रणथंभौर के बाघों की डीएनए प्रोफाइल साझा करने को कहा है ताकि जब्त किए गए अवशेषों से इनका मिलान किया जा सके। राजस्थान वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें पत्र मिला है और समुचित परख के बाद जवाब दिया जाएगा। हमारी टीम इस पर सक्रियता से काम कर रही हैं।

## रथों को मोड़ने के साथ भगवान जगन्नाथ की 'बहुड़ा यात्रा' के लिए तैयारियां शुरू

**पुरी (ओडिशा) :** श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने पुरी जिला प्रशासन और पुलिस की मदद से बुधवार को 'हेरा पंचमी' अनुष्ठान पूरा होने के एक दिन बाद भगवान जगन्नाथ की 'बहुड़ा यात्रा' (वापसी रथयात्रा) की तैयारियां शुरू कीं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एसजेटीए अधिकारी ने बताया कि बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी श्रद्धालुओं को श्री गुंडिचा मंदिर में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन सुचारू रूप से हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पांच जुलाई को 'बहुड़ा यात्रा' के लिए रथों को दक्षिण दिशा की ओर मोड़ने (दखिना मोड़ा) की तैयारी चल रही है। अधिकारी का कहना है कि तीन भव्य रथ- तलध्वज (भगवान बलभद्र), दर्पदलन (देवी सुभद्रा) और नंदीघोष (भगवान जगन्नाथ) अब श्री गुंडिचा मंदिर के सामने 'सरधाबली' (पवित्र रेतीले स्थान) पर खड़े हैं। यह मंदिर देवताओं का जन्मस्थान माना जाता है। वापसी रथयात्रा के लिए इन रथों को घुमाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी और कुछ सेवायत रथ को खींचकर उचित स्थान पर रखेंगे, उसके बाद पांच जुलाई को 'बहुड़ा यात्रा' के दौरान इन रथों को 12वीं शताब्दी के मंदिर तक ले जाया जाएगा। माधव पूजापंडा ने कहा, ''आज, 'सकालधुप' (सुबह के भोजन) अनुष्ठान के बाद, देवताओं से 'आज्ञामाला' (अनुमति माला) आने के बाद रथ को खींचा जाएगा, फिर रथ 'दखिना मोड़' की ओर मुड़ेंगे। इस बीच तीन 'आज्ञा माला' (मालाएं) रथों तक पहुंच गई हैं।

## अमरनाथ यात्रा: सीआरपीएफ ने महिला टीम 'क्या मैं आपकी मदद कर सकती हूं' तैनात की

**जम्मू/नयी दिल्ली :** केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा के सिलसिले में गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए बालटाल मार्ग लेने वाले तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए महिला कर्मियों की 'क्या मैं आपकी मदद कर सकती हूं' नामक विशेष टीम तैनात की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सीआरपीएफ ने इस वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए सबसे अधिक संख्या में कर्मियों को तैनात किया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को जम्मू से इस यात्रा को हरी झंडी दिखाई। यात्रा के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 581 कंपनियां तैनात की गयी हैं जिनमें 219

सीआरपीएफ से हैं, जबकि बाकी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत तिब्बत सीमा बल (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जैसे बलों से हैं। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई को दो मार्गों से शुरू होगी। इसमें अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग हैं।

## राजस्थान में हथियारों का जखीरा बरामद, कुख्यात बदमाश सहित दो गिरफ्तार

**जयपुर :** एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और प्रतापगढ़ जिला पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई में अवैध हथियारों के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इनसे 14 अवैध विदेशी और देशी हथियार, 1860 कारतूस और 10 मैगजीन का विशाल जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो प्रमुख अपराधियों कुख्यात गैंगस्टर सलमान खान (38) और उसे हथियार आपूर्ति करने वाले राकेश कुमार (48) को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त महानिदेशक (एजीटीएफ) दिनेश एमएन ने बुधवार को बताया कि बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और चित्तौड़गढ़ भेजे गए दलों द्वारा व्यापक खुफिया जानकारी जुटाने के साथ उप महानिरीक्षक योगेश यादव की देखरेख में अभियान की योजना बनाई गई थी। उन्होंने बताया कि 28 जून को छोटी सादड़ी थाना पुलिस ने राकेश कुमार को छोटी सादड़ी-नीमच रोड से एक पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि राकेश, अवैध हथियार आपूर्ति श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण मोहरा था और उसकी गिरफ्तारी इस अभियान की पहली कड़ी साबित हुई। उन्होंने बताया कि राकेश से हुई पूछताछ ने पुलिस को अपराध की दुनिया के एक और बड़े नाम सलमान (38), निवासी नागदा, उज्जैन तक पहुंचाया। उन्होंने बताया कि सलमान फिरौती के एक मामले में पहले से ही बांसवाड़ा जेल में बंद था। उन्होंने बताया कि एजीटीएफ ने उसे 'प्रोटेक्शन वारंट' पर लिया। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ में सलमान ने बताया कि उसके पिता शेरखान पठान भी पुलिसकर्मी थे लेकिन हत्या सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे और अंततः पुलिस मुठभेड़ में मारे गए थे।

## सिर्फ 54 फीसदी सत्यापित गांव ही 'ओडीएफ प्लस मॉडल' का दर्जा प्राप्त कर पाए हैं: सरकारी समीक्षा

**नयी दिल्ली :** स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी) के तहत लक्षित 80 फीसदी गांव खुले में शौच (ओडीएफ) से मुक्त हैं और वहां ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियां मौजूद हैं, लेकिन महज 54 प्रतिशत ही आधिकारिक रूप से सत्यापित हैं। एक सरकारी समीक्षा से यह बात सामने आई है। ये आंकड़े बुधवार को नयी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यशाला में पेश किए गए। समीक्षा से यह भी पता चला कि 'ग्रे वाटर' (धूसर जल) प्रबंधन राष्ट्रीय कवरेज के 91 फीसदी तक पहुंच गया है और 20 से अधिक राज्यों व केंद्र-शासित प्रदेशों ने 95 प्रतिशत का आंकड़ा पार कर लिया है। 'ग्रे वाटर' का मतलब घरों या इमारतों से निकलने वाले अपशिष्ट जल से है, जो शौचालयों से नहीं आता है। हाथ धोने के बेसिन, वॉशिंग मशीन, शावर और स्नानघर से निकलने वाला अपशिष्ट जल 'ग्रे वाटर' कहलाता है। समीक्षा के मुताबिक, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ने ब्लॉक स्तर पर 87 प्रतिशत, जबकि प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन ने 70 फीसदी कवरेज हासिल कर लिया है। हालांकि, इसकी कार्यात्मक स्थिरता के बारे में चिंताएं बनी हुई हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, लक्षित गांवों में से 80 फीसदी ने 'ओडीएफ प्लस मॉडल' का दर्जा हासिल कर लिया है, लेकिन केवल 54 प्रतिशत का ही सत्यापन किया गया है।

## देश में 11 नदी निगरानी केंद्र पर जल स्तर बाढ़ चेतावनी स्तर के पार : सीडब्ल्यूसी

**नयी दिल्ली :** केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को कहा कि देश में 11 नदी निगरानी केंद्रों पर पानी का स्तर बाढ़ चेतावनी स्तर को पार कर गया है। हालांकि, सीडब्ल्यूसी ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी भी केंद्र पर पानी का स्तर खतरे के निशान या बाढ़ की चरम सीमा तक नहीं पहुंचा है। आयोग ने केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की ओर से जारी अपने दैनिक बाढ़ बुलेटिन के तहत यह जानकारी साझा की है। बुलेटिन में बताया गया है कि अभी कोई भी नदी निगरानी केंद्र गंभीर या उच्चतम बाढ़ की स्थिति वाली श्रेणी में नहीं है, यानी किसी भी स्थान पर पानी का

स्तर खतरे के निशान या ऐतिहासिक रूप से बाढ़ के उच्चतम स्तर तक नहीं पहुंचा है। हालांकि, इसमें असम, बिहार, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के 12 नदी निगरानी केंद्रों को उन जगहों के रूप में चिह्नित किया गया है, जहां बाढ़ का खतरा सामान्य से अधिक है और जल स्तर चेतावनी सीमा को पार कर गया है, लेकिन खतरे के निशान से नीचे है। बुलेटिन के मुताबिक, असम के करीमगंज में कुशियारा नदी और नेमाटीघाट (जोरहाट) में ब्रह्मपुत्र नदी का जल स्तर चिंता के स्तर के करीब पहुंच गया है। इसमें कहा गया है कि बिहार के बलतारा में कोसी, बेनीबाद में बागमती और डुमरियाघाट में गंडक नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है, जिस पर नजर रखी जा रही है। बुलेटिन के अनुसार, उत्तर प्रदेश में चार जगहों पर कड़ी निगरानी की जा रही है, जिनमें फतेहगढ़ और कछला पुल पर गंगा, एल्गिनब्रिज पर घाघरा और खड्डा पर गंडक नदी शामिल हैं, जहां जलस्तर 95 मीटर के चेतावनी स्तर को छू गया है। इसमें कहा गया है कि ओडिशा में बालेश्वर जिले के मथानी रोड ब्रिज और राजघाट में सुवर्णरेखा नदी का जलस्तर सामान्य से अधिक दर्ज किया गया है, जबकि तमिलनाडु में मुसिरी में कावेरी नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर को पार कर गया है। जलाशय और बैराज के मामले में सीडब्ल्यूसी ने आंध्र प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित 10 राज्यों के 23 स्थलों के लिए अंतर्वाह पूर्वानुमान जारी किया है।

# गिल का बतौर कप्तान लगातार दूसरा शतक

## भारत के पांच विकेट पर 310 रन

**बर्मिंघम :** भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के शुरुआती दिन पांच विकेट खोकर 310 रन बना लिए हैं। बुधवार का खेल समाप्त होने तक शुभमन गिल 114 और रवींद्र जडेजा 41 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। दोनों के बीच 99 रनों की साझेदारी हो चुकी है। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एजबेस्टन पर खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है।भारत की पहली पारी झटके के साथ शुरू हुई। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल सिर्फ दो रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें क्रिस वोक्स ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद यशस्वी जायसवाल को करुण नायर का साथ मिला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 80 रनों की साझेदारी हुई। ब्रायडन कार्स ने इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने करुण नायर को अपना

शिकार बनाया। वह 50 गेंदों में पांच चौके की मदद से 31 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल शतक से चूके

इसके बाद मोर्चा यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने संभाला। दोनों के बीच 66 रनों की साझेदारी हुई। सलामी बल्लेबाज जायसवाल 87 रन बनाकर आउट हो गए। वह अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें बेन स्टोक्स ने अपना शिकार बनाया। जायसवाल के बाद गिल को पंत का साथ मिला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए कुछ अच्छे शॉट्स खेले और 47 रन जोड़े, लेकिन शोएब बशीर ने उपकप्तान को अपना शिकार बनाया। वह 42 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, इंग्लैंड की धरती पर अपना पहला मैच खेल रहे नीतीश कुमार रेड्डी सिर्फ एक रन बना पाए। उन्हें क्रिस वोक्स ने बोल्ड किया।

**गिल ने जड़ा शतक**

गिल ने लीड्स के बाद एजबेस्टन टेस्ट में भी शतक जड़ दिया है। वह इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन टेस्ट मैचों में शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय बन गए। इस मामले में उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों की बराबरी कर ली। भारतीय कप्तान ने 199 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का सातवां सैकड़ा पूरा किया। वह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में भी शतक लगाया था। उससे पहले 2024 में जब इंग्लैंड की टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारत आई थी, तब गिल ने धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में 110 रनों की पारी खेली थी। इस तरह गिल इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन शतक जड़ने वाले पांचवें भारतीय बन गए। बतौर कप्तान भी गिल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दूसरा शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बन गए। उनसे पहले यह कारनामा विजय हजारे और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने किया था। दोनों ने क्रमश: दिल्ली और ब्रेबोर्न (1951-52) व लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड (1990) में यह कारनामा किया था।

### बुमराह लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट खेलेंगे : गिल

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में टीम की अंतिम एकादश में वापसी करेंगे। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के कारण बुधवार से यहां शुरू हुए दूसरे टेस्ट मैच में आराम दिया गया। वह लीड्स में पहले टेस्ट मैच में खेले थे जिसमें भारत पांच विकेट से हार गया था। गिल ने यहां दूसरे टेस्ट के लिए टॉस के समय कहा, 'तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में है। हमें लगता है कि उस पिच पर वह अधिक उपयोगी होंगे इसलिए हम उन्हें वहां इस्तेमाल करेंगे।' गिल ने कहा, 'हम कुलदीप यादव को खिलाना चाहते थे लेकिन हमने बल्लेबाजी में गहराई के कारण यह फैसला किया।' तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से शुरू होगा। भारतीय टीम प्रबंधन ने श्रृंखला के शुरू में घोषणा की थी कि बुमराह पांच में से तीन टेस्ट में ही खेलेंगे।

# बुमराह को बाहर बैठाने के भारत के फैसले से शास्त्री स्तब्ध

**बर्मिंघम :** भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पूरी तरह से फिट जसप्रीत बुमराह को आराम देने के भारत के फैसले पर हैरानी जताई और कहा कि इस तेज गेंदबाज को एक महत्वपूर्ण मैच से बाहर बैठने का विकल्प नहीं दिया जाना चाहिए था। पिछले साल अक्टूबर से टेस्ट क्रिकेट में खराब दौर से गुजर रहा भारत अपने पिछले नौ मैच में से सिर्फ एक जीत हासिल कर पाया है जो एक दशक से भी अधिक समय में उसका सबसे खराब प्रदर्शन है। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में पांच विकेट से हार गई थी। शास्त्री ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा, 'अगर आप भारत के प्रदर्शन को देखें तो यह बहुत ही महत्वपूर्ण टेस्ट मैच है। आपने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच गंवाए, आपने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी तीन मैच गंवाए।' उन्होंने कहा, 'आप यहां पहला टेस्ट मैच हार गए और आप जीत की राह पर वापस लौटना चाहते हैं। आपके पास दुनिया का सबसे अच्छा तेज गेंदबाज है और आप उसे सात दिन के ब्रेक के बाद बाहर बैठाते हैं, इस पर यकीन करना बहुत मुश्किल है।' बुमराह ने लीड्स में पहले टेस्ट की पहली पारी में 14वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट हासिल किए थे। बुधवार को टॉस के बाद गिल ने इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज माइकल आथर्टन से कहा कि बुमराह के गेंदबाजी को बोझ का प्रबंधन करने के लिए उन्हें आराम दिया गया है।

### विम्बलडन : उलटफेर का शिकार होने से बची सबालेंका तीसरे दौर में

**लंदन :** दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका विम्बलडन में दूसरे दौर के मैच का पहला सेट गंवाने से बस दो अंक के फासले पर थी लेकिन सही समय पर वापसी करते हुए उन्होंने मैरी बूजकोवा को 7-6, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। इस बार विम्बलडन महिला एकल में शीर्ष दस में से चार खिलाड़ी पहले दौर में बाहर हो गईं जिनमें दूसरी रैंकिंग वाली कोको गाफ, तीसरे नंबर की जेसिका पेगुला, पांचवीं रैंकिंग पर काबिज झेंग किंवेन और नौवीं रैंकिंग वाली पाउला बाडोसा शामिल हैं। अब तक दो दिन के भीतर 23 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी (दस महिला और 13 पुरूष) बाहर हो चुके हैं। सबालेंका पिछले साल कंधे की चोट के कारण विम्बलडन नहीं खेल सकी थी। अन्य मैचों में आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन मेडिसन कीस ने ओल्गा डानिलोविच को 6-4, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई।

### भारत ने इराक को 5-0 से हराया, महिला एशियाई कप क्वालीफिकेशन से एक कदम दूर

**चियांग माइ (थाईलैंड) :** भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां इराक को 5-0 से शिकस्त दी। भारतीय टीम ने पहले हाफ में 2-0 से बढ़त बनाई हुई थी। पहले हाफ में भारतीय टीम के लिए संगिता बसफोर और मनीषा ने गोल दागे। फिर दूसरे हाफ में कार्तिका अंगामुथु, फानजोबाम निर्मला देवी और नोंगमाईथेम रतनबाला देवी ने गोल कर टीम को जीत दिलाई। भारतीय टीम के तीन मैच में 22 गोल हो गए हैं और टीम ने एक भी गोल नहीं गंवाया है। इस तरह टीम को अभी तक एक भी मैच में हार नहीं मिली है और ग्रुप बी में भारत नौ अंक और +22 के गोल अंतर से शीर्ष पर बैठा है। थाईलैंड की टीम इस समय छह अंक लेकर ग्रुप में दूसरे स्थान पर है और अब मंगोलिया से भिड़ेगी।

# क्लासिकल शतरंज की तैयारी के लिए बहुत अधिक प्रयास की जरूरत होती है: प्रज्ञानानंदा

**नयी दिल्ली :** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा का मानना है कि मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा जैसे खिलाड़ी धीरे धीरे क्लासिकल शतरंज से दूर हो रहे हैं जिसका कारण मानसिक और शारीरिक थकावट है जो लंबे समय तक लंबे प्रारूप में खेलने से आती है। पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन और दुनिया के दूसरे नंबर के अमेरिकी ग्रैंडमास्टर नाकामुरा ने कम क्लासिकल मैच खेले हैं जबकि इनका ध्यान फ्रीस्टाइल, रैपिड और ब्लिट्ज प्रारूपों पर रहा है। इस साल तीन मुख्य क्लासिकल खिताब जीतने वाले प्रज्ञानानंदा का मानना है कि खिलाड़ियों को क्लासिकल शतरंज के लिए लगने वाली घंटों की तैयारी पसंद नहीं है जिससे उन्हें रैपिड

और ब्लिट्ज इससे अधिक संतोषजनक लगते हैं। प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'क्लासिकल शतरंज खेलना मुश्किल है क्योंकि हर कोई इसके लिए अच्छी तरह से तैयार होता है। क्लासिकल शतरंज में शुरूआती हिस्से की तैयारी बहुत अहम होती है। अगर आप इसकी तुलना फ्रीस्टाइल से करें तो आपको इससे पहले तैयारी करने की जरूरत नहीं होती है जबकि क्लासिकल शतरंज में आपको तैयारी के लिए बाध्य होना पड़ता है।' इस साल टाटा स्टील मास्टर्स, सुपरबेट क्लासिक और उज शतरंज कप जीतने वाले प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि कोई भी यह प्रक्रिया पसंद करता है लेकिन आप मजबूर हैं और आपको हर चीज के लिए एक योजना बनानी होती है। इसके लिए काफी अधिक प्रयास की आवश्यकता होती है।' चेन्नई के 19 वर्षीय खिलाड़ी को लगता है कि वर्षों तक क्लासिकल शतरंज खेलने के साथ 'बर्नआउट' (थकान) की संभावना भी बढ़ जाती है। प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'और जब आप बहुत सारे ऐसे टूर्नामेंट खेलते हैं तो आपकी ऊर्जा भी खत्म हो जाती है।

### विश्व मुक्केबाजी कप : मीनाक्षी, पूजा ने भारत के दो पदक पक्के किये

**अस्ताना (कजाखस्तान) :** मीनाक्षी (48 किलो) और पूजा रानी (80 किलो) ने विश्व मुक्केबाजी कप के तीसरे दिन बुधवार को सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के दो पदक पक्के कर दिये। मीनाक्षी ने चीनी ताइपै की गुओ यि शुआन को 5 . 0 से हराया। पूजा रानी ने कजाखस्तान की गुलसाया येरजान को बंटे हुए फैसले पर 4 . 1 से मात दी। इससे पहले अनामिका (51 किलो) तुर्की की एइसेन तसकीन को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। पुरूष वर्ग में जादूमणी सिंह को फिलीपींस के जे ब्रायन ने करीबी मुकाबले में हरा दिया।

# भारतीय के मुख्य फुटबॉल कोच मारक्वेज ने एआईएफएफ के साथ आपसी सहमति से पद छोड़ा

**नयी दिल्ली :** आलोचनाओं का सामना कर रहे भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज ने बुधवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के साथ 'आपसी सहमति' पर पहुंचने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एआईएफएफ पर हाल में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए जवाबदेही तय करने का दबाव था। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने यहां बैठक में 56 वर्षीय मारक्वेज को पदमुक्त करने पर सहमति जताई क्योंकि उन्होंने ऐसा करने की इच्छा जताई थी। मारक्वेज के अनुबंध में एक साल बाकी था। एआईएफएफ के उप महासचिव के सत्यनारायण ने पीटीआई को बताया, ''एआईएफएफ और मनोलो ने दोनों पक्षों पर कोई वित्तीय प्रभाव डाले बिना आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। इसलिए उन्हें भारत के कोच के पद से मुक्त कर

दिया गया है। एआईएफएफ जल्द ही मुख्य कोच के पद के लिए विज्ञापन देगा।'' स्पेन के मारक्वेज को जून 2024 में दो साल के कार्यकाल के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। पिछले साल उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई थी क्योंकि वह 2024-25 सत्र में इंडियन सुपर लीग की टीम एफसी गोवा के मुख्य कोच भी थे। भारत 10 जून को एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के एक मैच में निचली रैंकिंग वाले हांगकांग से 0-1 से हार गया जिससे देश पर 2027 में महाद्वीपीय की शीर्ष प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने से चूकने का खतरा मंडरा रहा है।

### पंत आईसीसी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंचे, बुमराह गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

**दुबई :** भारत के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में बुधवार को एक स्थान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले हफ्ते एक ही टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले सिर्फ दूसरे विकेटकीपर बने पंत के करियर के सर्वश्रेष्ठ 801 रेटिंग अंक हैं। वह शीर्ष पर चल रहे इंग्लैंड के जो रूट से सिर्फ 88 अंक पीछे हैं। पंत ने जुलाई 2022 में करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग हासिल की थी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर बरकरार हैं और बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष भारतीय है। कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के नुकसान से 21वें पायदान पर हैं।



# एचडीएफसी बैंक में बिकवाली, विदेशी कोषों की निकासी से सेंसेक्स 288 अंक टूटा

**मुंबई :** स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को शुरुआती तेजी बरकरार नहीं रह पायी और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली दबाव से बीएसई सेंसेक्स 288 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी 88 अंक के नुकसान में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और वैश्विक बाजारों के मिले-जुले रुख से धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती तेजी को कायम नहीं रख पाया और अंत में 287.60 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,409.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 546.52 अंक तक टूट गया था।

पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 88.40 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,453.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फिनसर्व, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और ट्रेंट शामिल हैं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'मिले-जुले वैश्विक संकेतों, खासतौर पर शुल्क छूट की समयसीमा की समाप्ति से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। बाजार का ध्यान धीरे-धीरे कंपनियों के पहली तिमाही के वित्तीय नतीजों पर है, जिससे काफी उम्मीदें हैं।' उन्होंने कहा, 'मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और बढ़े हुए सरकारी खर्च जैसे उपायों से बाजार में मजबूती बनी हुई है। हालांकि, निकट भविष्य में सतर्क रुख बना रह सकता है।' भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जून में बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 58.4 पर पहुंच गई। इससे उत्पादन और नए ऑर्डर में तेजी के साथ रोजगार में रिकॉर्ड वृद्धि का संकेत मिलता है। एक मासिक सर्वेक्षण में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक मई में 57.6 था। इसके साथ ही, मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जून में 6.2 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। एक साल पहले इसी महीने में यह 1,73,813 करोड़ रुपये था। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक लाभ में रहा।

### सोने में 500 रुपये की तेजी, चांदी स्थिर

**नयी दिल्ली :** राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें बुधवार को 500 रुपये बढ़कर 99,170 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अमेरिकी शुल्क को लेकर नयी चिंताओं के बीच भारी वैश्विक खरीद होने से सोने में यह तेजी देखी गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। पिछले सत्र में मंगलवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,200 रुपये बढ़कर 98,670 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। दो लगातार सत्रों में सोने में 1,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 450 रुपये बढ़कर 98,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया। पिछले कारोबार में यह 98,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। नुवामा प्रोफेशनल क्लाइंट्स ग्रुप के एफएक्स एवं जिंस प्रमुख, अभिलाष कोइकरा ने कहा, 'जुलाई-सितंबर तिमाही में सोने की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हाल ही में जून के उच्च स्तर से गिरावट के साथ ईरान-इजराइल युद्धविराम के बाद भू-राजनीतिक जोखिम में कमी आई है।'

### माइक्रोसॉफ्ट हजारों कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाएगी

**रेडमंड (अमेरिका) :** दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट हजारों कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। पिछले कुछ महीनों में यह दूसरी बार है, जब कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा रहा है। अमेरिकी कंपनी ने बुधवार से कर्मचारियों को नौकरी से हटाये जाने का नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने यह नहीं बताया कि वह कितने कर्मचारियों की छंटनी करेगी। लेकिन यह आंकड़ा पिछले साल कंपनी के कर्मचारियों की कुल संख्या के चार प्रतिशत से कम होगा। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि कर्मचारियों की छंटनी से दुनियाभर की कई टीमें प्रभावित होंगी, जिसमें उसकी बिक्री इकाई और उसका एक्सबॉक्स वीडियो गेम कारोबार शामिल है।

# ब्रिटेन के साथ एफटीए के तहत जल्द सामाजिक सुरक्षा समझौता कर सकता है भारत

**नयी दिल्ली :** ब्रिटेन के साथ संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के एक अंतर्निहित घटक के तौर पर भारत जल्द ही एक सामाजिक सुरक्षा समझौता कर सकता है। बुधवार को एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि अब से सामाजिक सुरक्षा समझौता (एसएसए) भविष्य में बातचीत किए जाने वाले सभी मुक्त व्यापार समझौतों का एक अंतर्निहित हिस्सा होगा। सूत्र ने कहा, 'माना जाता है कि ब्रिटेन एफटीए वार्ता के तहत सामाजिक सुरक्षा घटक पर सहमत हो गया है। इसे निकट भविष्य में अनुमोदित कर दिया जाएगा।' सामाजिक सुरक्षा समझौता, दो या दो से अधिक देशों के बीच एक पारस्परिक व्यवस्था है जो यह सुनिश्चित करती है कि विदेश में काम करने वाले कर्मचारी को सुरक्षा कवरेज कोष में योगदान नहीं करना पड़ता है, लेकिन पेंशन गणना के लिए उसे रोजगार अवधि का पूरा लाभ मिलता है। नियोक्ता भी अपने कर्मचारियों की ओर से दोहरा सामाजिक सुरक्षा योगदान करने से बच जाते हैं। विदेश में पदस्थ या विदेशी नियुक्ति पर तैनात भारतीय कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ से कवरेज प्रमाणपत्र (सीओसी) लेना जरूरी होता है। इससे कर्मचारी तैनाती वाले देशों में सामाजिक सुरक्षा योगदान के भुगतान से बच जाते हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को उन देशों में तैनात कर्मचारियों को कवरेज प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है जिन्होंने भारत के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हुए हैं। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने वाणिज्य मंत्रालय से भविष्य में सभी एफटीए वार्ताओं में एसएसए को शामिल करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, 'हम सभी लोगों की सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऐसा कर रहे हैं।' फिलहाल भारत ने कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, स्वीडन और ब्राजील समेत 22 देशों के साथ एसएसए किए हुए हैं। इन सभी 22 देशों के नागरिकों को भारत में तैनात होने पर समान लाभ मिलता है।

### मस्क की ईवी कंपनी टेस्ला की बिक्री जून तिमाही में 13 प्रतिशत गिरी

**न्यूयॉर्क :** अरबपति एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला की कारों की बिक्री में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 13 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। टेस्ला ने बुधवार को कहा कि जून तिमाही में उसने कुल 3,84,122 वाहनों की बिक्री की जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 4,43,956 इकाई था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब मस्क के राजनीतिक झुकाव की वजह से टेस्ला की ब्रांड छवि वैश्विक स्तर पर प्रभावित होने की बात कही जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोप के कुछ दक्षिणपंथी राजनेताओं के प्रति मस्क के झुकाव का प्रतिद्वंद्वी इलेक्ट्रिक-वाहन कंपनियों ने फायदा उठाया है और इससे टेस्ला की बाज़ार हिस्सेदारी कम हो रही हैं। हालांकि, मस्क अब ट्रंप प्रशासन के सरकारी खर्च में कटौती विभाग से अलग हो चुके हैं और अब दोनों के बीच खुलेआम तनातनी भी देखी जा रही है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि जुलाई-सितंबर तिमाही में टेस्ला की बिक्री सुधरेगी। यूरोप में टेस्ला को चीन की कंपनी बीवाईडी से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। मई में 30 यूरोपीय देशों में टेस्ला की बिक्री 28 प्रतिशत गिर गई जबकि कुल इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में तेजी रही। टेस्ला 23 जुलाई को जून तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा करेगी।

### इंडिगो की मुंबई से एम्स्टर्डम के लिए सीधी उड़ान शुरू

**एम्स्टर्डम :** सबसे बड़ी भारतीय एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने बुधवार को मुंबई से एम्स्टर्डम के लिए अपनी सीधी उड़ान सेवा शुरू करने के साथ ही यूरोप में अपनी मौजूदगी का विस्तार किया। गुरुग्राम स्थित एयरलाइन ने इस साल मई में कहा था कि वह चालू वित्त वर्ष में लंदन, एथेंस और आठ अन्य अंतरराष्ट्रीय शहरों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने पर विचार कर रही है। फिलहाल इंडिगो की 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ानें संचालित होती हैं। मुंबई से नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम के लिए उड़ान इंडिगो के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान के साथ सप्ताह में तीन बार संचालित होगी। एम्स्टर्डम का शिफोल हवाई अड्डा दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है और एक प्रमुख यूरोपीय केंद्र है। एयरलाइन ने मुंबई से ब्रिटेन के मैनचेस्टर के लिए भी अपनी उड़ानें शुरू की हैं। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा, 'यूरोप में अपने पंख फैलाते हुए, हम भारत को दुनिया से जोड़ने वाली अपनी मुंबई-एम्स्टर्डम उड़ानें शुरू करने से उत्साहित हैं।

# उत्तर प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को देशव्यापी हड़ताल

**नयी दिल्ली :** उत्तर प्रदेश में दो बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण के खिलाफ देश भर में कार्यरत करीब 27 लाख बिजली कर्मचारी नौ जुलाई को हड़ताल करेंगे। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि. का निजीकरण करने का फैसला किया है। ये वितरण कंपनियां राज्य के 75 में से 42 जिलों में बिजली आपूर्ति करती हैं। दुबे ने कहा, बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसी-सीओईईई) के आह्वान पर, देश भर के बिजली कर्मचारियों, जूनियर इंजीनियरों और इंजीनियरों ने वितरण कंपनियों के निजीकरण के विरोध में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए हैं। दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश की दो बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को 27 लाख बिजली कर्मचारियों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। इतने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों के हड़ताल में शामिल होने से देश में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा, अगर हड़ताल की वजह से बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है तो हम उसके लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। दुबे ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. और सरकार के कुछ बड़े अधिकारी चुनिंदा निजी घरानों के साथ मिलीभगत कर रहे हैं।

# एयर इंडिया के पायलटों ने सिम्युलेटर में बनाए हादसे जैसे हालात, उड़ता रहा विमान

**मुंबई :** एयर इंडिया के वरिष्ठ पायलट के एक समूह ने अहमदाबाद विमान हादसे के बाद सिम्युलेटर पर कुछ प्रतिकूल परिस्थितियां फिर से बनाकर उड़ान परीक्षण किया जिसमें बोइंग 787-8 विमान उड़ान भरता रहा। बुधवार को सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि यह परीक्षण एयर इंडिया के बोइंग 787 विमान बेड़े के प्रशिक्षकों द्वारा अहमदाबाद में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कुछ दिन के भीतर एयरलाइन के मुंबई परिसर में एक सिम्युलेटर प्रशिक्षण सत्र के दौरान स्वतंत्र रूप से किया गया था। इस बारे में संपर्क किए जाने पर एयर इंडिया ने कहा कि पायलट ने अपने स्तर पर सिम्युलेटर परीक्षण किए और इसमें एयरलाइन की कोई भूमिका नहीं थी। एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के चंद मिनटों के ही भीतर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार 241 लोगों समेत 260 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। विमान दुर्घटना के संभावित कारणों के बारे में शुरू में चर्चा में आए विभिन्न सिद्धांतों में से एक यह था कि पायलट ने विमान को पीछे की ओर मुड़े हुए फ्लैप और गियर नीचे करके उड़ाया था। एक सूत्र ने कहा, ''पायलटों ने प्रशिक्षण सत्र में खुद ही एआई 171 उड़ान जैसी स्थितियां निर्मित कीं। उन्होंने कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों जैसे अधिक वजन एवं अधिक तापमान के साथ (लैंडिंग) गियर को नीचे रखते हुए और 50 फुट की ऊंचाई पर (विंग) फ्लैप को वापस खींचते हुए प्रतिकूल परिस्थितियों का निर्माण करने का प्रयास किया।'' उन्होंने कहा, ''इसके बाद भी सिम्युलेटर परीक्षण के दौरान विमान उड़ान भरता रहा।''

### इंडियन बैंक ने कर्ज के लिए ब्याज घटाया, खाते में न्यूनतम राशि से जुड़े शुल्क से दी छूट

**नयी दिल्ली :** सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने बुधवार को एक वर्षीय कोष की सीमांत लागत आधारित उधारी दर (एमसीएलआर) 0.05 प्रतिशत घटाकर नौ प्रतिशत करने की घोषणा की। इंडियन बैंक ने बुधवार को एक बयान में कहा कि नई दर तीन जुलाई से प्रभाव में आ जाएगी। एक साल की एमसीएलआर वह मानक दर है जिसके आधार पर वाहन, व्यक्तिगत और आवास ऋण जैसे अधिकांश ऋणों के लिए ब्याज तय किये जाते हैं। बयान के अनुसार, बैंक कर्ज को सस्ता करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी के तहत एक साल की एमसीएलआर में 0.05 प्रतिशत की कटौती की गयी है। इस कटौती के बाद एमसीएलआर आधारित ब्याज नौ प्रतिशत हो जाएगा।

वर्ष 10, पूर्णांक 3285 अंक 095, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in